पौष मास, शुक्ल पक्ष 14, वर्ष 11, अंक 257, पृष्ठ 12, मूल्य : 5.00

प्रयागराज, गुरुवार, 5 जनवरी, 2023

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

अंदर - अपने उद्देश्य में कितने सफल हैं राहुल

अन्दर : पांड्या का बड़ा बयान मैच हारने में समस्या नहीं

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

सुप्रीम कोर्ट से यूपी सरकार को राहत

निकाय चुनाव से जुड़े इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक, 27 दिसंबर को दिया था आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से बुधवार को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए राहत भरी खबर आई। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उत्तर प्रदेश को अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण के बिना शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूपी सरकार की ओर से नियुक्त पैनल को तीन महीने में राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के लिए ओबीसी आरक्षण से संबंधित मुद्दों पर फैसला करना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस दौरान स्थानीय निकायों का प्रशासन बाधित न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार कार्यकाल समाप्त होने के बाद

फैसला

उत्तर प्रदेश सरकार ने बनाया है ओबीसी आयोग

हाईकोर्ट ने दिया था चुनाव कराने का आदेश

अधिकारों को प्रत्यायोजित करने के लिए स्वतंत्र होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद जिन प्रशासकों को उनकी शक्तियां सौंपी जाएंगी, वे बड़े नीतिगत फैसले नहीं लेंगे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर

जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर संज्ञान लिया। पीठ ने निर्देश दिया कि आयोग को 31 मार्च तक स्थानीय निकायों के चुनाव के लिए ओबीसी आरक्षण से संबंधित मुद्दों पर फैसला करना होगा।

इससे पहले स्थानीय निकाय चुनाव मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया था। मामले चार जनवरी को सुनवाई तय की गई थी। दरअसल, शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में निकाय चुनावों पर सरकार की मसौदा अधिसूचना को रद्द कर दिया था।

राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा था कि उच्च न्यायालय पांच दिसंबर की मसौदा अधिसूचना को रद्द नहीं कर सकता है, जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए शहरी निकाय चुनावों में सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड रुचिरा गोयल के माध्यम से दायर अपील में कहा गया था कि ओबीसी संवैधानिक रूप से संरक्षित वर्ग है और उच्च न्यायालय ने मसौदा अधिसूचना को रद्द करने में गलती की है। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को आरक्षण प्रदान करने के लिए सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए पांच सदस्यीय आयोग नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच दिसंबर को निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की अधिसूचना जारी की थी। इसके इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। कहा गया कि यूपी सरकार ने आरक्षण तय करने में सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट फॉमूर्ले का पालन नहीं किया है। इस पर हाईकोर्ट ने आरक्षण की अधिसूचना रद्द करते हुए यूपी सरकार को तत्काल प्रभाव से बिना ओबीसी आरक्षण लागू किए नगर निकाय चुनाव कराने का फैसला दे दिया था।

सोनिया गांधी अस्वस्थ अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जैसे ही इस बात की जानकारी मीडिया में आई तमाम कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य के लिए चिंता जताई। सोनिया गांधी को श्वसन संबंधी वायरल इन्फेक्शन था और अपने रूटीन चेक अप के लिए वो अस्पताल पहुंची थीं। इस बात को लेकर बाद में अस्पताल प्रशासन ने एक बयान भी जारी किया। अस्पताल प्रशासन ने जारी किए गए बयान में बताया कि सोनिया गांधी को क्यों हॉस्टपिटलाइज्ड करना पड़ा।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को हमारे

चिंता

अस्पताल ने कहा, उन्हें है इन्फेक्शन, प्रियंका भी साथ में

अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्हें वायरल रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन की निगरानी और इलाज के लिए उन्हें चेस्ट मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी की बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा उनके साथ अस्पताल गईं। सोनिया गांधी सांस संबंधी संक्रमण से जूझ रही हैं। सूत्रों की मानें तो वह मंगलवार से ही अस्वस्थ हैं, यही वजह है कि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा मंगलवार शाम उप्र में प्रवेश करने वाली भारत जोड़ो यात्रा में सात किमी पैदल चलकर दिल्ली लौट आए थे।

आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल, सपा नेता ने एक याचिका दायर कर सर्वोच्च न्यायालय से अपील की थी कि उनके खिलाफ यूपी में दर्ज कुछ केसों को दूसरे राज्यों में ट्रांसफर कर दिया जाए। कोर्ट ने उनकी इस मांग को नकारते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने के लिए कहा और निर्देश दिए कि उनकी याचिका पर जल्दी सुनवाई की जा सकती है। वकील कपिल सिब्बल के माध्यम से कोर्ट में पेश हुए आजम खां ने कहा, ₹मुझे राज्य में न्याय नहीं मिलेगा। मुझे जबरदस्ती सताया जा रहा है। यह कोई जज नहीं, बल्कि राज्य कर रहा है। एक राज्य के अंदर हर जगह स्थिति एक जैसी ही रहेगी।₹ इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एसए नजीर की बेंच ने कहा कि आजम खां के खिलाफ आपराधिक केसों को ट्रांसफर करने के लिए और पुख्ता वजहें चाहिए होंगी। बेंच ने कहा कि जब हम किसी केस को ट्रांसफर करते हैं तो हमें ज्यादा बड़ी वजहों को देखना होता है। हम आपको इलाहबाद हाईकोर्ट जाने की स्वायत्ता देते हैं। आजम के खिलाफ यूपी में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और हाल ही में एक केस में दोषी पाए जाने पर उनकी विधानसभा सदस्यता भी जा चुकी है।

यूपी से बाहर केस ट्रांसफर करने की मांग खारिज

क्रिकेटर ऋषभ पंत मुंबई एयरलिफ्ट किए गए

मुंबई। टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 4 जनवरी 2023 को देहरादून के मैक्स अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए। उन्हें आगे के इलाज के लिए मुंबई एयरलिफ्ट किया गया। वह कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट में भर्ती होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी है कि लिगामेंट इंजरी के लिए पंत की सर्जरी होगी। ऐसे में वह अनिश्चित काल के लिए क्रिकेट के मैदान से दूर हो गए हैं।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने प्रेस रिलीज में कहा कि ऋषभ पंत को देहरादून के एक अस्पताल से एयरएंबुलेंस में मुंबई ले जाया गया है, जहां घुटने और टखने के लिगामेंट की चोट के लिए उनका उपचार होगा।

होगी सर्जरी

स्पोर्ट्स ऑथोर्पेडिक सर्जन दिनशॉ परदीवाला करेंगे इलाज

बीसीसीआई ने ऋषभ पंत को एयर एंबुलेंस से मुंबई ले जाने का फैसला किया क्योंकि वह किसी व्यावसायिक एयरलाइन से उड़ान भरने की स्थिति में नहीं थे। इससे पहले समाचार एजेंसी पीटीआई ने पहले ही जानकारी दी थी ऋषभ पंत का इलाज प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ऑथोर्पेडिक सर्जन दिनशॉ परदीवाला करेंगे। जय शाह ने बताया कि ऋषभ पंत को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में भर्ती कराया जाएगा। डॉ. दिनशॉ परदीवाला की निगरानी में उनका इलाज होगा।

कौशांबी में भी छात्रा को 200 मीटर कार से घसीटा

कौशांबी। कौशांबी में भी दिल्ली जैसी घटना हुई है। यहां एक कार ने कंप्यूटर की क्लास करके घर वापस आ रही छात्रा को 200 मीटर तक घसीटा। इस घटना में छात्रा का हाथ और कूल्हा टूट गया है, जबकि पैर तीन जगह से फ्रैक्चर हुआ है। पीठ और कमर पर चोट लगी है। साथ ही चेहरा भी बुरी तरह छिल गया है। सीने पर भी गहरे घाव हैं। कार से छात्रा को घसीटता देख आस पास के लोगों ने शोर मचाया। इसके बाद कार एक गड्ढे में जाकर गिर गई। स्थानीय लोगों ने किसी तरह छात्रा को कार के नीचे से निकाला। फिर अस्पताल में भर्ती करवाया। इस मामले को पुलिस सड़क हादसा बता रही है। केस भी सड़क दुर्घटना और लापरवाही से गाड़ी चलाने में दर्ज किया गया है। घटना के समय कार में 4 लोग सवार थे। कार मालिक राम नरेश को पुलिस ने हिरासत में लिया था। उसको भी हल्की चोटें आई थीं, जिसको इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। कार में सवार बाकी तीन लोग मौके से फरार हो गए थे।

अंजलि के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में नशे की पुष्टि नहीं

कंझावाला कांड में मृत लड़की अंजलि की सहेली निधि के दावों पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली। कंझावाला एक्सीडेंट केस में जिस युवती की दर्दनाक मौत हुई, उसकी सहेली निधि के बयानों पर सवाल उठ रहे हैं। कथित हादसे के वक्त अंजलि के साथ वह भी स्कूटी पर सवार थी। शराब के नशे में हुड़दंगियों ने कार से अंजलि की स्कूटी को ठोकर मार दी। वह कार के पहिए में फंस गई। निधि बच गई। उसका दावा है कि उसने शोर मचाया।

कार में बैठे आरोपियों को भी यह बात पता चल गई कि पहिए में लड़की फंसी हुई है लेकिन वे दरिंदे 10 किलोमीटर तक अंजलि की घसीटते रहे। निधि से मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की। दिनभर टीवी चैनलों पर उसके बयान चलते रहे लेकिन उसके दावों पर सवाल उठ रहे हैं। उसने दावा किया कि अंजलि नशे में धुत थी। उससे स्कूटी चल भी नहीं पा रही थी। लेकिन

कंझावाला एक्सीडेंट

निधि के घर पहुंचने के सीसीटीवी फुटेज में उसके हाव-भाव बढ़ा रहे हैं और सस्पेंस

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से उसके दावों पर सवाल उठे हैं। उस दिन उसके घर पहुंचने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ चुका है जिसमें उसके हाव-भाव और सस्पेंस बढ़ा रहे हैं। क्या निधि झूठ बोल रही है? क्या ये सिंपल हिट ऐंड रन का नहीं बल्कि मर्डर का केस है, जैसा अंजलि के परिवार का दावा है? ऐसे तमाम सवाल उठ रहे हैं। जब पहली बार निधि के घर पहुंचने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया तो उस पर दर्ज समय को लेकर सवाल उठे। फुटेज पर रात के 1 बजकर 36 मिनट

दर्ज था जबकि हादसा रात दो-ढाई बजे के करीब हुआ था। ऐसे में सवाल उठने लगे कि जब हादसे से पहले ही वह घर पहुंच गई थी तो मौके पर मौजूद होने का उसका दावा झूठा है? लेकिन सीसीटीवी का टाइम स्टैंप करीब 45 मिनट स्लो था, इसलिए ये सवाल खारिज हो गए।

निधि जब इस जानलेवा हादसे के बाद आधी रात घर पहुंची, तो पड़ोस के मकान में एक सीसीटीवी कैमरे में वह कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में निधि पिंक कलर की जैकेट पहने दिखाई दे रही है। फुटेज में निधि के हाव-भाव से इस बात का जरा भी पता नहीं लग रहा कि वह एक ऐसे हादसे से बचकर लौटी है, जिसमें उसकी सहेली की जान चली गई है।

नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी

केंद्र सरकार को आठ लाख करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद

बैठक

पीएम मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई योजनाओं को स्वीकृति दी गयी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को 19,744 करोड़ रुपये के व्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी। इस पहल का मकसद कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के साथ देश को ऊर्जा के स्वच्छ स्रोत के उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाना है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी है। इससे हरित हाइड्रोजन से जुड़े क्षेत्रों में आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल के निर्णय की जानकारी देते हुए ठाकुर ने कहा कि देश में अगले

दूरदर्शन, आकाशवाणी के कायाकल्प को ढाई हजार करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली। सरकार ने दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के बुनियादी ढांचे को बदल कर अगले 20 साल के लिए तकनीकी रूप से उन्नत ढांचा तैयार करने के लिए ढाई हजार करोड़ रुपए से अधिक की एक महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को स्वीकृति दी गयी।

पांच साल में सालाना 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य है। प्रोत्साहन मिलने से इसकी लागत को कम करने में मदद मिलेगी। हरित हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन के रूप में वाहनों और तेल रिफाइनरी तथा इस्पात संयंत्र जैसे उद्योगों में ऊर्जा स्रोत के रूप में होता है। इसका उत्पादन इलेक्ट्रोलाइसिस प्रक्रिया के जरिये पानी को ऑक्सीजन और हाइड्रोजन में विभाजित कर किया जाता है। मिशन के लिये शुरूआती खर्च 19,744 करोड़ रुपये है।

बीएसपी सांसद की फैक्टरी से मिली हार्ड डिस्क, खुलेंगे बड़े राज

लखनऊ। सहारनपुर में बसपा सांसद हाजी फजलुर्रहमान के लिंक रोड स्थित आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी दूसरे दिन भी जारी रही। इस दौरान आवास के बाहर आईटीबीपी के जवान तैनात हैं। बताया गया कि सांसद के एक आवास पर ताला लगा हुआ है, जबकि सांसद के दूसरे आवास पर आयकर विभाग के अधिकारी जांच पड़ताल में लगे हैं। मंगलवार सुबह करीब 11:00 बजे आयकर विभाग की पांच टीमों ने आइटीबीपी के जवानों के साथ छापे की कार्रवाई शुरू की थी, जो दूसरे दिन भी जारी है। आयकर विभाग की टीमें हरियाणा और दिल्ली से आई हैं। बसपा सांसद की हरोड़ा स्थित फैक्टरी और ऑफिस पर छापे की कार्रवाई चल रहा है। वहीं जिन स्थानों पर आयकर विभाग की टीमें कार्रवाई में जुटी हैं उसे पूरे क्षेत्र को आईटीबीपी के जवानों ने घेरा हुआ है। आवास व फैक्टरी की छतों पर भी हथियारों से लैस जवान तैनात हैं। बताया गया कि दूसरे दिन भी दिल्ली और देहरादून से आई आयकर विभाग की टीम उनके तीन आवास, दफ्तर और फैक्टरी पर डेरा डाले हुए हैं।

यूपी में ठंड ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

मौसम विभाग ने वाराणसी सहित 35 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया

मौसम बदला

राजधानी लखनऊ में रिकॉर्ड टूटा, 2 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शीतलहर का कहर जारी है। यूपी के कई शहरों में अचानक तापमान में गिरावट देखते हुए मौसम विभाग ने 35 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। इसका मतलब यह है कि जिन 35 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, वहां तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। यूपी में ठंड अपने पूरे शबाब पर है।

बुधवार को मौसम विभाग ने 35 जिलों पर भीषण ठंड पड़ने को लेकर अलर्ट जारी किया है। इससे पहले कानपुर में मंगलवार रात ठंड का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां पारा 2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, राजधानी लखनऊ में मंगलवार को 12 साल बाद दिन में भीषण सर्दी पड़ी है।

राजघाट पुल का नजारा

इन जिलों में रेड अलर्ट जारी

वाराणसी, मिर्जापुर, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर और श्रावस्ती में रेड अलर्ट जारी किया गया है. वहीं, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर और झांसी के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया है।

यहां अधिकतम तापमान 10 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के 35 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। यानी इन जिलों में न्यूनतम पारा 2 से 4 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके अलावा कई जिलों में बर्फीली हवाएं चलेंगी। बरेली में न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री, झांसी में 6 डिग्री और मेरठ में 6.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

चौधरी चरण सिंह की जमीन पर राहुल गांधी का कदमताल

बड़ौत पहुंची भारत जोड़ो यात्रा, सियासी गलियारे में-सर्दी में गर्मी का अहसास, जाट लैंड में शानदार इस्तकबाल

बागपत। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा की यूपी में दूसरे दिन बागपत के मवीकलां से शुरूआत हुई। यहां राहुल गांधी सरूरपुर के गुफा वाला मंदिर के पास रुके। इसके बाद वह पैदल ही यात्रा के साथ खेड़की गांव पहुंचे। यात्रा में राहुल गांधी के साथ हजारों समर्थकों की भीड़ है। वहीं कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बागपत के सरूरपुर गांव से निकलकर खेड़की पहुंची। यहां ग्रामीणों ने यात्रा के दौरान राहुल गांधी का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। बताया गया कि कुछ समय बाद यात्रा ट्योढी गांव पहुंचेगी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट की मुख्य प्रवक्ता पंखुड़ी पाठक ने कहा कि भाजपा देश में नफरत की प्रयोगशाला चला रही है। उसे डर है कि यदि यह प्रयोगशाला और परीक्षण बन्द हो गए तो

यूपी में यात्रा

जनसैलाब देख गदगद हुए राहुल, कार्यकर्ताओं में उत्साह

चीन को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे सरकारः खुर्शीद

देश में भाजपा नफरत की प्रयोगशाला चला रही : पंखुड़ी

कांग्रेस ने किसानों के लिए काम किए, इसलिए समर्थन : भाकियू

उनके वोटबैंक का क्या होगा?

वह भी बुधवार को बागपत में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंची थीं। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश में बेरोजगारी बढ़ाई, महिलाओं के लिए असुरक्षा का माहौल पैदा किया, किसानों की कमर

तोड़ने का काम किया। यदि भाजपा देश में अच्छे दिन लाने की बात करती है और वादा भी करती तो फिर देश में नफरत की प्रयोगशाला क्यों चल रही हैं? क्यों किसान, मजदूर, छात्र, युवा समय-समय पर आंदोलन क्यों करते? भारत जोड़ो यात्रा पूरी तरह से सफल है और आगे भी इसी तरह से यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता का प्यार लगातार मिल रहा है जिससे भाजपा की बौखलाहट बढ़ गई है। भाजपा अब राहुल गांधी की चप्पल, टीशर्ट पर भी कमेंट कर रही है, इसी से पता चलता है कि वह देश विकास में कम और राहुल गांधी पर ज्यादा ध्यान दे रही है। भारत जोड़ो यात्रा में बागपत

पहुंचे कांग्रेस के पूर्व विदेश मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि भाजपा कांग्रेस को नहीं बल्कि देश को बदनाम कर रही है। भाजपा देश के सामने चीन को लेकर स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट करें। बागपत में पहुंची कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। चीन से फंडिंग मिलने के आरोपों पर पलटवार करते हुए सलमान खुर्शीद ने कहा कि जिन बातों के कोई सुबूत नहीं है, उनपर भाजपा सवाल करती है। इसके उलट चीन देश की जमीन पर घुसपैठ करता रहता है, कब्जा करता है, उसके सुबूत तो सबको पता है फिर भी भाजपा चुप है।

देश में चीन की घुसपैठ के विषय में सच्चाई और स्थिति को स्पष्ट करें भाजपा और बताए कि इस प्रकरण में देश को क्यों गुमराह किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि भाजपा हमपर और इस यात्रा पर सवाल उठाने के बजाय इससे बड़ी यात्रा निकालकर दिखाए। सलमान खुर्शीद ने कहा कि हम इस समय बागपत की पावन धरा पर हैं जिसे चौधरी चरणसिंह की कर्मभूमि कहा जाता है, इस पावन धरा को बार बार नमन करते हैं। मवीकलां में भारत जोड़ो यात्रा में पश्चिमी यूपी के सैकड़ों लोग शामिल हुए। इस दौरान कई किसान ट्रैक्टर ट्रॉली में फूल भरकर यात्रा के स्वागत के लिए पहुंचे।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को जहां रालोद ने समर्थन दिया है, वहीं भाकियू पहले ही यात्रा में साथ रहने का ऐलान कर चुकी है। भाकियू नेताओं ने यात्रा में साथ रहने का कारण बताया कि कांग्रेस ने किसानों के लिए काफी काम किए हैं, इसलिए वे उनके साथ यात्रा में जुड़ रहे हैं। इसके अतिरिक्त यात्रा का जगह-जगह भाकियू नेता द्वारा स्वागत भी किया गया। वहीं, किसानों के दूसरे संगठन भाकियू भानू गुट ने भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस यात्रा से कोई वोट मांगने नहीं आया है। बल्कि इसका मकसद नफरत छोड़ो, भारत जोड़ो की अपील करना है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय उर्फ लल्लू ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक जाएगी। कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार हैं, लेकिन वहां के किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। कांग्रेस ने राजस्थान में किसानों का दस दिन में कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं किया।

संक्षेप

ब्लॉक स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

सहसों। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा ब्लॉक स्तरीय दो दिवसीय 13 तकनीकी प्रशिक्षण ओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम केवला प्रसाद शुक्ला जनता महाविद्यालय देवनहरी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रीता सिंह ने प्रशिक्षित प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता के साथ हर घर में जल पहुंचे इसके लिए सरकार कृत संकल्प है तथा हर गांव में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पेयजल टंकियां बनाकर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि किसी भी परिवार को शुद्ध पेयजल के लिए परेशानी न हो। जल जीवन मिशन प्रशिक्षण के जिला कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार ने बताया कि चयनित तेरह तकनीकी प्रशिक्षकों को ट्रेनर सुनील कुमार, दामिनी, राजा बाबू, कमल, अंकित ने पेयजल से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए प्रशिक्षित किया। इस अवसर पर सहायक जिला कोऑर्डिनेटर महेश कुमार एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर हीरामणि ने प्रशिक्षकों को उनके कार्य तथा दायित्व से परिचित कराया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू, ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह, ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र मिश्र कप्तान, गुलाब प्रसाद त्रिपाठी, दीनानाथ, प्रेमचंद आदि उपस्थित रहे।

धान लादकर जा रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुल से टकराकर नदी में गिरा, चालक की मौत

हादसा

देर शाम तक शव बरामद नहीं किया जा सका था, क्रेन मशीन की सहायता से नदी से निकाला गया ट्रैक्टर

रूपेन्द्र तिवारी (फाइल फोटो)

हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस व जुटी भीड़ (इनसेट में रूपेन्द्र की फाइल फोटो)

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोहडा घाट पुल पर बुधवार सुबह 8:00 बजे एक किसान अपने निजी ट्रैक्टर से धान की बोरियां लादकर राइस मिल नैनी जा रहा था कि रास्ते में कोहडार घाट पुल पर अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकराकर नदी के पानी में टाली सहित समा गया घटना की जानकारी होने पर एनडीआरएफ करछना पुलिस मेंजा थाना पुलिस एवं गांव वालों की बड़ी संख्या में भीड़ हो गई देर शाम तक लाश की खोजबीन होती रही लेकिन सफलता नहीं मिली वही मशीन के द्वारा ट्रैक्टर को निकाल कर बाहर कर लिया गया था लेकिन ट्रैक्टर की ट्राली व धान की बोरियों के बीच दवा युवक की लाश नहीं मिल सकी थी कोरांव थाना क्षेत्र के चांदी गांव निवासी रूपेंद्र तिवारी 22 वर्ष सुबह 8:00 बजे अपने ट्रैक्टर से 170 बोरी धान ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर नैनी की ओर जा रहा था की दुर्घटना का शिकार हो गया दिन भर आवागमन बाधित रहा वही मौके पर थाना प्रभारी करछना विश्वजीत सिंह, सीओ करछना समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल की टीम शव को निकालने में जुटी रही।

माघ मेला क्षेत्र में कल्पवासियों के सुगम आगमन के लिये प्रस्तावित यातायात प्रबन्ध

प्रयागराज । माघ मेला प्रशासन ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि माघ मेला 2023 के दौरान माघ मास, जो पौष पूर्णिमां (दिनांक 06,.01. 2023) से प्रारम्भ हो रहा है, में आगमन करने वाले भारी संख्या में कल्पवासियों के सुगम आगमन हेतु3 निम्नानुसार मार्ग निर्धारित किये गये हैं। कानपुर लखनऊ रीवा की तरफ से आने वाले समस्त कल्पवासी अपने हल्के वाहन के साथ पाण्टून पुल नं0 03व पाण्टून पुल नं0 05से सम्बन्धित कल्पवास क्षेत्र में प्रवेश कर सकेंगे।

वाराणसी जौनपुर क्षेत्र की तरफ से आने वाले समस्त कल्पवासी अपने हल्के वाहन के साथ टीकरमाफी-त्रिवेणी मार्ग से संगम लोवर मार्ग होते हुये, सम्बन्धित कल्पवास क्षेत्र में प्रवेश कर सकेंगे।

समस्त कल्पवासियों से अपेक्षा है कि वह अपने वाहनों को सम्बन्धित संस्थानों अथवा निर्धारित 'पार्किंग' के अन्दर खड़ा करें जिससे कि मेला क्षेत्र में आने वाले अन्य श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो व कल्पवासियों से निवेदन है कि मेला क्षेत्र में सुगम आगमन के लिये उक्त निर्धारित मार्ग का ही प्रयोग करें तथा उपरोक्तानुसार निर्दिष्ट स्थानों पर ही अपने वाहनों की 'पार्किंग' करें।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पौष पूर्णिमा का पर्व मकर संक्रान्ति से पहले पड़ रहा है, कल्पवासी पौष पूर्णिमा के पूर्व ही पौष पूर्णिमा व मकर संक्रान्ति स्नान व कल्पवास हेतु आगमन कर सकते हैं।

जरूरतमंदों की सेवा करने से सुकून मिलता है : राजू भैया

असहायों को कम्बल वितरित करते हुए राजू भैया

मेजा। प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी बुधबार को डीजीएस परिवार की ओर से इंद्रदेव शुक्ल उर्फ राजू भैया ने कुअँरपट्टी के सोना भवन स्थित मां शीतला मंदिर पर गरीबों असहायों में कम्बल वितरित किया। राजू भैया ने कुल 200 लोगों में कम्बल वितरित किया । कम्बल पाकर लोग खुश दिखे और राजू भैया को आशीर्वाद दिया । कम्बल वितरित करते हुए राजू शुक्ला ने कहा की गरीबो ,असहायों ,पीड़ितों और कड़कड़ाती ठंड में ठिठुर रहे व्यक्तियों की मदत करके आत्मीय सुकून मिलता है,नर सेवा नारायण सेवा को जीवन मे उतारकर यह महसूस होता है कि जीवन का असली उद्देश्य यहीं है। राजू शुक्ला ने कहा कम्बल तो सेवा का माध्यम है असली तो इनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास है। इस दौरान मुख्य रूप से विभव मिश्र, तीर्थ राज शुक्ल, पप्पू विश्वकर्मा, कल्लू यादव, इन्द्रवासिनी, अनुज मिश्र सहित सैकड़ों लोग रहे।

नगर निगम की टीम ने नाले पर हुए पक्के निर्माण को तोड़ा, नकदी एवं पॉलीथिन बरामद

नैनी। बुधवार को नगर निगम की टीम द्वारा पीडीए कालोनी में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत दुकानदारों से जुमार्ना के तौर पर 10 हजार रुपए वसूल किया गया तथा कुछ दुकानों से भारी मात्रा में पॉलिथीन बरामद किया गया। नगर निगम प्रवर्तन दल के प्रभारी कर्नल आर.बी सिंह ने बताया, कि पीडीए कालोनी के एकता स्वीट केसमीप नाले पर पक्का निर्माण कराया गया था, जिसे तोड़ा गया तथा साथ ही 4 टीन शेड को हटवाया गया। उन्होंने बताया, कि नाले पर पक्का निर्माण होने से सड़क पर जाम लग जाता था।

हर घर नल योजना का सपना अधूरा, दूर दराज से लाते हैं पानी, नही बुझ रही प्यास

पानी की समस्या

वर्षो से करते रहे मांग, नही बनी जलनिगम की टंकी

पी.सी. पाण्डेय

"गांव में अधिकांश हैण्डपम्प का पानी खारा है, जिससे दर्जनों घर के लोग दूर दराज से पीने का पानी लाते है। सरकार हर घर नल योजना के तहत पीने के पानी की व्यवस्था करे। ग्रामीण कई वर्षों से परेशान है,इस समस्या का सरकार निदान करें।"

-शंकरलाल पाण्डेय
ग्राम प्रधान लालापुर भटपुरा।

"लालापुर गांव में पीने का पानी की बहुत बड़ी समस्या है, हर घर नल योजना की शंकरगढ़ में ट्रेनिंग भी हो चुकी है, सबसे पहले इस योजना के तहत चालू होते ही लालापुर गांव में पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी,समस्या का निदान जल्द होगा।"

-डॉ वाचस्पति, विधायक बारा।

लालापुर। सरकार की हर घर नल की योजना से आज तक नही मिल सका दर्जनों घर के लोगों को स्वक्ष जल। दूर दराज के हैण्डपम्प से लाते हैं पीने का पानी तब बुझती लोगों की प्यास। क्षेत्र के लालापुर गांव में सबसे बिकट समस्या पीने के पानी की है, घने आबादी वाला यह गांव होने पर सरकार की व्यवस्था यहाँ पर शून्य दिखाई पड़ रही है।

गांव के दर्जनों घर के लोग दूर बने सरकारी अस्पताल से पीने का पानी आज भी लेकर आते हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या को सांसद, विधायक से कई बार कहा। जनप्रतिनिधियों ने आस्वासन दिया लेकिन दुर्भाग्य ही कहा जाय कि इस गांव के लोगों को अपने घर मे स्वक्ष जल पीने का सरकार ने कोई योजना नही दी।

ब्लाक शंकरगढ़ के अधिकारियों की उदासीनता की बदौलत पानी के लिए जूझ रहे ग्रामीण, खण्ड विकास अधिकारी से लेकर ग्राम विकास अधिकारी तक ए देखना वाजिब नही समझते कि ग्रामीणों को पीने का पानी स्वक्ष मिल रहा है या नही।अगर तनिक भी दौरा गांव की किए होते तो आज जो सैकड़ों वर्ष की समस्या है ओ आज सायद न होती। पीने के पानी को लेकर सरकार ने कई योजना चला रखी है जिसमे मुख्य योजना हर घर नल की है। लेकिन कोई भी योजना आए सम्बंधित अधिकारी से ग्रामीणों की समस्या से कोई मतलब नही है,सिर्फ अपने कुर्सी पर बैठकर सरकार की योजना को अपने टेबल के दराज में बन्द करके रख देते है। जिसका खामियाजा गांव के लोग भुगतते है।

लालापुर गांव के बेसी महाराज, नन्दन, चन्द्र प्रकाश वर्मा, गंगादीन, राममिलन, बिनय पण्डित, सुरेन्द्र बड़गैया, दुबरी महाराज आदि गांव के लोगों ने बताया कि हम लोग काफी दूर से सरकारी अस्पताल के हैण्डपम्प से पीने का पानी सुबह शाम लेकर आते है। क्योंकि गांव में कुछ हैण्डपम्प लगे है लेकिन उसका पानी खारा है पीने लायक बिल्कुल नही है।

सवाल ए उठता है आखिर कब तक बाहर से पीने का पानी लेकर आते रहेंगे सरकार ब्यवस्था करेगी या इसी तरह ग्रामीण हलकान होते रहेंगे।

वित्तविहीन विद्यालयों को बंद करने एवं पूंजी पतियों के हाथ शिक्षा को बेच रही सरकार : लाल बिहारी यादव

कार्यक्रम को संबोधित करते लाल बिहारी यादव

करछना। वर्तमान भाजपा सरकार वित्तविहीन विद्यालयों को पंगु बना कर मध्यम वर्ग को शिक्षा से बेदखल कर हमेशा- हमेशा के लिए राज करना चाहती है। शिक्षा को पूंजी पतियों के हाथ बेचकर गरीब वर्ग के बच्चों को अशिक्षित बना रही है। उक्त उदगार जमुनापार के उरुवा विकास खंड में स्थित राजधर महाविद्यालय विगहनी के सभागार में व्यक्त किए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष नेता विरोधी दल रहे। शिक्षक विधायक लाल बिहारी यादव ने महाविद्यालय के सभागार में संबोधित करते हुए कहा कि यदि भाजपा सरकार सत्ता में बनी रही तथा शिक्षकों ने उदासीनता बरती तो वित्तविहीन विद्यालय पूजी पतियों के हाथ बिक जायेंगे। शिक्षा इतनी महंगी होगी कि मध्यम तथा गरीब वर्ग शिक्षा से वंचित हो जाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य डॉ मान सिंह यादव ने कहा कि संविधान खतरे में है पिछड़े वर्ग के आरक्षण खत्म कर शिक्षा से वंचित कर सरकार मध्यम वर्ग को विकास से वंचित करना चाहती है। श्री यादव ने आगाह किया कि शिक्षक ही ऐसा मार्ग दर्शक है जो समाज को नई दिशा दे सकता है। मेजा विधायक संदीप पटेल ने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि विधान परिषद में डॉ एस पी सिह पटेल को भेजकर ही हम लोग अपने उद्देश्य की पूर्ति कर सकते हैं। क्योंकि समाजवादी पार्टी के नेता श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव तथा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने शिक्षकों के हित में जितने कार्य किए हैं वह इतिहास आज भी कायम है। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक रणधीर सिंह तथा संचालन वित्तविहीन गुट के जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू ने किया। उक्त आशय की सूचना संघ के जिला मीडिया प्रभारी जेपी यादव ने दी। बैठक में प्रमुख रूप से डॉ एस पी सिंह पटेल, अभय राज सिंह, जंग बहादुर पटेल, सीता शरण सिंह, बालेंद्र गौतम, प्रेमचंद यादव, गोविंद प्रसाद भर्तियां, मान सिंह पटेल, रमेश यादव, शिव मोहन पटेल, जेपी यादव, अमर बहादुर यादव, शैलेंद्र कुमारी, उमेश यादव, कमला शंकर, सावित्री कुशवाहा, जयंती विन्द, सी बी यादव, इन्द्र बहादुर, आदर्श सिंह, लल्न सिंह पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

शिव मंदिर में संपन्न हुआ हवन कार्यक्रम

शिविर मंदिर में हवन पूजन करते लोग

सहसों। शिव मंदिर रामनगर मेडुआ तालाब पर लोक कल्याण के लिए हवन कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई भक्त उपस्थित रहे। आदर्श शिक्षा सेवा समिति द्वारा आयोजित त्रयोदशी तिथि पर मंत्रोच्चार द्वारा वैदिक रीति से हवन कार्यक्रम संपन्न हुआ। समिति के प्रबंधक शिवा कांत पांडे के अनुसार प्रति माह त्रयोदशी तिथि पर भगवान भोलेनाथ की असीम अनुकम्पा से लोक कल्याण के लिए हवन कार्यक्रम किया जायेगा। इस अवसर पर आचार्य राधे श्याम पांडे, महंत अशोक कुमार शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गायत्री तिवारी, गौरव पांडे, हिमांशु पांडे, सत्यम पांडे, शुभम पांडे, मनोज त्रिपाठी, शिवम तिवारी, इंद्र मणि तिवारी, सुरेश केसरवानी, मनोज त्रिपाठी, मंगल पटेल सहित क्षेत्र के कई लोग उपस्थित रहे।

कस्बें में लकड़ी का अभाव, नहीं जल रहा अलाव

माण्डा। सोमवार से ही सूरज की रोशनी के लिए लोग परेशान है कड़ाके की ठंड पड़ रही है और ठंड में अलाव ही एक सहारा रहता है सोमवार तक कस्बें में अलाव बहुत अच्छे से जल रहा था लेकिन मंगलवार को लकड़ी के अभाव में कई जगह अलाव नहीं जल पाया और लोग ठंडी से परेशान नजर आयें।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम नैनी प्रयागराज की पाल्सी में मेरी पुत्री का घरेलू नाम अनुष्का सिंह लिखा गया है जो गलत है मेरी पुत्री का अभिलेख सही नाम श्रद्धा सिंह जन्म तिथि 28.9.2012 है अनुष्का सिंह और श्रद्धा सिंह दोनों नाम मेरी पुत्री के हैं अनुष्का सिंह के स्थान पर सही नाम श्रद्धा सिंह लिखा और पढ़ा जाए।

पिता भूपेंद्र सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह निवासी- पालपुर का पुरवा, दादूपुर, करछना, जनपद प्रयागराज।

उत्तर मध्य रेलवे

ई–निविदा निविदा सूचना

नं. एनसीआर–एन–एसडब्ल्यूएल–पीआरवाईजे–22 दिनांक: 03.01.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, सी एंड डब्ल्यू, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न सिविल कार्य के लिए निर्धारित प्रारूप में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई–निविदाएं, निविदा खुलने की तिथि के 17.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है–

क्र. सं.	ई निविदा सूचना संख्या	कार्य का नाम	निविदा सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत (रु में)	EMD	कार्य की अवधि
1.	GEM/2022/B/2927484 Dated 03.01.2023	प्रयागराज कोचिंग डिपो के लिनेन की मेकेनाईज्ड वाशिंग	टू पैकेट सिस्टम	₹ 98586015	₹ 642940	02 वर्ष

ई निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 03.01.2023 निविदा खुलने की तिथि: 27.01.2023 नोट: 1. उपरोक्त ई–निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अवलोकन की जाएगी और वेबसाइट www.GeM.gov.in पर बनी रहेगी, निविदा खुलने की नियत तिथि तक। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई–बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए, बिडर्स को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई–निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई–निविदा निविदा खुलने की नियत तिथि पर खोला जा सकता है। 7. निविदा में JV की भागीदारी की अनुमति है 13/23(AN)

northcentralrailways | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

डिजिटल इंडिया के माध्यम से किया गया जागरूक

कार्यक्रम में श्रमिकों को प्राण पत्र देते हुए

सहसों। छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों प्रयागराज में दत्तोपंत ठेंगड़ी श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिवाजी डिग्री कॉलेज के प्रबंधक भाजपा के उपाध्यक्ष श्री अनिरुद्ध पटेल ने कहा कि आज डिजिटल इंडिया का युग है मोबाइल ज्ञान का खजाना है जिससे आप बहुत कुछ सीख सकते हैं उन्होंने कहा कि ओलंपिक गेम में नीरज चोपड़ा के जीवन वृत्त की चर्चा किये धन का भुगतान से लेकर बच्चे की शिक्षा तक आप मोबाइल से कर सकते हैं कार्यक्रम में उत्तम सिंह छेत्रीय निदेशक ने कहा कि कैरियर से लेकर बच्चे की पढ़ाई तक आप मोबाइल में सर्च कर सकते हैं तमाम योजनाओ का लाभ आप संचार साधनों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। उक्त प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अजय सिंह शिक्षा अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के कौशल की पहचान के लिए आगे आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिनमें एनएसडीसी द्वारा कौशल की पहचान कर उन्हें प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा वह प्रधानमंत्री कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दिए कार्यक्रम का संचालन श्री चंद्र मिश्र अध्यक्ष अरमान युवा कल्याण समिति ने किया मुख्य रूप से अंकित शुशीला महेंद्र बृजेश अनीता आदि उपस्थित थे।

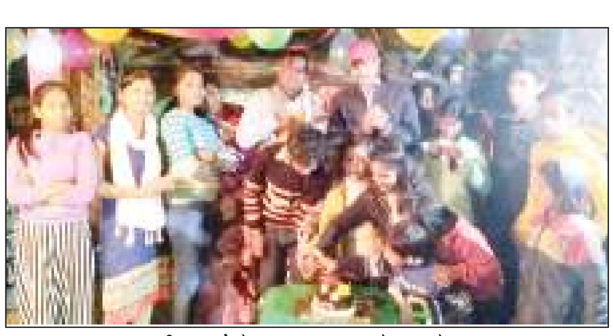

गरीब बच्चों के साथ जश्न मनाते छात्र नेता

छात्र नेता ने गरीब बच्चों के साथ मनाया नया वर्ष

प्रयागराज। छात्र नेता प्रशांत पांडे ने नव वर्ष का जश्न झुग्गी झोपड़ी में रह रहे गरीब बच्चों के साथ केक काट कर हर्षोल्लास के साथ मनाया। ईश्वर से प्रार्थना की की यह वर्ष उनके लिए सुखमय और ऊर्जा से भरपूर हो और अपने उज्जवल भविष्य की कामनाएं कि इस बस्ती में प्रतिदिन पढ़ाने वाले शिक्षक नीरज द्विवेदी और प्रशान्त कुमार पाण्डेय ने बताया कि यह कार्यक्रम उनके द्वारा ही किया गया है और इन लोगों ने भी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामनाएं कि और बताते हैं की इन बच्चों पर न कभी आम लोगों का ध्यान जाता है और न ही सरकार का न ही इन बच्चों को सरकार के द्वारा कोई सुविधा मिलती है परंतु हम लोग मिलकर इन बच्चों के हर सुख दुख में हर समय समिल्लित रहते हैं और इन बच्चों को प्रतिभा को निखारने का प्रयास लगातार कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि एक न एक दिन हम जरूर कामयाब होंगे और इन बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा साथ ही साथ शिक्षा और समाज में एक बहुत बड़ा बदलाव आएगा और इस देश में झुग्गी झोपड़ी गरीब बस्ती खत्म हो जाएगी । इस कार्यक्रम में बच्चों ने खूब खुशी के साथ झूमे डांस किया और कविताएं सुनाई इस कार्यक्रम में शिक्षक नीरज द्विवेदी , शिक्षक प्रशान्त कुमार पाण्डेय, हरी दर्शन सोनी,मुन्ना,भीम,स्वेता, वैष्णवी और बस्ती के सभी बच्चे आदि सभी लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय, प्रधानाचार्य मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज प्रयागराज।

साक्षात्कार नोटिस

इस कार्यालय के पत्र संख्या: संविदा पत्रा02022/4802–09 दिनांक 16 नवम्बर 2022 द्वारा मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज, प्रयागराज के विभिन्न विभागों एवं पी0एम0एस0एस0वाई0 में संविदा के आधार पर आचार्य, सह–आचार्य एवं सहायक आचार्य के रिक्त पदों पर सेवा योजन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया था। जिसका साक्षात्कार दिनांक 07.01.2023 दिन शनिवार दिन में 1.00 बजे से होना सुनिश्चित किया गया। आवेदित अर्ह अभ्यर्थी समस्त प्रमाण पत्रों शोधपत्रों की मूल प्रति एवं 2 सेट स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ प्रधानाचार्य कार्यालय, मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज, प्रयागराज में उपस्थित होंगे।

प्रधानाचार्य
मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज
प्रयागराज।

संख्या:– संविदा पत्रा0/2023/5880 दिनांक–03/01/2023

माघ मेले में निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते मा0 राज्यमंत्री

प्रयागराज मारव

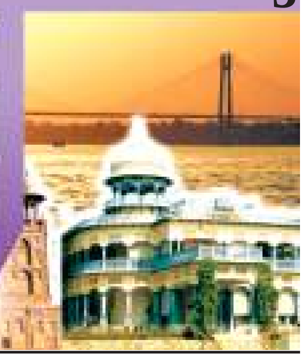

मौसम

अधिकतम :	23.00
न्यूनतम :	10.00
सूर्योदय :	06.19
सूर्यास्त :	05.15

राज्यमंत्री ने पीडब्लूडी विभाग के द्वारा माघ मेला क्षेत्र में कराये गये कार्यों का किया निरीक्षण

निरीक्षण

राज्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सड़कों के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण से सम्बंधित कार्य में तेजी लाये जाने के दिए निर्देश

निर्माणाधीन सेतुओं के निर्माण कार्य को तेजी के साथ पूरा कराये जाने के दिए निर्देश

मेले में पीडब्लूडी विभाग द्वारा निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते राज्यमंत्री बृजेश सिंह

प्रयागराज। राज्यमंत्री, लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 बृजेश सिंह बुधवार को माघ मेला क्षेत्र में विभाग के द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण किया तथा मेला क्षेत्र में पीडब्लूडी विभाग के अस्थायी कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। मा0 मंत्री ने मेला क्षेत्र में बनाये गये पीपा पुल, सड़क निर्माण के लिए बिछायी गयी चकर्ड प्लेटों का निरीक्षण करते हुए कहा कि पूरे मेला अवधि में चकर्ड प्लेट व्यवस्थित रूप से रहे, जिससे कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं वाहनों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पायें। उन्होंने अधिकारियों को इसका लगातार अनुश्रवण करते रहने के लिए कहा है। मा0 मंत्री ने विभाग के शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मेला क्षेत्र में बनाये गये कार्यालय का निरीक्षण करते हुए ड्यूटी रजिस्टर को भी देखा।

इसके उपरांत मा0 मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला के समस्त कार्यों को समय से पूरा करें। उन्होंने प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 से पहले बनायी जाने वाली सड़कों के निर्माण से सम्बंधित प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सड़कों के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण से सम्बंधित कार्यवाही को तेजी के साथ पूरा करते हुए सड़क निर्माण का जो समय निर्धारित किया गया है, उसके पूर्व ही कार्य को गुणवत्ता के साथ पूरा करायें। मा0 मंत्री जी ने जनपद में विभाग द्वारा कराये जा रहे सेतुओं के निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि जिन सेतुओं के निर्माण में थोड़ा कार्य शेष रह गया है, उसको तेजी के साथ पूरा कराये। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से ग्रामीण सम्पर्क मार्गों के निर्माण की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी पाये जाने पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से लगातार कार्य की मानीटरिंग करते रहने के लिए कहा है। साथ ही जहां पर भी 50 प्रतिशत से कम काम हुआ है, उसकी विशेष निगरानी करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर पीडब्लूडी एवं सेतु निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व शौहर से जीवन भर गुजारा भत्ता पाने की हकदार है तलाकशुदा मुस्लिम महिला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को इद्दत काल ही नहीं, दूसरी शादी करने तक या जीवन भर अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। गुजारा भत्ता इस तरह का हो कि वह तलाक से पहले जैसे जीवन बिता रही थी, उसी तरह आगे जीवन जी सके। कोर्ट ने कहा, मुस्लिम महिला तलाक अधिकार संरक्षण कानून 1986 की धारा 3 (2) के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता दिलाने की अर्जी दाखिल कर सकती है। कोर्ट ने प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, गाजीपुर के केवल इद्दत अवधि तक ही गुजारा भत्ता दिलाने के आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया। कहा कि अदालत ने वैधानिक उपबंधों तथा साक्ष्यों का सही परिशीलन किए बगैर आदेश दिया था।

कोर्ट ने सक्षम मजिस्ट्रेट को नियमानुसार गुजारा भत्ता तथा मेहर वापसी पर तीन माह में आदेश पारित करने को कहा है। तब तक विपक्षी शौहर को अपनी तलाकशुदा बीबी को पांच हजार रुपये प्रतिमाह अंतरिम गुजारा भत्ता भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी तथा न्यायमूर्ति एमएएच इदरीसी की खंडपीठ ने जाहिद खातून की अपील को मंजूर करते हुए दिया है। कोर्ट ने विपक्षी शौहर नूरुल हक खान की परिवार अदालत के क्षेत्राधिकार को लेकर की गई आपत्ति को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि अधीनस्थ अदालत में क्षेत्राधिकार की आपत्ति नहीं की गई थी। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि मुस्लिम महिला इद्दत अवधि के बाद भी अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। यदि उसे गुजारा भत्ता नहीं दिया जा रहा तो उसे मजिस्ट्रेट को अर्जी देने का हक है। जाहिद खातून व नूरुल हक खान का निकाह 21 मई 1989 को हुआ था। शादी के बाद शौहर को पोस्ट आफिस में नौकरी मिली। लेकिन, उसने 28 जून 2000 को तलाक दे दिया और दो साल बाद शौहर ने दूसरी शादी कर ली। 10 सितंबर 2002 को बीबी ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कनिष्ठ श्रेणी, गाजीपुर के समक्ष धारा 3 मुस्लिम महिला संरक्षण कानून के तहत अर्जी दी, जिसे जिला जज ने परिवार अदालत में स्थानांतरित कर दिया। इसी क्रम में धारा 125 सीआरपीसी की अर्जी भी दी, जिसमें मजिस्ट्रेट ने 1500 रुपये प्रतिमाह तलाक से पूर्व अवधि तक के भुगतान का आदेश दिया। इसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी खारिज हो गई जिसके खिलाफ अपील नहीं की गई। परिवार अदालत ने सुबूत गवाही के बाद इद्दत अवधि तीन माह 13 दिन 1500 मासिक एवं 1001 रुपये इद्दत तथा सामान की कीमत 5000 रुपये देने का फैसला दिया, जिसे अपील में चुनौती दी गई थी।

नैक मूल्यांकन में मुक्त विश्वविद्यालय को मिला बी प्लस ग्रेड

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता मिल गई है। नैक टीम के निरीक्षण और मूल्यांकन के आधार पर विश्वविद्यालय को बी प्लस ग्रेड दिया गया है। नए वर्ष पर विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में खुशी का माहौल है। विश्वविद्यालय की इस सफलता का श्रेय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के अथक प्रयासों को जाता है।

जिनके गाइडेंस में विश्वविद्यालय को यह अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल हुई है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के भौतिक संसाधन बढ़ेंगे, जिसका लाभ सीधे तौर पर उत्तर प्रदेश के 70 हजार से अधिक अध्ययनरत शिक्षार्थियों को होगा।

विश्वविद्यालय द्वारा की गई पुनर्विचार याचिका पर अमल करते हुए नैक की ओर से विश्वविद्यालय को ईमेल के माध्यम से बी प्लस ग्रेड जारी कर दिया गया है। वर्ष 1998 में स्थापित यूपीआरटीओयू ने पहली बार नैक ग्रेडिंग की मान्यता के लिए आवेदन किया था। जिसके बाद गत वर्ष नैक की सात सदस्यीय टीम ने विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता के साथ-साथ प्रशासनिक व ढांचागत व्यवस्था का मूल्यांकन किया था। टीम ने विश्वविद्यालय के गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर में स्थित प्रमुख कार्यालयों के साथ ही क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी एवं गोद लिए गांव का निरीक्षण किया था।

मानचित्रों के निस्तारण की कार्यवाही वर्चुअल माध्यम से : पीडीए

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण अब मान चित्रों की कार्यवाही वर्चुअल माध्यम से करेगी 28 दिसम्बर, 2022 के अनुसार ऑन लाईन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम (ओ०बी० पी०ए०एस०) पर मानचित्रों के निस्तारण के सम्बन्ध में मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक बृहस्पतिवार को अवकाश होने पर अगले कार्य दिवस में) पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 1.00 बजे इन्दिरा भवन स्थित प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अष्ठम तल पर सभागार कक्ष में करते हुए मानचित्रों के निस्तारण की कार्यवाही वर्चुअल माध्यम से सम्पन्न करायी जायेगी। समाधान दिवस में मानचित्र निस्तारण हेतु नामित कर्मी समस्त अवर अभियन्तागण एवं अधिकारी एक साथ बैठकर लम्बित मानचित्रों का निस्तारण करेंगे। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराने में यदि कोई समस्या आ रही हो तो आयोजित कार्य दिवस में अवगत कराने का कष्ट करे, जिससे मानचित्रो का निस्तारण तत्काल कराया जाय । यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से नोडल अधिकारी टीपी सिंह ने दी है।

डीएवी ने टीपीएस को हराया

प्रयागराज। डीएवी क्रिकेट अकादमी ने टैगोर पब्लिक स्कूल को 41 रन से हराकर तीन मैचों की वंडर क्रिकेट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। डीएवी अकादमी ने बुधवार को अपने मैदान पर 25 ओवर में 229 रन (इशांत गुप्ता 56, सक्षम 32, अनिकेत 24, अक्षत भोला 2/20) बनाकर टैगोर पब्लिक स्कूल को 20.1 ओवर में 188 रन (मीजान आलम 64, कौशल छाबरा 42, अक्षत 19 नाबाद, नादिर सफीर खान 3/31) पर समेट दिया। नादिर सफीर को मैन ऑफ दि मैच चुना गया। सीरीज का दूसरा मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

यमुना ब्रिज से कूदकर युवती ने दी जान

प्रयागराज। यमुना ब्रिज से बुधवार की दोपहर एक युवती ने छलांग लगा दी। नदी में डूबकर उसकी मौत हो गई। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने शव को नदी से बाहर निकाला। युवती अपनी बड़ी बहन का रिश्ता तय न हो पाने से टेंशन में थी। लड़के वाले आते थे लेकिन बड़ी के बजाय उसे पसंद करके चले जाते थे।युवती की ख्वाहिश थी कि पहले बड़ी बहन की शादी हो जाए। ऐसा न हो पाने पर नाराज होकर वह घर से निकली थी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।धूमनगंज थाना अंतर्गत मीरा पट्टी मोहल्ला निवासी रामचंद्र की मौत हो चुकी है। परिवार में पत्नी गुड़िया देवी के अलावा 2 बेटियां रिया (29) और प्रिया (27) हैं। दोनों बेटियों की अभी शादी नहीं हुई है। प्रिया धूमनगंज में एक कपड़े की दुकान पर काम करती थी। मां बड़ी बेटी रिया की शादी के लिए बहुत प्रयासरत थी। शादी के लिए जो भी लड़के आते थे। वह रिया के बजाय प्रिया को पसंद करके चले जाते थे।परिजनों के अनुसार छोटी बहन प्रिया का कहना था कि जब तक उसकी बड़ी बहन की शादी नहीं होगी, वह भी शादी नहीं करेगी। इसी बात को लेकर वह टेंशन में रहती थी। 2 दिन पहले रिश्ते वाले आए थे। लड़के वालों ने किसी कारण बड़ी बहन के बजाय प्रिया को पसंद कर लिया। इससे प्रिया टेंशन में आ गई। मां ने समझाया था कि अभी वह ही शादी कर लें, आगे बड़ी बहन की भी शादी हो जाएगी।

घटना के बाद यमुना नदी के किनारे जुटी लोगों की भीड़

बोला-10 मिनट में आ रहीं हूं

मां ने बताया कि बुधवार की सुबह प्रिया घर से निकली। पूछने पर बताया कि 10 मिनट में आ रहे हैं। इसके बाद नहीं लौटी। दोपहर 12:30 बजे के करीब सूचना मिली कि वह यमुना ब्रिज से कूद गई है। इसके बाद मौके पर परिजन पहुंच गए। पुलिस बुलाई गई। पुलिस ने तलाश के लिए गोताखोरों को बुलाया। गोताखोर मनोज निषाद ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद घटनास्थल से 300 मीटर दूरी पर प्रिया की लाश बरामद की।

जिलाधिकारी ने स्मृति वाटिका, हाईटेक नर्सरी व गोवंश आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

निरीक्षण

जिलाधिकारी ने कौड़िहार स्थित ग्राम सभा कंजिया में स्मृति वाटिका, हथिगहां में हाईटेक नर्सरी व गोवंश आश्रय स्थल घाटमपुर कौड़िहार का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

कंजिया में सावित्री फूले एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्मृति वाटिका का निरीक्षण करते जिलाधिकारी साथ में ग्राम प्रधान कंजिया

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री बुधवार को कौड़िहार स्थित ग्राम सभा कंजिया में सावित्री फूले एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्मृति वाटिका का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि पौधों को पहले से चिन्हित कर लिया जाये एवं उसकी उंचाई पर भी ध्यान दिया जाये। जिलाधिकारी ने वहां पर आम के पौधो का रोपण भी किया। उप निदेशक कृषि, जिला विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित सभी लोगो ने एक-एक पौधो का रोपण किया तथा खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया है कि प्रत्येक ब्लाकों में 10 स्थानों पर मियाबाकी कराया जाये। तत्पश्चात वहीं पर नहरों की सिल्ट सफाई का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम प्रधान से नहर की सफाई के बारे जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने नर्सरी के कार्य को और विकसित ढंग से किये जाने का दिया सुझाव

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री बुधवार को विकास खण्ड कौड़िहार स्थित हथिगहा में हाईटेक नर्सरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नर्सरी के मालिक सुधीर मौर्य से जानकारी ली कि बीज कहां से लाया जाता है तथा उसकी पूरी पक्रिया को जाना तथा देखा। उन्होंने नर्सरी के आउटपुट के बारे में भी जानकारी लेते हुए प्रतिवर्ष कितने पौधों को तैयार किया जाता है तथा इसकी आपूर्ति आदि कैसे करते है, जिसपर सुधीर मौर्य द्वारा बताया गया कि 40 लाख पौध तैयार किया जाता है और पाली हाउस के माध्यम से सप्लाई की जाती है। उन्होंने लागत तथा मार्केट रेट के बारे में जानकारी लेते हुए इसे और बड़े स्तर पर बढ़ाये जाने के लिए प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात उन्होंने उनके द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले कृषि यंत्रों को भी देखा, जिसमें सुपर फीडर, रीवर्स एम्पलीफायर, टैज्क्टर सहित अन्य यंत्रों को देखा तथा प्रत्येक यंत्रों की उपयोगिता आदि के बारे में जानकारी ली तथा और विकसित ढंग से करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डी0डी0ओ0 भोलानाथ कनौजिया, उप निदेशक कृषि श्री विनोद कुमार सहितज अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गोवंश आश्रय स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में भूसा-चारा की रहे उपलब्धता तथा रात्रि में गो-पालक वहीं निवास करें : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने गो-पालकों को ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण दिये जाने के निर्देश दिए

गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बुधवार को गोवंश आश्रय स्थल घाटमपुर कौड़िहार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर कुल कितने गोवंश है कि जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि गो आश्रय स्थल में 145 गोवंश है। जिलाधिकारी ने अस्वस्थ गोवंशों के बारे में जानकारी लेते हुए उनका समुचित उपचार कराये जाने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी गोवंश आश्रय स्थल में साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक न पाये जानेपर नाराजगी व्यक्त करते हुए वहां पर नियमित रूप से साफ-सफाई कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि गौशाला में गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, चारा सहित अन्य सभी व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखी जाये। उन्होंने सड़कों पर घूमने वाले गोवंशों को गोशालाओं में संरक्षित किय जाने के लिए कहा है। उन्होंने प्रत्येक ब्लाकों पर गो पालकों को प्रशिक्षण दिये जाने के लिए कहा है। ठण्ड के मौसम को देखते हुए जिलाधिकारी ने गोशाला में समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि गो संरक्षण केन्द्र पर जिन पशु पालक की ड्यूटी लगायी गयी है, वे अनिवार्य रूप से वहां पर रात्रि निवास करें। कोई भी गोवंश बाहर नहीं जानी चाहिए। उन्होंने गोवंशों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए सम्बंधित पशुचिकित्सक को नियमित रूप से गोसंरक्षण केन्द्र का भ्रमण करते हुए संरक्षित गोवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से करने के लिए कहा है। इस अवसर पर मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, खण्ड विकास अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एडीएम सप्लाई ने मेजा तहसील का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मेजा। बुधवार को एडीएम सप्लाई जे पी सिंह ने तहसील मेजा में पहुंचकर हर पटल के कार्यों का निरीक्षण कर पटल के लिपिक व आर के व ए आर के को पत्रावलियों के रखरखाव पर नाराजगी जाहिर कर निर्देश देते हुये कहा की क्रमवार पत्रावलियों का सही से रखरखाव करने हेतु सख्त आदेश दिये। इस अवसर पर एसडीएम मेजा विनोद कुमार पाण्डेय ने भी निर्देश दिया कि शीघ्र ही आदेशो का क्रियान्यवन/ अक्षरशः पालन करने को कहा। तहसीलदार मेजा विशाल शर्मा को कहा कि तहसील के कार्यालय में पत्रावलियों को सुरक्षित ढंग से क्रमबद्ध तरीके से रखरखाव कराएं। शीघ्र ही हम पुनः निरीक्षण करेंगे। यदि सही ढंग से कार्य नही रहेगा तो कार्यवाही करने हेतु उपजिलाधिकारी द्वारा रिपोर्ट लेकर कार्यवाही की जायेगी।

रोग खोज कर उनका इलाज करेगी सेंसर टेक्नॉलॉजी

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में चल रहे पांच दिवसीय आफलाइन फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को सेंसर के अनुप्रयोग, डेटा हस्तांतरण, कंप्यूटिंग पर चर्चा की गई। अखिल भारतीय तकनीकी षिक्षा परिषद (अटल अकादमी) के सहयोग से आयोजित 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' शीर्षक कार्यक्रम में संस्थान डा. विनय कुमार ने सेंसर टेक्नॉलाजी के बारें में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में यह टेक्नोलॉजी वृहद रूप से विस्तार लेगी। न केवल शरीर में सूक्ष्म स्तर पर मानव शरीर में होने वाले रोगों को खोजेगी बल्कि टारगेट कर रोग की गंभीरता एवं संक्रमित अंगों तक दवा पहुंचाकर इलाज करेगी।। इसके अतिरिक्त उन्होंने सेंसर टेक्नॉलॉजी के भविष्य एवं रोजगार के आयाम पर भी चर्चा की। कंम्प्यूटिंग ऐज पर डा. मयंक पांडेय ने प्रतिभागियों को इसके सूक्ष्म प्रयोग के बारें में जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के इलेक्ट्रिकल्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। सोमवार को कार्यक्रम का संयुक्त रूप से उद्घाटन संस्थान के पूर्व निदेषक प्रो. राजीव त्रिपाठी, प्रबंधन संस्थान के प्रो. जीपी साहू व प्रो. आर के सिंह, प्रो. नीरज त्यागी और डा. विभूति त्रिपाठी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके पूर्व ऑनलाइन कार्यक्रम में विभिन्न तकनीकी विषयों पर प्रख्यात विषय विषेषज्ञ अपने विचार रख चुके है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न षिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक भाग ले रहे है।

एमएनएनआइटी में चल रहे कार्यक्रम में बोलते डॉ. मयंक पांडे

कल्पवास के लिए माघ मेले में पहुंचने लगे श्रद्धालु

झूंसी। संगम की रेती पर एक माह के कल्पवास के लिए बुधवार को पूर्वांचल की ओर से श्रद्धालुओं का दिन भर मेले में प्रवेश होता रहा। मालवाहक वाहनों में गृहस्थी का सामान लादकर कल्पवास के लिए मेले में जाते दिखाई दिए।गंगा की गोद में सांसारिक मोह माया से दूर नियम संयम से जप तप के लिए तुलसी, केले का पौधा पूजन सामग्री के साथ पुवाल, बिस्तर, लकड़ी, उपली, आटा, चावल के साथ अन्य जरूरी सामान मालवाहक वाहनों में लादकर कल्पवासी बुधवार को पूरे दिन मेले में अपने-अपने तीर्थ पुरोहितों का पता पूछते नजर आए। वही अपने तीर्थ पुरोहितों के शिविर में पहुंच चुके कुछ कल्पवासी अपनी कुटिया को व्यस्थित करने में लगे रहे। कुटिया में देवी-देवताओं की प्रतिमा को एक तरफ व्यवस्थित करने के बाद श्रद्धालु अपने गृहस्थी के सामान को व्यवस्थित कर रहे थे।

कल्पवास को जाते कल्पवासी

संक्षेप

समस्त शासकीय कार्यालय पांच जनवरी को खुले रहेंगे

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन अनुभाग, लखनऊ द्वारा वार्षिक अवकाश से सम्बन्धित जारी सूची में से गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती पांच जनवरी, 2023 के अवकाश को निरस्त कर दिया गया है। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने निर्देशित किया है कि 05 जनवरी 2023 दिन गुरूवार को जनपद कौशाम्बी के समस्त शासकीय कार्यालय आदि खुले रहेंगे।

पड़ोसी युवक के साथ फरार हुई किशोरी

कौशाम्बी। चरवा कोतवाली इलाके के एक गांव की किशोरी पड़ोसी युवक के साथ फरार हो गई। शाम किशोरी खेत की ओर जाने के बहाने निकली थी। किशोरी की तलाश के दौरान परिजनों को पता चला कि पड़ोसी गांव का युवक किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले गया है। पीड़ित पिता थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर करें निस्तारण : डीएम

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित उद्यमी को आ रही समस्याओं का निराकरण कर अपने इकाई का संचालन ठीक प्रकार से करने के निर्देश दिये

कौशाम्बी। कलक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में मंगलवार को सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक किया। इस दौरान बैठक उद्यमियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिये।

बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर विगत एक माह में कुल 1144 प्रकरण प्राप्त हुए है, जिसमें से 16 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लम्बित है, जिसमें से खाद्य एवं औषधि विभाग के.08 प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के.04, आबकारी विभाग के.01 एवं कृषि विभाग के.03 सम्मिलित हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रकरण को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये।

बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि पीएमईजीपी योजना के तहत 58 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 73 आवेदन बैंको द्वारा स्वीकृत हो चुके है। इसी प्रकार एमवाईएसवाई योजना के तहत 57 लक्ष्य के सापेक्ष 70 तथा ओडीओपी योजनान्तर्गत 32 लक्ष्य के सापेक्ष 30 आवेदन बैंको द्वारा स्वीकृत हो चुके हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने अग्रिम आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने नये औद्योगिक क्षेत्र.गौसपुर टिकरी एवं भेलखा में विकसित किये जाने के सम्बन्ध में अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीसीडा कानपुर एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक यूपीसीडा प्रयागराज को भूमि अधिग्रहण के सम्बन्ध में पत्र प्रेषित कर दिया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने प्रभावी पैरवी कर अग्रिम कार्यवाही करने के निर्देश दियें। बैठक में बताया गया कि मिनी औद्योगिक आस्थान परसरा में आवंटित भूखण्ड पर कुछ उद्यमियों द्वारा अपने इकाई का संचालन ठीक प्रकार से नहीं किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित उद्यमी को आ रही समस्याओं का निराकरण कर अपने इकाई का संचालन ठीक प्रकार से करने के निर्देश दियें। उन्होंने जनपद के उद्यमियों एवं व्यापारी बन्धुओं से अनुरोध किया कि जनपद में औद्योगिक वातावरण का सृजन ज्यादा से ज्यादा हो सकें, इसके लिए औद्योगिक क्षेत्र में निवेश करेए जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की मंशानुसार नव उद्यमियों को नवीन औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन नीति 2022 के माध्यम से सुविधायें प्राप्त हों सकें। इच्छुक उद्यमी निवेश सारथी पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकतें है।

बैठक में मौजूद अधिकारीगण

भूमिधरी पर दबंग जबरन कर रहा अवैध निर्माण

कौशाम्बी। चरवा थाने के रैया देह माफी गांव निवासी राम सेवक ने बताया कि गांव का ही एक दबंग उसके घर के सामने उसकी भूमिधरी जमीन पर जबरन अवैध निर्माण कर रहा है। लेखपाल के नापजोख करने के बाद वह जबरन काम लगाया हुआ है। पीड़ित ने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बेअसर है बुधवार बंदी का निर्देश

दारानगर, कौशाम्बी। सप्ताह एक दिन बाजार बंदी का निर्देश पूरी तरह बेअसर साबित हो रहा है। हालांकि इसके लिए सरकारी मशीनरी के अफसर भी जर्रा भर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिक्र करें तो नगर पंचायत दारानगर में बुधवार बंदी का नियम है। हालांकि सप्ताह में एक दिन बंदी होने पर व्यापारियों को भी तमाम तरह के कामकाज निपटाने में सहुलियत भी मिल जाती है, लेकिन उनके द्वारा ऐसा नहीं किया जा रहा हैं इसके पीछे वजह सिर्फ नियम और निर्देश के प्रति सरकारी मशीनरी की अनदेखी है। यह कह लिया जाए कि अफसरों की अनदेखी के चलते सभी दुकानदार बुधवार के दिन दुकान खोल कर बैठे रहते है, बुधवार बंदी में किसी को कोई दिलचस्पी नहीं है। हालांकि यदि नियमों पर जाएं तो इसके लिए बकाएदे विभाग तैनात है, लेकिन सप्ताह में बंदी को लेकर कभी वह बाजारों का निरीक्षण कर लें तो शायद यह देखने को नहीं मिलता हैं बहरहाल कुछ भी हो इस ओर लोगों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नियम के अनुसार बुधवार बंदी कराए जाने की मांग किया है।

कड़ाधाम से भी चले रोडबेज भाजपा ने उठाई मांग

कौशाम्बी। भाजपा नेता ने प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री से मिलकर शक्तिपीठ कड़ाधाम में बस सेवा शुरू कराने की मांग की है।भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नीरज साहू ने उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह से मिलकर उन्हें कौशांबी स्थित शक्तिपीठ कड़ाधाम का महत्व बताते हुए कहा कि जनपद के मंझनपुर मुख्यालय में बस डिपो तो बनाया गया है लेकिन उस डिपो से एक भी बस शक्तिपीठ कड़ाधाम के लिए नहीं चलाई गई ।शक्तिपीठ कड़ाधाम 51 शक्तिपीठों में एक है और यहां माता शीतला का अति प्रसिद्ध मंदिर है।मंदिर में हजारों की संख्या में भक्तों का आवागमन बना रहता है साथ ही विश्व प्रसिद्ध संत बाबा मलूक दास का आश्रमए ख्वाजा कड़क शाह बाबा की दरगाह के साथ कई ऐतिहासिक स्थल भी हैए जिनके दर्शन करने और देखने के लिए प्रतिदिन लोगों आवागमन बना रहता हैं। भाजपा नेता ने परिवहन मंत्री से मिलकर जिला मुख्यालय मंझनपुर बस डिपो से कड़ाधाम से चित्रकूट एवं कड़ाधाम से लखनऊ के लिए बस सेवा शुरू कराने की मांग की है।जिससे कड़ाधाम आने वाले यात्रियों एवं पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो।वहीं परिवहन मंत्री ने भाजपा नेता की बातों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल टेलीफोनिक वार्ता कर विभाग के अधिकारियों से इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देने के निर्देश दिए।

रोडबेज के संचालन को पत्र देते भाजपा नेता

सिराथू रेलवे ओवरब्रिज के नीचे मिला महिला का क्षत-विक्षत शव

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर के कुछ दूर मंगलवार को एक महिला का क्षत विक्षत शव मिला। सूचना पर पहुंची जीआरपी व थाना पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के लिए काफी प्रयास किया तो जानकारी हुई कि मृतका रजनी पत्नी सदानंद पाण्डेय (45) निवासी मलाक पींजरी थाना मंझनपुर के की है। हालांकि पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को देते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार परिजनों ने बताया है कि महिला का दिमागी हालात सही नही था। पिछले 3 -4 माह से महिला का उपचार हो रहा था। बहरहाल पुलिस प्रकरण की जांच में जुट गई थी।

कड़ाके की ठंड, ठिठुरता जनजीवन

ठण्ड

दो दिन बाद मंगलवार को निकले भाष्कर देव

कौशाम्बी। पिछले दो दिनों से फिजा में चल रही सर्द हवा ने जन जीवन को ठिठुरने के लिए मजबूर कर दिया है। हालांकि मंगलवार को दस बजे के बाद भाष्कर देव दर्शन दिए तो कुछ ठंड से राहत मिली लेकिन शाम होते हुए सर्द हवा ने फिर लोगों को कांपने पर मजबूर कर दिया।

हालांकि पड़ रही कड़ाके की ठंड में जहां एक ओर जन जीवन ठिठुर रहा है वहीं दूसरी ओर किसानों की बातों पर यकीन करें तो उनका कहना है कि ठंड पड़ेगी तभी गेहूं का उत्पाद अच्छा होगा। बहरहाल अभी कोहरे की चादर फिजा में कम दिख रही है। कोहरे की चादर पड़ने पर कहीं न कहीं ठंड और भी हाड़ कपाने वाली होगी। अब यदि बुजुर्गों की बातों पर यकीन करें तो कहा जा रहा है कि इसके पहले दिसबंर माह में कोहरे की चादर काफी पड़ना शुरू हो जाती थी लेकिन इस बार दिसबंर जाने के बाद जनवरी की शुरूआत भी हो चुकी है और कोहरे की चादर उस हिसाब से नहीं दिख रही है। लेकिन कुछ भी हो जिस तरह की ठंड पड़ रही है उससे भी कहीं न कहीं जन जीवन ठिठुरने को मजबूर हो रहा है। गांवों में देखा जाता है कि सुबह हो या फिर शाम लोग अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि अलावा को लेकर शासन बजट भी भेजता है लेकिन जिस तरह से अलावा की मांग है उस हिसाब से अलाव नहीं जलवाया जा रहा है। इससे भी लोगों में आक्रोश है।

ठंड से बचने को अलाव तापते लोग

भाकियू ने किया प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चायल, कौशाम्बी। भारतीय किसान यूनियन यटिकैत गुट के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को चायल में जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। अंत में तीन सूत्री मांग पत्र एसडीएम राजेश श्रीवास्तव को सौंपा। जिलाध्यक्ष चंदू त्रिपाठी की अगुवाई में सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि विकास खंड नेवादा के बसुहार गांव में नहर टूटने से किसानों की सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद होने पर तत्काल पीड़ितों को मुआवजा दिलाया जाए। क्षेत्र में बेसहारा मवेशियों से किसानों के फसलों को नुकसान हो रहा हैए इसलिए मवेशियों को तत्काल गोशाला में बंद कराया जाए। इसी प्रकार बलीपु टाटा गांव में बंद सरकारी नलकूप 26 सी की मरम्मत कराकर चालू कराया जाए। नलकूद बंद होने से किसानों को सिंचाई के लिए काफी परेशानी होती है। एसडीएम ने समस्याओं का निराकरण कराने का आश्वासन किसानों को दिया। इस अवसर पर मो. शाहिद, रघुनाथ, नत्थू बाबा, विंदेश्वरी प्रसाद, सनी सिंह, विकास आदि किसान मौजूद रहे।

चायल में प्रदर्शन करते भाकियू के कार्यकर्ता

सड़क क्षतिग्रस्त आवागमन में दिक्कत

कौशाम्बी। शहजादपुर-मंझनपपुर मार्ग से शिवपुर बसोहनी गांव को जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क क्षतिग्रस्त होने से बड़े वाहन गांव नहीं पहुंच पा रहे है। वहीं लोगों को भी आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इलाके के किस्मत उल्लाए ताकिब अलीए मोहब्बत अलीए रजी उल्ला आदि लोगों का कहना है कि गांव के करीब दो सौ मीटर रोड़ कई महीने से खराब पड़ी है। पुलिया भी टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई। ऐसे में लोगों को आवागमन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे है। जिसे लेकर स्थानीय लोगों में रोष है।

किसान लापता, साइकिल व कुल्हाड़ी खेत में मिली

कौशाम्बी। पिपरी के भगवतपुर निवासी आशा देवी ने बताया कि उसका पति गणेश प्रसाद प्रतिदिन की तरह सोमवार को भोर में मवेशियों से फसल की रखवाली करने के लिए कुल्हाड़ी व साइकिल लेकर घर से गया। इस बीच वह संदिग्ध हाल में लापता हो गया। जब वह घंटों बाद भी नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू कर दी गई। स्वजन खेत की तरफ गए तो साइकिल व कुल्हाड़ी खेत में पड़ी देख होश उड़ गए। पत्नी ने बताया कि तमाम रिश्तेदारों के अलावा उनके मिलनेण्जुलने वालों से भी जानकारी की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पत्नी ने अनहोनी की आशंका जताते हुए मंगलवार की शाम को पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए गणेश की तलाश शुरू कर दी है।

नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन आठ को

कौशाम्बी। नगर पंचायत पूरब– पश्चिमशरीरा में आठ जनवरी को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें जानकी कुंड चित्रकूट से आने वाली डॉक्टरों की टीम मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें दवाएं देगी। ऑपरेशन के लिए भी मरीजों को चिन्हित किया जाएगा।

साइकिल सवार छात्रा को कार ने रौंदा, हालत गंभीर

कौशाम्बी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के समीप मंगलवार की शाम सड़क पार कर रही छात्रा को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारते हुए रौंद दिया। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

देवखरपुर गांव की कौशल्या देवी पुत्री भैया लाल मंगलवार की शाम सड़क पर साइकिल सीख रही थी। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने छात्रा को टक्कर मार दिया। दुर्घटना में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से वाहन समेत भाग निकला। हादसा देख आस.पास मौजूद लोग भागकर मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी पुलिस को देते हुए घायल छात्रा को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। देर शाम पुलिस ने पीड़िता की मां रन्नो देवी की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक जख्मी

कौशाम्बी। कोतवाली के लच्छीपुर निवासी अयोध्या प्रसाद मंगलवार को सैनी बाजार गया था। देर शाम वह घर लौट रहा था। सैनी चौराहे के समीप पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। कार की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना देख आस.पास मौजूद लोग भागकर मौके पर पहुंचे। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस के साथ परिजनों को देते हुए घायल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

सहज सहित तीन दुकानों से हजारों का सामान चोरी

कौशाम्बी। कोखराज के टेढ़ीमोड़ बाजार में चौकी से कुछ दूरी पर सहज जनसेवा केंद्र व तीन दुकानों से हजारों का सामान चोरों ने पार कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और तहरीर लेकर शीघ्र घटना के अनावरण का आश्वासन दिया। वहीं पुलिस चौकी के समीप हुई घटना से लोग खुद को जितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, वहीं पुलिस की कार्यशैली पर तरहण्तरह के सवाल भी खड़ा कर रहे हैं।

अंदावां निवासी अमित कुमार जायसवाल ने शहजादपुर रोड पर सहज जनसेवा केंद्र खोल रखा है। सोमवार/मंगलवार की रात चोरों ने बाजार में धावा बोला और केंद्र को अपना निशाना बनाया। ताला तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने 18 हजार रुपये नकद पार कर दिया। इसके बाद चोरों ने बाजार में ही मोहन प्रजापति के कास्मेटिक की दुकान को अपना निशाना बनाया। यहां भी शटर का ताला तोड़कर चोरों ने 10 हजार रुपया और पांच हजार रुपये कीमत का सामान पार कर दिया। हौसला बुलंद चोरों ने इसके बाद सूर्या कुमार की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान का ताला तोड़ा। अंदर घुसे चोरों ने 28 हजार रुपये नकदी और 30 हजार रुपये कीमत का सामान चोरों ने पार कर दिया। इसके बाद चोर सुशील केसरवानी के किराना की दुकान से 24 हजार चार सौ रुपये नकदी और स्कूली बच्चों के बैग से भरा बोरा उठा ले गए। सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे लोगों ने ताला टूटा व बिखरा पड़ा सामान देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना को लेकर लोग पुलिस पर रात्रि गश्त न किए जाने का आरोप लगा रहे हैं।

भूकंप आपदा पर एनडीआरएफ प्रशासन एवं स्कूली बच्चों ने किया संयुक्त मॉक अभ्यास

मॉक अभ्यास

मॉकड्रिल में एनडीआरएफ की टीम के पहुॅचने से पहले सतही पीड़ितों को पहले मौके पर मौजूद लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय की उपस्थिति में भवन्स मेहता विद्याश्रम, भरवारी में एनडीआरएफ, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जनपद के अन्य हितधारकों द्वारा संयुक्त रूप से भूकम्प पर एक मॉकड्रिल मॉक अभ्यास निरीक्षक इन्द्रदेव कुमार के नेतृत्व में किया गया।

मॉकड्रिल के दौरान भूकम्प पर एक परिदृश्य को चित्रित किया गया, जिसमें एक स्कूल की इमारत ढह गई और कुछ कर्मचारी व छात्र फॅस गए, तदनुसार, ई.ओ.सी्; इमरजेन्सी ऑपरेशन सेन्टर को घटना के बारे में सूचित किया गया। जिसने एनडीआरएफ के नियंत्रण कक्ष और सभी संबंधित हितधारकों को आपात प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया। एनडीआरएफ की टीम के पहुॅचने से पहले सतही पीड़ितों को पहले मौके पर मौजूद लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। घटना स्थल पर पहुॅचने पर एनडीआरएफ की टीम ने प्रारंभिक ऑकलन किया और एक साथ ऑपरेशन का बेस, कमांड पोस्ट, मेडिकल पोस्ट, कम्युनिकेशन पोस्ट स्थापित किए गए। ऑकलन के तुरंत बाद टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कटिंग उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए इमारत में क्षैतिज दृष्टिकोण बनाकर गम्भीर रूप से फॅसे पीड़ितों को बचाया गया। दूसरी मंजिल में फॅसे अन्य पीड़ितों को विभिन्न रस्सी बचाव तकनीकों से बचाया गया। सभी पीड़ितों को मेडिकल एजेंसियों द्वारा अस्पताल पूर्व उपचार देने के बाद अस्पताल पहुॅचाया गया। यह पूरी कवायद इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम के दिशा.निदेशों के अनुसार आयोजित की गई थी और पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया। ज्ञातव्य है कि आपदा जोखिम और नियुनीकरण के लिए कमान्डेंट मनोज कुमार शर्मा के दिशा.निर्देशन में 11वीं एनडीआरएफ, वाराणसी की टीमें विभिन्न एजेंसियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए संयुक्त मॉक अभ्यास का आयोजन करती रहती है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चायल राजेश कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी सिराथू डॉ. के.जी सिंह, एआरटीओ तारकेश्वर मल्ल, जिला आपदा विशेषज्ञ दद्दन कुमार, उप निरीक्षक चंदन कुमार, सहायक उप निरीक्षक मनवीर सिंह एवं ब्रजेश कुमार पांडेय, मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार एवं कमलेश आदि उपस्थित रहें।

मॉक अभ्यास में मौजूद स्कूली बच्चे व अन्य लोग

संक्षेप

चार के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

लालगंज। सांगीपुर थाना के थरिया गांव में मारपीट की घटना में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गांव के इंद्रपाल की पत्नी पूनम पाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बुधवार की सुबह साढे नौ बजे खेत में बांस बल्ली के विवाद को लेकर गांव के विपक्षी आकाश, विकास, विशाल पुत्रगण रामपाल तथा इनकी मां ने एकराय होकर गाली देना शुरू कर दिया। पीडिता के मना करने पर आरोपियों ने उसे मारापीटा। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आकाश समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

नाली निर्माण कराने की मांग

कौशांबी। मझियावां गांव में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोग कीचड़ भरे रास्ते से आवागमन करने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी आज तक नाली का निर्माण नहीं कराया जा सका है। लोगों ने नाली के निर्माण की गुहार लगाई है।

बाइक सवार बदमाशों ने सेल्स मैनेजर से की लूट, पुलिस सीसी टीवी खंगालने में जुटी

प्रतापगढ़। ग्रामीण क्षेत्रों से कैश कलेक्शन कर शहर आ रहे कम्पनी के सेल्स मैनेजर को बाइक सवार बदमाशों ने बुद्धवार दोपहर तमंचे के बल पर कैश से भरे बैग को लूट कर फरार हो गये। देल्हूपुर के रतीपुर हनुमान मंदिर के समीप प्रयागराज अयोध्या राजमार्ग पर लूट की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गया। मौके पर सीओ रानीगंज व देल्हूपुर की पुलिस दल बल के साथ पहुंची। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुट गई।

स्पंन्दा स्फूर्ति ग्रुप लोन कंपनी के सेल्स मैनेजर अजीत कुमार मिश्र बुद्धवार को दोपहर ग्रामीण क्षेत्रों में दिए गये लोन का कैश वसूल कर बाइक से शहर आ रहा था। वह जैसे ही देल्हूपुर थाना क्षेत्र के प्रयागराज अयोध्या हाइवे पर रतीपुर हनुमान मंदिर के पास पहुंचा पीछे से ओवरटेक कर बाइक से आये तीन बदमाशों ने उसे रोक लिया। कनपटी पर तमंचा सटाकर बैग छीनने लगे। विरोध पर गोली मारने की धमकी देकर बैग छीन लिया और भाग निकले। बैग में वसूली के 45 हजार रुपए थे। सेल्स मैनेजर अजीत ने उस दिन 70 हजार की वसूली की थी। 25 हजार रुपए उसने जेब में रखा था जिसे लुटेरे नहीं जान सके और शेष पैसा बच गया। सूचना पर सीओ रानीगंज और एसओ देल्हूपुर फोर्स के साथ घटना स्थल पहुंच कर सेल्स मैनेजर से लूट के संबंध में जानकारी की। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज निकालकर लुटेरों की पहचान कर रही है। इसके पूर्व भी इस तरह हाइवे पर कई लूट की घटनाएं घटित हो चुकी हैं। देल्हूपुर थानाध्यक्ष धीरन्द्र ठाकुर का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

लूट की जांच पड़ताल करती पुलिस

ससुराली जनों ने विवाहिता को पीट कर भगाया

पट्टी। शादी के आठ साल बाद पति और ससुराली जन एक राय होकर पीड़िता को मारपीट कर घर से भगा दिया। विवाहिता ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अकारीपुर गांव की रहने वाली रोशनी गुप्ता पुत्र नंदलाल ने पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि महदहा गांव के रहने वाले विनोद गुप्ता पुत्र करमचंद गुप्ता के साथ उसकी शादी 8 साल पहले हुई थी। उसका पति शराबी है जो कि उसे आए दिन मारता पीटता रहता है। पंचायत के बाद भी मामले में सुलह समझौता नहीं हो सका। बीते 25 दिसंबर को ससुरालीजनों ने विवाहिता को घर से मारपीट कर भगा दिया। इस संबंध में विवाहिता ने शिकायती पत्र देकर आरोपी ससुराली जनों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

भू-माफियाओं से परेशान पीड़ित पहुंचा एसपी दफ्तर, लगाई न्याय की गुहार

प्रतापगढ़। चिलबिला के महुली रोड स्थित हीरो एजेंसी के बगल कृष्ण देव गुप्ता का मकान है। कृष्ण देव ने अपने घर के सामने सड़क पर लगभग 35 वर्ष पहले दो बिस्वा जमीन का बैनाम लिया था। उसने बताया कि मेरे नाम उक्त जमीन की खरिज दाखिल सहित खतौनी भी है। उस जमीन पर कृष्ण देव मकान का निर्माण करवा रहा था। भूमाफियों ने उससे वसूली की मांग की न देने पर पीड़ित का निर्माण बन्द करवा दिया। न्याय पाने के लिए कई बार चिलबिला चैकी, कोतवाली नगर व एसपी आफिस का चक्कर लगाया। मगर उसे अब तक न्याय नहीं मिल सका। कृष्ण देव ने आरोप लगाते हुए कहा कि चिलबिला निवासी सुरेश प्रताप सिंह, उमेश प्रताप सिंह, विजय प्रताप सिंह व रमेश प्रताप सिंह सरहंग किस्म के व्यक्ति व भूमाफिया हैं। चिलबिला व महुली बाजार में यदि कहीं भी कोई कमजोर व्यक्ति अपनी जमीन पर निर्माण करवा रहा होता है तो ये लोग पैसे की माँग करते हैं। पैसे न देने पर निर्माण कार्य रूकवाकर जान से मारने की धमकी देते हैं। लेखपाल, तसीलदार ने जमीन का नापकर मुझे निर्माण करवाने को कहा। मगर भू माफिया निर्माण नहीं कराने दे रहे हैं। दबंगों से परेशान कई बार में कागजात सहित पुलिस चैकी, कोतवाली व एसपी आफिस गया। पुलिस के अधिकारी मेरे प्रार्थना पत्र पर कुछ न कुछ लिख देते हैं। आज मैं पुनः कप्तान से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। देखना है कि भूमाफियाओं के खिलाफ योगी सरकार की जीरो टालरेंस की नीति का पालन जिले की पुलिस कितनी करती है।

मीडिया को अपनी पीड़ा बताता पीड़ित

रंजिश में अधेड़ को मारी गोली, रेफर

प्रतापगढ़। बाजार से घर लौटते समय अधेड़ को गोली मार दी गई। गोली उसका कान खरोंचते हुए निकल गई। परिजन घायल को सीएचसी ले गए, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। महेशगंज थाना क्षेत्र के गौरी का पुरवा रायगढ़ गांव के सुरेश यादव उर्फ भुल्लर (58) मंगलवार की देर रात बाजार से लौट रहे थे। रास्ते में गांव का एक युवक उनसे विवाद करने लगा। इस दौरान युवक ने तमंचे से गोली चला दी। गोली सुरेश का कान खरोंचते हुए निकल गई। गोली की आवाज सुनकर गांव के लोग पहुंचे और घायल को सीएचसी भेजा, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसओ प्रमोद सिंह ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है।

ट्रक कार की टक्कर, जवान घायल

प्रतापगढ़। खड़ी ट्रक में कार की टक्कर होने से कार सवार सेना का जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेजा गया। प्रयागराज अयोध्या हाईवे पर स्थित राजगढ़ के समीप मंगलवार की देर रात एक ट्रक खड़ी थी। इस दौरान अयोध्या की ओर जा रही कार एक ट्रक से टक्कर हो गई। कार में सवार भिलारवाड़ी जलगांव निवासी मंगेश खंडेराव गंभीर रूप से घायल हो गये। टक्कर होने के बाद ट्रक ड्राइवर ट्रक सहित भाग निकला। घायल मंगेश को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए मेडिकल भेजा गया।

दुर्घटना में युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

प्रतापगढ़। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की दुर्घटना में मौत हो गयी। लीलापुर थाना के बहुचरा निवासी भोला शर्मा का पुत्र पवन शर्मा (32) मंगलवार की देर रात बाइक से घर जा रहा था। कटैया गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से पवन गंभीर रूप से चुटहिल हो गया। चोट अधिक लगने के कारण पवन की मौत हो गयी। हादसे में युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दो भाईयों में सबसे बड़ा था और एक स्कूली वाहन चलाकर परिवार का भरण पोषण किया करता था। मृतक अपने पीछे डेढ़ वर्ष की बेटी रागिनी व पत्नी रेनू को निराश्रित छोड गया है। घटना से उसका छोटा भाई शैलेन्द्र भी बदहवाश दिखा।

ठंड से बचाने की पहल पर एलायंस क्लब इंटरनेशनल की सराहना

प्रतापगढ़। कड़ाके की पड़ रही ठंड से बचाने के लिए एलायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा अभियान चलाया जा है। जिसमें गरीबों को कंबल वितरण व बेसहारा पुशुओं को जूट के बने कोट पहनाये जा रहे हैं। क्लब के डायरेक्टर रोशन लाल उमरवैश्य के नेतृत्व रात में शहर की सड़कों पर घूम-घूमकर ठंड से कॉप रहे लोगों को कंबल बॉटे जा रहे हैं। इसके अलावा क्लब के लोग बेसहारा पुशुओं को जूट के बने कोट भी पहना रहे हैं। समाजसेवी रोशन लाल के इस नेक काम की लोग सराहना कर रहे हैं। रोशनलाल ने लागों से अपील की है कि ठंड से लोगों को बचाना एक पुनीत कार्य है, जो सक्षम लोग हैं आगे आकर गरीबों की मदद करना चाहिए। उन्होंने बुद्धवार को अपने सहयोगियों के साथ रेलवे स्टेशन, भंगवाचुंगी, बस स्टैण्ड, चिलबिला आदि जगहों पर असहायों को कंबल देकर राहत पहुंचाई। समाजसेवी रोशन लाल ने बताया कि क्लब का यह अभियान हर वर्ष चलाया जाता है। इसके आगे भी ठंड से लोगों व पशुओं को बचाने का अभियान चलता रहेगा। उनके नेतृत्व में लोग सड़कों पर घूम रहे व गौशालाओं में जाकर पशुओं को जूट के कोट भी पहना रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो लोग इस नेक काम में भागीदारी निभाना चाहते हैं चैक स्थित अशोक अग्रवाल की दुकान पर कंबल आदि दान दे सकता है। इस मुहिम में उनके साथ अशोक अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, संतोष कुमार, छेदीलाल, देवानंद, शिवेश शुक्ल, डा० दयाराम मौर्य, राजीव कुमार आर्य, परमानंद मिश्र, विवेक कुमार, आदर्श कुमार देवेन्द्र, पूनम गुप्ता, अर्चना खण्डेलवाल, रेखा उमरवैश्य, जयाति खण्डेलवाल, सुधा अग्रवाल, मेधा आदि रहकर सहयोग कर रहे हैं।

बेसहारा लोगों को कंबल वितरित करते क्लब के डायरेक्टर रोशन लाल उमरवैश्य

मर्डर केस का खुलासा, दो भेजे गये जेल

प्रतापगढ़। कुण्डा के मानिकपुर थाना क्षेत्र में फेतेहउल्लापुर गांव के पास पिछले माह 22 दिसम्बर को एक युवक का शव मिला था। पोस्टमार्ट के अनुसार युवक की हत्याकर शव को फेंका गया था। मानिकपुर पुलिस ने थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज हुआ था। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर छानबीन के दौरान मानिकपुर पुलिस ने बुद्धवार को युवक की हत्या किये जाने के मामले में दो आरोपियों सहित एक नाबालिक को धर दबोचा। पुलिस गिरफ्त में आये थाना क्षेत्र के आरोपी शकील अहमद पुत्र अहमद अली व मो कलाम पुत्र शकील अहमद दोनों निवासी अलीगंज मानिकपुर ने हत्या का राज बताया। आरोपियों ने बताया कि युवक की 22 दिसम्बर को हत्या कर वाहन से शव फतेहउल्लापुर में सड़क के किनारे फेंके थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लोडर वाहन को बरामद कर लिया। ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा कर पुलिस ने राहत की सांस ली है।

पुलिस की गिरफ्त में हत्या के आरोपी

लूट की घटनाओं में संगीन मामलों का आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी को दूल्हूपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पकड़ा गया लूट का अरोपी उबैद उल्ला पुत्र शकील अहमद थाना क्षेत्र के मद्दीपुर का निवासी बताया गया। उबैद पर मानधाता व सांगीपुर थानों में लगभग दर्जन पर संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस महीनों से आरोपी की तलाश कर रही थी। मंगलवार को देल्हूपुर पुलिस को आरोपी के थाना क्षेत्र के खरवई रेलवे स्टेशन के पास होने की सूचना मिली। पुलिस को देखते ही उबैद भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी उबैद उल्ला को बुद्धवार को जेल भेज दिया।

रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय राजमार्ग सहित तीन सड़कों का होगा निर्माण : प्रमोद

प्रतापगढ़। सांसद प्रमोद तिवारी की पहल पर नये साल में जल्द ही रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र को एक राष्ट्रीय राजमार्ग तथा केन्द्रीय सड़क निधि योजना के तहत तीन बड़े मार्गो के निर्माण की सौगात मिलने जा रही है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के द्वारा केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजे गये राष्ट्रीय राजमार्ग समेत इन महत्वपूर्ण सड़कों के प्रस्ताव पर मंत्रालय ने ठोस पहल की शुरूआत कर दी है। नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर सांसद प्रमोद तिवारी ने अयोध्या से चित्रकूट धाम बाबा बाबा घुइसरनाथ धाम लालगंज होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग से आच्छादित करने को लेकर पत्र सौंपा था। सांसद के पत्र पर सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने श्री तिवारी को भेजे गये पत्र में निर्माण का भरोसा दिलाया। प्रस्ताव के आधार पर प्रस्तावित नए राष्ट्रीय राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्यक्रम में शामिल किये जाने के निर्देश मंत्रालय को दिये है। इस नए राष्ट्रीय राजमार्ग की मंजूरी मिलने पर पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम भी पर्यटन केन्द्रस्थली के रूप में एनएच से आच्छादित हो सकेगा। वहीं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के द्वारा रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण मार्गो के भी केन्द्रीय सड़क निधि से हाइवे के रूप में निर्मित कराए जाने का प्रस्ताव भी सडक परिवहन मंत्रालय को सौपा है। इन प्रस्तावों पर केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने परियोजनाओं को प्राथमिकता सूची में लिए जाने के निर्देश निर्गत किये है। इनमें क्षेत्र की रांकी मुस्तफाबाद, नरवल मार्ग होते हुए राहाटीकर रेहुआ लालगंज को पार करते हुए चाहिन, सिलौधा, आमोशंकरपुर, नेवली का पुरवा। तथा दूसरे सगरा रजबहा की पटरी पर धधुआ गाजन से वर्मा नगर व कामापटटी से बीजूमऊ तक के बीच का छूटा हुआ भाग शामिल है। इसके अलावां तीसरे प्रस्ताव के तहत कारगिल शहीद शशिकांत शुक्ला मूर्ति स्थल चिचिहरा से शाहबरी, भैंसना, कटेहटी, हनुमानगढ़ी, सैंठा, विशेषरगंज हाइवे तक अब मंत्रालय के जांचोपरान्त मार्ग निर्माण के लिए धन आवंटन हेतु प्रक्रिया शुरू हुई है। नई सड़क के निर्माण से लोगों में खुशी है केन्द्रीय मंत्री द्वारा सांसद को लिखे गये पत्रों की जानकारी बुधवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत किया गया है।

पत्रकारों ने बैठक कर अर्पित की श्रद्धांजलि, जताया गया शोक

प्रतापगढ़। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की तहसील इकाई की बैठक में बुधवार को महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक पं. भगवान प्रसाद उपाध्याय के पौत्र उत्कर्ष उपाध्याय की ट्रेन दुर्घटना में हृदय विदारक मृत्यु पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक तथा उनके शोकसंतृप्त परिवार के प्रति संवेदना के साथ ईश्वर से असह दुःख सहन करने की परिजनों को शक्ति देने की प्रार्थना की जाती है। साथी पत्रकारों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोकसभा की अध्यक्षता तहसील इकाई अध्यक्ष विनोद सिंह तथा संचालन महामंत्री साकेत मिश्र ने किया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि इस दुखद घटना के चलते आगामी उन्तीस जनवरी को माघ मेला में होने वाले महासंघ के राष्ट्रीय सम्मेलन व सम्मान समारोह को भी स्थगित कर दिया गया है। इस मौके पर विकास मिश्र, डा. आशीष सिंह, सुरेंद्र तिवारी सागर, सुरेश मिश्र मदन, मनोज सिंह, राघवेंद्र मिश्र, राजेन्द्र मिश्र, संतोष तिवारी, संजीव त्रिपाठी, सुमित त्रिपाठी, उमेश तिवारी, शिवकरन चतुर्वेदी, लवलेश शुक्ल, संदीप मिश्र, शैलेन्द्र मिश्र, बाबा नरेंद्र ओझा, जगत वर्मा, धर्मेंद्र मिश्र, आनंद प्रकाश त्रिपाठी, मुकेश तिवारी, सुनील सिंह, प्रेम मिश्र, राकेश तिवारी, अशोककर द्विवेदी, मनोज त्रिपाठी, प्रमोद सिंह, राजकुमार मिश्र, सुनील सिंह बघेल, सरवर आलम, मुकेश सिंह, शुभम श्रीवास्तव, राजेश पाण्डेय, शत्रुघ्न पाण्डेय व अनूप त्रिपाठी, आशुतोष मिश्र, आईपी मिश्र, संजयमणि शुक्ल, शास्त्री सौरभ आदि रहे।

गोष्ठी आयोजित कर किया जागरूक

प्रतापगढ़। पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी की ओर से बुधवार को विकास खंड मानधाता के पूरेखरगराय गांव में बढ़ती आपदाएं व हमारा दायित्व विषय पर गोष्ठी की गई। जिसमें बढ़ती आपदाओं व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। पर्यावरण सेना प्रमुख ने कहा कि आपदाओं का कारण मनुष्य स्वयं है। हम अपने स्वार्थ में हरे पेड़ काटकर धरती पर रहने वालों का जीवन संकट में डाल रहे हैं। समय रहते सावधानी से हम इसमें सुधार कर सकते हैं। अंत में वक्ताओं ने एक-एक पौधे रोपे। गोष्ठी में रविप्रकाश मिश्र, अरविंद कुमार सिंह, रामदुलार, लालबहादुर, विनोद कुमार, नमन कुमार आदि शामिल रहे।

किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ

प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के गुजवर गांव निवासी काजल सरोज (17) पुत्री राम मिलन सरोज को परिजनों नेकिसी बात पर डांट दिया। इससे नाराज होकर उसने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। थोड़ी देर में हालत बिगड़ने लगी तो घबराए परिजन उसे सीएचसी संग्रामगढ़ लेगए। प्राथमिक उपचार के बाद भी काजल की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

महिला अस्पताल से टोटियां गायब, चौकीदारों पर शक

प्रतापगढ़। मेडिकल कालेज महिला अस्पताल में चोर सक्रिय हैं। उन्होंने वाटर बूथ में लगी स्टील की महंगी टोटियों को चुरा लिया है। इसका खुलासा होने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने चैकीदारों को बुलाकर जमकर फटकार लगाते हुए उनसे टोटी लगाने को कहा है। स्टाफ में चर्चा है कि चौकीदारों की मिली भगत से चोरियां हो रही हैं। इससे मरीज और उनका सामान भी सुरक्षित नहीं रह गया है। जो चिंता का विषय है।

महिला अस्पताल में संविदा पर तैनात चौकीदारों की ड्यूटी के दौरान कुछ दिनो पहले वाटर बूथ में लगी टोटियां चोरी हुई थी। खास बात यह है कि चैकीदारों को इसकी भनक तक नहीं लगी। किसी ने सीएमएस को भी बताने की जरूरत नहीं समझी। छुट्टी से लौटी सीएमएस डाक्टर रीना प्रसाद राउंड पर निकली। उनकी नजर वाटर बूथ पर गई। टोटी नदारद देख उनका माथा ठनका। उन्होंने चैकीदारों को बुलाकर पूछताछ की। सभी जानकारी से इंकार करते रहें। उन्होंने फटकार लगाते हुए कहा कि सामान चोरी हो रहा है। तुम लोगों के रहने से क्या फायदा। उन्होंने उनसे टोटी लगाने की बात कही। साथ ही उनकी कार्यशैली के बारे में प्रिंसिपल मेडिकल कालेज को भी अवगत कराने का निर्देश मातहतों को दिया। पता तो यह भी चला है कि चैकीदार रात में मरीजों का सामान लाने के बहाने गायब रहते हैं। इसके बदले वे मरीजों से पैसा भी लेते हैं। सीएमएस ने बताया कि टोटियां चोरी हुई हैं। चैकीदारों को भनक तक नहीं लग पाई है। उनसे इसका जवाब मांगा गया है।

सेवानिवृत्त कर्मियों को समारोह पूर्वक दी गयी विदाई

प्रतापगढ़। सांगीपुर स्थित चकबंदी कार्यालय मे बुधवार को सेवानिवृत्त दो कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गयी। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त चकबंदीकर्मी चंद्रिकेशर वर्मा व अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव को विभागीय सहयोगियों ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। चकबंदी अधिकारी कौशलानंद तथा सहायक चकबंदी अधिकारी इन्देश कुमार पाण्डेय व राधेश्याम गुप्ता ने सेवानिवृत्त सहयोगियों की कार्यशैली की सराहना भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चकबंदी अधिकारी कौशलानंद तथा संचालन रमेश यादव ने किया। इस मौके पर जगन्नाथ यादव, राकेश श्रीवास्तव, अमरेन्द्र पाण्डेय, कफील अहमद, राजेश कुमार सिंह, अमित सिंह, कलेन्द्र यादव, विजय मिश्र, लल्लन प्रसाद यादव, कमलेश मिश्र आदि रहे।

गलन भरी ठंड से गौशाला में ठिठुर रहे गोवंश

प्रतापगढ़। जिले में ठंड व गलन से जनजीवन प्रभावित है। इसका असर गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों पर भी दिख रहा है। जिले की अधिकतर गोशाला में गोवंश खुले आसमान के नीचे ठिठुरते दिख रहे हैं। क्षमता से अधिक गोवंश होने के कारण उन्हें ठंड से बचाने व चारे-पानी की व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है।

यही नहीं अफसरों की ओर से गोवंशों को ठंड से बचाने के लिए बोरे का कोट बनवाने का दावा भी फाइलों तक सीमित रह गया। जिले में पशुचिकित्सा विभाग, जिला पंचायत व नगरपालिका व नगर पंचायतों को मिलाकर 70 गो आश्रय स्थल हैं। वर्तमान में सबसे अधिक गो-आश्रय स्थल पशुचिकित्सा विभाग के 50 हैं। इसमें से अधिकतर गो-आश्रय स्थल में क्षमता से अधिक गोवंश होने के कारण गोवंश खुले आसमान के नीचे ठंड से ठिठुर रहे हैं। नगर पंचायत कोहंडौर के पंडरीपाल में स्थित कान्हा गोशाला में वर्तमान में 350 गोवंश हैं जबकि क्षमता 200 की है। गोवंशों को ठंड से बचाने के इंतजाम नहीं होने के कारण दो दिन में आधा दर्जन से अधिक गोवंश दम तोड़ चुके हैं। यही नहीं दर्जनभर गोवंश बीमार चल रहे हैं।

जनसंपादकीय

बीएचयू के क्रांतिकारी : हित नारायण सिंह

आरा (बिहार) के कुलहड़िया में वर्ष 1918 में पैदा हुए हित नारायण सिंह बीएचयू में अपने साथियों के बीच 'हित नारायण भाई' के नाम से प्रसिद्ध थे। बृज विलास वर्मा उनके पिता थे। 'गेहुँआ रँग, गोल चेहरा, इकहरा बदन, औसत कद, छोटी आँखें, हल्की मूँछें और पहनावे में कोट, शर्ट और ट्राउजर', सीआईडी की फाइल में हित नारायण सिंह के शारीरिक रूप-रँग के बारे में यही बातें दर्ज.हैं।

अपनी राजनीतिक सक्रियता की वजह से हित नारायण सिंह पहली बार पुलिस की निगाह में तब चढ़े, जब दिसम्बर 1938 में उन्होंने अनुशीलन समिति के प्रसिद्ध संगठनकर्ता केशव प्रसाद शर्मा के मार्गदर्शन में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की एक शाखा के गठन का काम शुरू किया। तब वे बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में द्वितीय वर्ष के छात्र थे। उल्लेखनीय है कि केशव प्रसाद शर्मा अनुशीलन दल के क्रांतिकारी नेता जोगेश चंद्र चटर्जी के सहयोगी रहे थे और बाद में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी से जुड़ने पर आचार्य नरेंद्र देव के करीबी रहे। जोगेश चंद्र चटर्जी ने अपनी आत्मकथा 'इन सर्च ऑफ फ्रीडम' में केशव प्रसाद शर्मा का ज़िक्र प्रमुखता से किया है।

अगस्त 1939 में हित नारायण सिंह पुनः अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों की वजह से पुलिस की नजर में आए। उन्हें बीरेन्द्र नाथ भट्टाचार्य ने, जिन्हें युक्त प्रांत से निष्कासित कर दिया गया था, अपना विश्वासपात्र मानकर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में अनुशीलन समिति के संगठन का काम सौंपा था। हित नारायण सिंह ने अनुशीलन दल के लिए सक्रिय होकर काम किया और वे केशव प्रसाद शर्मा और बीरेन्द्र नाथ भट्टाचार्य दोनों के ही करीबी थे। यही नहीं उन्होंने दिसम्बर 1939 में बीरेन्द्र नाथ भट्टाचार्य को फरारी की दशा में आश्रय भी उपलब्ध कराया था।

मार्च 1940 में हित नारायण सिंह ने बंगाल के अनुशीलन दल के प्रमुख नेता प्रतुल गांगुली से मुलाकात की और उनसे मिलकर पार्टी की भावी गतिविधियों के बारे में चर्चा की और मार्गदर्शन भी लिया। छात्रों द्वारा की जाने वाली स्थानीय हड़तालों में भी उन्होंने प्रमुखता से भाग लिया।

सितम्बर 1940 में हित नारायण सिंह अनुशीलन समिति की बनारस इकाई के नेता बने। यही नहीं उनका पत्राचार अनुशीलन-बोल्शेविक पार्टी के फरार संगठनकर्ता सुशील भट्टाचार्य से भी होता था। इसी दौरान वे बनारस स्टूडेंट्स फेडरेशन की कार्यकारिणी के सदस्य भी बने। नवम्बर 1940 में जवाहरलाल नेहरू की गिरफ़्तारी के विरुद्ध बीएचयू में छात्रों की हड़ताल आयोजित करने में हित नारायण सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने बनारस छात्र संघ की कार्यकारिणी समिति की उस बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें बनारस के सभी शैक्षणिक संस्थाओं में 16 नवम्बर 1940 को हड़ताल का निर्णय लिया गया। हड़ताल के दौरान हुई सभा और अन्य अवसरों पर भी उन्होंने छात्रों को सम्बोधित किया और अंग्रेजी राज की खुलकर आलोचना की। ठेठ बिहारी लहजे में हिंदुस्तानी में दिए जाने वाले अपने भाषणों के लिए हित नारायण सिंह छात्रों के बीच मशहूर थे। दिसम्बर 1940 में बनारस में आयोजित हुई स्टूडेंट्स फेडरेशन के प्रांतीय सम्मेलन के सफल आयोजन में भी हित नारायण सिंह ने योगदान दिया और उसकी कार्यवाहियों में सक्रिय भागीदारी की। उनकी राजनीतिक सक्रियता और क्रांतिकारी गतिविधियों का गहरा प्रभाव बनारस के छात्रों पर था। हित नारायण सिंह अनुशीलन दल द्वारा नियंत्रित समाजवादी छात्र गुट के नेता थे। दिसम्बर 1940 में ही उन्होंने गोपाल दास श्रीवास्तव के नेतृत्व वाले साम्यवादी छात्र गुट के साथ गठबंधन किया। साथ ही, उन्होंने नागपुर में हुए अखिल भारतीय छात्र सम्मेलन में हिस्सा लिया और यहीं वे रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के सदस्यों के सम्पर्क में भी आए। आगे चलकर छात्रों के बीच रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के विचारों के प्रचार-प्रसार में उनकी प्रमुख भूमिका रही। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति द्वारा नागपुर से जारी किए गए पर्चे की पाँच सौ से अधिक प्रतियों को क्रांतिकारी और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के प्रमुख नेता सुशील भट्टाचार्य को सौंपने और आगे चलकर उन पर्चों के वितरण में भी उनकी प्रमुख भूमिका रही।

जनवरी 1941 में हित नारायण सिंह युक्त प्रांतीय स्टूडेंट्स फेडरेशन के संयुक्त-सचिव चुने गए। नागपुर में साम्यवादी और समाजवादी छात्र गुटों के बीच हुए अलगाव के बाद हित नारायण सिंह ने बनारस के साम्यवादी छात्र गुट के साथ अपना सम्बन्ध तोड़ लिया। 'स्वाधीनता दिवस' (26 जनवरी) के अवसर पर उन्होंने बीएचयू में आयोजित कार्यक्रम में, जिसकी अध्यक्षता प्रो. कालेलकर कर रहे थे, अंग्रेजी राज के विरुद्ध उत्तेजक भाषण दिया। फरवरी 1941 में बनारस में हुई अखिल भारतीय स्टूडेंट्स फेडरेशन के सम्मेलन में भी उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। इस अवसर पर वे न केवल सम्मेलन में भाग ले रहे अनुशीलन दल के अन्य सक्रिय सदस्यों से मिले, बल्कि इन सदस्यों की एक गुप्त बैठक में भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि हित नारायण सिंह की इन क्रांतिकारी गतिविधियों में उनकी पत्नी श्रीमती राधिका देवी भी शामिल थीं। क्रांतिकारी नेता सुशील भट्टाचार्य राधिका जी के माध्यम से ही हित नारायण सिंह तक संदेश भेजते थे और हित नारायण सिंह से सीधे पत्राचार करने की बजाय वे राधिका देवी को ही पत्र लिखा करते, जो उन पत्रों को हित नारायण सिंह तक पहुँचाती थीं। स्पष्ट है कि युक्त प्रांत में अनुशीलन दल की गतिविधियों के प्रसार और छात्रों के राजनीतिक संगठन में बीएचयू के छात्र हित नारायण सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।

शुभनीत कौशिक

(लेखक बलिया के सतीश चंद्र कॉलेज में इतिहास के शिक्षक हैं.)

पंजाब में जन्म ले रहा है नया किसान मोर्चा

पंजाब में शपथ ग्रहण करने से पहले और कुर्सी संभालने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान उन्होंने खुलेआम कहा कि उनका (यानी शासन का) हर पेन किसानों, बेरोजगारों तथा वंचित तबके के लिए चलेगा। तब समूचे पंजाब में जशन मनाए गए और किसान तथा नौजवान गांवों, कस्बों तथा शहरों में कहते पाए गए कि आम आदमी पार्टी की नहीं बल्कि हमारी अपनी सरकार बनी है! लेकिन नई सरकार वजूद में आने के चंद हफ्तों बाद ही आलम कुछ और हो गया। सरकार ने कुछ पहलकदमियां अवाम के हक में जरूर कीं। पर किसानों और बेरोजगार नौजवानों का मोहभंग अपनी इस सरकार से होने लगा। आठ महीनो के बाद ठीक पहले की तर्ज पर व्यापक किसान आंदोलन ने जन्म ले लिया। शुरूआत पांच महीने पहले हो चुकी थी और दिसंबर का दूसरा पखवाड़ आते-आते एकदम साफ हो गया कि जिस तरह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ किसान मोर्चा रफ्ता-रफ्ता लगा था, ठीक उसी मानिंद पंजाब की भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी के खिलाफ लग गया है। न्यूनतम से वह व्यापक हो रहा है। नरेंद्र मोदी और कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चालाक कूटनीति से पहले के किसान आंदोलन को दबाना चाहता लेकिन नाकामयाब रहे थे। भगवंत मान की सरकार पुलिसिया हथकंडों से इसे कुचलना चाहती है। लेकिन फिलवक्त किसान सरकार पर हावी हैं। राज्य के जिला फिरोजपुर के कस्बे जीरा का गांव रटोल रोही किसान आंदोलन की जन्म स्थली बना है। दीप सिद्धू शराब के एक बहुत बड़े कारोबारी हैं। बड़े कांग्रेसियों तथा शिरोमणि अकाली दल सुप्रीमो तक से उनकी नजदीकियां जगजाहिर हैं। सुखबीर बादल ने उन्हें विधानसभा चुनाव की टिकट भी दी थी। सूत्र बताते हैं कि वह खुद अकाली बनकर चुनाव लड़े थे लेकिन (दो नंबर में नोटों की थैलियां चुनावी चंदे के तौर पर दूसरी पार्टियों को भी भेजी गईं थीं)। दीप सिद्धू चुनाव हार गए लेकिन लगभग हर बड़े कारोबारी की मानिंद उन्होंने सत्ता के गलियारों अपने संसाधनों के बूते अच्छी खासी पैठ जमा ली और सूबे की हर राजनीतिक पार्टी के आका तथा बड़े अधिकारियों घरों के दरवाजे उनके लिए हमेशा पहले जैसे ही खुले हैं। जीरा से सटे जिस रटोल रोही गांव में दीप सिद्धू की कई एकड़ में फैली शराब की फैक्ट्री बनी हुई है, उसका विरोध नींव रखने से ही स्थानीय लोग; विशेषकर किसान करने लगे थे। नियमानुसार शराब की फैक्ट्री लगाने के लिए आसपास के लोगों की स्वीकृति लेना अपरिहार्य है और किसानों का कहना है कि इस फैक्ट्री को बनाते समय ऐसा कुछ नहीं किया गया और ऐसी तथा इस जैसी अन्य जरूरी प्रक्रियाएं फिरोजपुर में कागजी खानापूर्ति में गुपचुप ढंग से कर दी गीयी। अब आम आदमी पार्टी की सरकार महज नाटकीय ढंग से इस पूरे मसले को बंद आंखों तथा पूरी तरह से बहरेपन के साथ देख रही है। नई सरकार बनने के सिर्फ पांच महीनों के बाद स्थानीय किसानों और लोगों ने विरोध में धरना लगाया क्योंकि शराब फैक्ट्री की वजह से लगातार दूषित हो रहे पानी से पहले पशु और फिर इंसान मरने लगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद सुपर वीवीआइपी हो गए। उड़नखटोले के जरिए ज्यादातर हवा में रहने लगे। राज्य की उन जमीनी सच्चाइयों से कटते चले गए, जो कभी उनकी चिंताओं में शुमार थीं। जीरा पट्टी में कैंसर जोर पकड़ता रहा और मुख्यमंत्री की दूरियां वहां के लोगों से बढ़ती गईं। किसान अढ़े रहे कि शराब की फैक्ट्री को सदा के लिए बंद किया जाए। आंदोलनकारी किसानों ने पक्का मोर्चा लगा लिया तो मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसानों के शिष्टमंडल को चंडीगढ़ बुलाया और लंबी बैठक करके समझाया कि बीच का रास्ता यथाशीघ्र निकाल लिया जाएगा। लेकिन किसान बीच का नहीं सीधा रास्ता चाहते थे। इसलिए अंततः वह बैठक बेनतीजा रही और इधर आंदोलनकारी किसानों का काफिला दिन-प्रतिदिन लंबा होने लगा। सूत्रों के मुताबिक स्थानीय पुलिस- प्रशासन को उच्चस्तरीय आदेश दिए गए कि 20 दिसंबर से पहले जैसे-जैसे किसानों को धरना स्थल से हटाया जाए। 20 दिसंबर को भारी नाकेबंदी के बावजूद पुलिस और किसानों में जबरदस्त झड़प हुई। किसानों को धरना प्रदर्शन से दूर रोकने के लिए बैरिकेट्स लगाए गए और फैक्टरी के दरवाजों के आगे सरकारी बसें खड़ी कर दी गईं। किसानों ने पुलिस के नाके तहस-नहस कर दिए तो पुलिस ने लाठियां चलानी शुरू कर दीं। 21 दिसंबर का सूरत-ए-हाल यह है कि तमाम किसान जत्थेबंदियां पुलिसिया विरोध के बावजूद वहां पहुंच रही हैं और पक्का मोर्चा लगा दिया गया है। पहली कतार में वही चेहरे बैठे हैं, जो राष्ट्रीय किसान आंदोलन के दौरान बैठे मिलते थे। लंगर का बंदोबस्त भी वैसे ही हो रहा है। किसानों को सियासी समर्थन भी खुलकर हासिल होने लगा है।

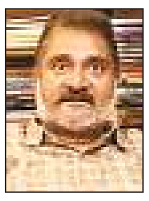

अमरीक

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

शिक्षा पर नजरिये में बदलाव जरूरी

शिक्षा

जावेद अनीस

अगस्त 2009 में भारत के संसद द्वारा निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम पर सहमति की मुहर लगायी गयी थी और 1 अप्रैल 2010 से यह कानून पूरे देश में लागू हुआ. इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों की कानूनी रूप से यह बाध्यता हो गयी कि वे 6 से 14 आयु समूह के भारत के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध करायें. आरटीई का अस्तित्व में आना निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक कदम था. आजादी के 62 वर्षों बाद पहली बार एक ऐसा कानून बना था जिससे 6 से 14 साल के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का मौलिक अधिकार हासिल हो सका. निश्चित रूप से इस कानून की अपनी सीमायें रही हैं जैसे 6 वर्ष से कम और 14 वर्ष से अधिक आयु समूह के बच्चों को इस कानून के दायरे से बाहर रखना, शिक्षा की गुणवत्ता पर पर्याप्त जोर नहीं देना और 25 प्रतिशत आरक्षण के साथ प्राइवेट स्कूलों की तरफ भगदड़ में और तेजी लाना. इसी तरह से इस कानून की परिकल्पना और पिछले दस वर्षों के दौरान जिस तरह से इसे अमल में लाया गया है उसमें काफी फर्क है. आज दशक बीत जाने के बाद यह सही समय है जब शिक्षा अधिकार कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाये जो महज आंकड़ों के मकड़जाल से आगे बढ़ते हुये शिक्षा अधिकार कानून के बुनियादी सिद्धांतों पर केन्द्रित हो.

आरटीई का सफर - उपलब्धि और चुनौतियां

आरटीई का सफर घुटनों पर चलने की तरह रहा है. एक दशक बाद शिक्षा अधिकार कानून की उपलब्धियां सीमित हैं, उलटे इससे सवाल ज्यादा खड़े हुये हैं. इस कानून को लागू करने के लिये जिम्मेदार केंद्र और राज्य सरकारें ही पिछले दस सालों के दौरान इससे अपना पीछा छुड़ाती हुयी ही दिखाई पड़ी हैं. चूंकि हमारे देश के राजनीति में शिक्षा कोई मुद्दा नहीं है इसलिये पिछले दस वर्षों के दौरान केंद्र और राज्य सरकारें आरटीई को लागू करने में उदासीन रही हैं. दस साल इस बात के गवाह रहे हैं कि किस तरह से भारत के स्कूली शिक्षा का अधोसंरचना, पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये सरकारों की उपेक्षा से जूझता रहा है.

उपलब्धियों की बात करें तो शिक्षा अधिकार कानून का सफर ह्लसभी के लिये स्कूलों में नामांकन का अधिकारह्न साबित हुआ है. इस दौरान की सबसे बड़ी उपलब्धि शालाओं में 6 से 14 वर्ष के बच्चों का लगभग सौ फीसदी नामांकन हैं, हम प्राथमिक स्कूलों की संख्या बढ़ाने में भी कामयाब रहे हैं. आज लगभग हर बसाहट या उसके करीब एक प्राथमिक स्कूल उपलब्ध है. इसके अलावा शालाओं के अधोसंरचना में भी सुधार हुआ है, आज ज्यादातर स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध है. हालांकि इनमें अभी भी पानी और साफ-सफाई की समस्या बनी हुयी है.

चुनौतियों की बात करें तो पिछले 12 वर्षों के दौरान आरटीई सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में विफल साबित हुयी है. प्राथमिक स्कूलों में नामांकन तो हो गये हैं लेकिन स्कूलों में बच्चों के टिके रहने की चुनौती अभी भी बरकरार है. इसी के साथ ही आज भी बड़े पैमाने पर सरकारी स्कूल बुनियादी ढांचागत सुविधाओं, जरूरी संसाधन, शिक्षा के लिये माहौल और शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं.

बड़े सवाल और चिंताएं

सार्वजनिक शिक्षा एक आधुनिक विचार है, जिसमें सभी बच्चों को, चाहे वे किसी भी लिंग, जाति, वर्ग, भाषा आदि के हों - शिक्षा उपलब्ध कराना शासन का कर्तव्य माना जाता है. गौरतलब है कि भारत एक ऐसा मुल्क है जहां सदियों तक शिक्षा पर कुछ खास समुदायों का एकाधिकार रहा है,यह सिलसिला औपनिवेशिक काल में टूटा, जब भारत में स्कूलों के माध्यम से सबके लिए शिक्षा का प्रबन्ध किया गया. अंग्रेजी हुकूमत द्वारा स्थापित स्कूल-कालेज सभी भारतीयों के लिए खुले थे. अंग्रेजों द्वारा स्पष्ट नीति अपनाई गई कि जाति और समुदाय के आधार पर किसी भी बच्चे को इन स्कूलों में प्रवेश से इंकार नहीं किया जाएगा. यह एक बड़ा बदलाव था जिसने सभी भारतीयों के लिए शिक्षा का दरवाजा खोल दिया. आजादी के बाद इस प्रक्रिया में और तेजी आई. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 में भारत के सभी नागरिकों को धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के किसी भेदभाव के बिना किसी भी शिक्षा संस्थान में भर्ती होने का अधिकार दिया गया है.

साल 2010 में शिक्षा अधिकार कानून के लागू होने के बाद पहली बार केंद्र और सरकारों की कानूनी जवाबदेही बनी कि वे 6 से 14 साल सभी बच्चों के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करें. लेकिन इसी के साथ ही इस कानून की सबसे बड़ी सीमा यह रही है कि इसने सार्वजनिक और निजी स्कूलों के अन्तर्विरोध से कोई छेड़-छाड़ नहीं की.आरटीई ने ना केवल शिक्षा के दोहरी व्यवस्था को बनाये रखा है बल्कि इसे मजबूत बनाने में भी मददगार साबित हुयी है. इसने सरकारी स्कूलों को 'मजबूरी की शाला' में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ा है.जो लोग सक्षम है उनकी दौड़ पहले से ही प्राइवेट स्कूलों की तरफ है. अब निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत कोटा लागू होने के बाद गरीब और वंचित समुदाय भी इस भगदड़ में शामिल हो गये हैं.

बहरहाल पिछले तीन दशकों के दौरान दुनिया बहुत तेजी से बदली भी है और इसी के साथ ही देश-दुनिया की शिक्षा प्रणाली बढ़ती जरूरतों और मांगों के अनुसार कई बदलावों से गुजरी है. दुर्भाग्य से भारत में एक बार फिर कुछ समुदाय और वर्ग ही इन बदलाओं का फायदा उठा पा रहे हैं, देश की एक बड़ी जनसंख्या जिसमें मुख्य रूप से गरीब, अल्पसंख्यक और परम्परागत रूप से हाशिये पर रखे गये समुदाय शामिल है, की यहां तक पहुंच नहीं हो सकती है. इस बदली हुई दुनिया में ज्ञान पर एकाधिकार की एक नयी व्यवस्था बनी है जिसमें पूँजी और बाजार की एक बड़ी भूमिका है. पिछले 12 वर्षों के दौरान शिक्षा का सार्वभौमिकरण तो हुआ है लेकिन इसका विभाजन भी बहुत गहरा हुआ है. इस नये विभाजन के दो छोर हैं जहां एक तरफ कुछ चुनिन्दा कुलीन और संभ्रांत प्राइवेट स्कूल, नवोदय/केन्द्रीय विद्यालय हैं तो दूसरी तरफ सरकारी और गली मुहल्लों में चलने वाले छोटे और मध्यमस्तर प्राइवेट स्कूल.

इलाज है इरादे की जरूरत है

इन तमाम चुनौतियों से उभरने के हमें दो स्तरों पर उपाय करने की जरूरी है, एक तो आरटीई के दायरे में रहते हुये जरूरी कदम तो उठाने ही होंगे साथ ही शिक्षा अधिकार कानूनों के सीमओं को तोड़कर भी आगे बढ़ना होगा. प्राथमिक शिक्षा में लगभग शत प्रतिशत नामांकन के करीब पहुँचने के बाद आरटीई को सभी बच्चों के लिये प्राथमिक शिक्षा के लिये अवसर का कानून की भूमिका से आगे बढ़ते हुये सभी बच्चों के के लिये गुणवत्ता पूर्ण और समान शिक्षा के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना होगा. अब नामांकित बच्चों के नियमितीकरण और उन्हें अधिक समय तक स्कूल में रोके रखने के लिये तत्काल ठोस उपाय किये जाने की जरूरत है. इसका सीधा सम्बन्ध शिक्षा के गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है जिसके लिये बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति के साथ एक बड़े नीतिगत फैसले और जरूरी बजट की जरूरत होगी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करना और सार्वजनिक शिक्षा पर सरकारी खर्चे को जीडीपी के छह प्रतिशत तक खर्च करने की बात की गयी है लेकिन इस नीति में खुदखुद शिक्षा अधिकार कानून की ही चर्चा नहीं है . वैसी भी 1968 में जारी की गयी पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति और दूसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में भी सार्वजनिक शिक्षा में जीडीपी के छह प्रतिशत तक खर्च का सुझाव दिया जा चूका है अब एक बार फिर इसे दोहराया गया है. लेकिन अब समय इसे दोहराने का नहीं बल्कि फैसला लेने का है. शिक्षा में गवर्नेस की मौजूदा प्रणाली पर भी पुनर्विचार करने की जरूरत है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा आयोग के गठन की बात की गयी है लेकिन इससे शिक्षा प्रशासन के केन्द्रीकरण का खतरा बढ़ जाने की सम्भावना है.शिक्षा के प्रशासन को हमें इस प्रकार से विकेन्द्रित करने की जरूरत है जिसके केंद्र में शिक्षक,समुदाय और बच्चे हो सकें.

शिक्षा अधिकार कानून के क्रियान्वयन की निगरानी के लिये जिम्मेदार एजेंसी राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग की भूमिका और स्पष्ट व मजबूत बनाने की जरूरत है. प्रभावी निगरानी के लिये व्यावहारिक रूप से यह जरूरी है कि कम से कम हर जिले में आयोग का अपना ढांचा हो जो आरटीई के शिकायत निवरण ढ़ांचे की तरह काम करे. यह काम राज्य बाल आयोगों के माध्यम से भी किया जा सकता है. इसी प्रकार से राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आता है जबकि शिक्षा का जिम्मा शिक्षा मंत्रालय के पास हैं यहां भी सामंजस्य बैठाने की जरूरत है.

स्कूलों की सामुदायिक निगरानी और सहयोग की तरफ ध्यान देने की जरूरत है, पिछले दस वर्षों के दौरान काफी स्कूलों में शाला प्रबंधन समितियों के गठन तो हो चुके हैं अब इनके सशक्तिकरण की जरूरत है. इसके लिये सिर्फ प्रशिक्षण ही काफी नहीं होगा बल्कि शाला प्रबंधन समितियों की भूमिका व जवाबदेहीता को और ठोस बनाने, इसके ढांचे के बारे में पुनर्विचार करने की भी जरूरत होगी.

लेकिन इन सबसे अधिक जरूरी स्कूली शिक्षा को लेकर नीति निमार्ताओं के नजरिये में बदलाव की है जो सबसे टेढ़ी खीर है. इसके लिए हमें कोठारी आयोग के शरण में जाना होगा.1964 में गठित कोठारी आयोग द्वारा समान स्कूल व्यवस्था की वकालत की गयी, आयोग का मानना था कि एक राष्ट्र के तौर पर हमें ऐसी राष्ट्रीय व्यवस्था लागू करनी चाहिए जिसके बिनाह पर समाज सभी वर्ग और समुदायों के बच्चे एक साथ समान शिक्षा हासिल कर सकें. आयोग ने ये भी माना था कि समान स्कूल व्यवस्था के सहारे ही दोहरी शिक्षा व्यवस्था को खत्म किया जा सकता है. अगर हम समान स्कूल व्यवस्था को अपनी मंजिल मानने को तैयार हों तो शिक्षा अधिकार कानून इस दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है.

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

साल 2010 में शिक्षा अधिकार कानून के लागू होने के बाद पहली बार केंद्र और सरकारों की कानूनी जवाबदेही बनी कि वे 6 से 14 साल सभी बच्चों के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करें. लेकिन इसी के साथ ही इस कानून की सबसे बड़ी सीमा यह रही है कि इसने सार्वजनिक और निजी स्कूलों के अन्तर्विरोध से कोई छेड़-छाड़ नहीं की.आरटीई ने ना केवल शिक्षा के दोहरी व्यवस्था को बनाये रखा है बल्कि इसे मजबूत बनाने में भी मददगार साबित हुयी है. इसने सरकारी स्कूलों को 'मजबूरी की शाला' में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ा है.जो लोग सक्षम है उनकी दौड़ पहले से ही प्राइवेट स्कूलों की तरफ है.

शब्द चित्रों का झरना है 'झरना'

मूल्यांकन

भगवान स्वरूप कटियार

वरिष्ठ उपन्यासकार , कथाकार एवं कवि रवीन्द्र वर्मा का नया कविता संग्रह परिकल्पना प्रकाशन लखनऊ से प्रकाशित होकर आया है । इस संग्रह की लगभग सभी कविताओं में रवीन्द्र वर्मा का उदार, विनम्र और विचार की उद्दात्तता एवं विराटता से भरा व्यक्तित्व परिलक्षित होता है। इस यांत्रिक दुनिया को इसकी अत्यंत जरूरत है। उनका लेखन विपुल है। उनके उपन्यासों, कहानी संग्रहों की एक लम्बी फेहरिस्त है। तीन कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं और चौथा प्रेस में है। इस उम्र में भी उनकी यह निरंतरता किसी के लिए भी खुशी भरी ईर्ष्या का विषय हो सकता है। 'झरना' शीर्षक से प्रकाशित संग्रह की शुरूआत ही रवीन्द्र जी देश की महान अदबी शख्सियत गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की गीतांजलि की पंक्तियों से करते हैं ; 'जब जुबान से पुराने शब्द विलुप्त होने लगते हैं तब हृदय से नये शब्दों की मधुर ध्वनियाँ स्वतः ही प्रस्फुटित होने लगती हैं। जैसे पतझड़ के बाद नयीं कोपलें फूटती हैं। जब पुरानी राहें गुम होने लगती हैं तब अचरज से भरे एक अद्भुत नये संसार के दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने लगती हैं।'

यह संग्रह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भूमिका लखनऊ के वरिष्ठ जाने माने प्रतिष्ठित कवि नरेश सक्सेना ने लिखी है। नरेश जी लिखते हैं, 'रवीन्द्र जी की भाषा इधर लिखी जा रही कविताओं से बिलकुल इतर है और उनकी संवेदनाएं सहज और सच्ची हैं।'

रवीन्द्र जी अपनी स्त्री कविता में स्त्री को जिस मार्मिक तरह से व्याख्यायित करते हैं वह गौरतलब है; 'पृथ्वी की हर तलाश पर भेद सी फैली / स्त्री / पृथ्वी का हर भेद खोलती है।' इसमें खुद भेद भी पृथ्वी के रूप में है और फिर स्त्री के रूप में वह पृथ्वी रूपी स्त्री का भेद भी खोलती है। स्त्री की गरिमा और उसके संवेदनात्मक वैभव का रवीन्द्र जी के लिए बड़ा महत्व है। 'दिल की जुबान' कविता में वह जिस तरह व्याख्यायित करते हैं, वह काफी सचेत और सतर्क करने वाला है; 'यहाँ तक तो ठीक था / कैसे अपने धरती पर उसने अपनी जगह बनाई / और उनका जीवन नारीवाद का एक मिसाल बन गया / हर पति -पत्नी के सम्बन्ध में / उन्हें गुलामी की बू आती है / वे हृदय की भाषा भूलती लगती हैं / एक सिद्धांत के जोश में।' सिद्धांत तभी तक आदर्श लगते हैं जब तक वे सकारात्मक रहते हैं क्योंकि सिद्धांत मनुष्य के लिए हैं मनुष्य सिद्धांत के लिए नहीं है।नारीवाद का अतिवाद जब पति झपत्नी में बा जरिये सिद्धांत विद्वेष की बू महसूस करने लगते हैं तब नारीवाद का सिद्धांत अपना अर्थ खोने लगता है।

उनकी 'प्रकाश स्तम्भ' कविता में एक कवि की मार्मिक बिडम्बना का वह बड़ी दृढ़ता से व्याख्या करते हैं क्योंकि वह उन्हें और सबके लिए तकलीफदेह है, 'हमारे दो प्रकाश स्तम्भ हैं / एक की मूक चीख / हम उसकी कविता में सुनते हैं / जब वह अपने सृजन के विनाश की दुआ मांगता है / क्योंकि पैसे के भ्रष्ट रास्ते से दूर / वह अपनी बेटी की देख रेख नहीं कर पाता।' अच्छा लेखक और आदर्श मनुष्य दोनों का एक साथ होना बड़ा मुश्किल सा होता है, इसलिए अधिकांश रचनाकारों के दो चेहरे और दोहरा चरित्र दिखसयी पड़ता है। रवीन्द्र जी इसके सख्त खिलाफ हैं। किसी का इंसानियत से भरा होना काफी है वह भले बड़ा लेखक या रचनाकार हो या न हो क्योंकि दुनिया का समग्र लेखन या रचना कर्म का उद्देश्य ही बेहतर संसार रचना है। उनकी कविताओं में उनकी उम्र की ढलान की उदासी का यथार्थ भी दिखता है जो एक दुखद यथार्थ है। ऐसे खयाल हर किसी को जीवन के ऐसे मोड़ पर आते ही हैं जैसे वह एक जगह लिखते हैं, 'जैसे शाम घिर रही हो / मैंने पेड़ की पत्तियों का उदास / झरना देखा है / यह भी कुछ पक्षी / मरने कहीं और जाते हैं / उड़ते हुए।' उनका उड़ते हुए मरने के लिए जाना मरने के प्रति एक उद्दात्त भावना का द्योतक है। मृत्यु भी जीवन की तरह एक उत्सव है।

इसी तरह वह अपनी एक कविता में लिखते हैं, 'आखिर मेरा पेड़ पौधों की तरह सांस लेते हुए जीना काफी क्यों नहीं है ?' क्योकि मनुष्य सिर्फ सांस लेते हुए जीने भर के लिए पैदा नहीं हुआ है। एक बेहतर दुनिया रचने के साथ साथ एक बेहतर जीवन भी जीने का उसका मकसद होता है। वैसे मकसद तो पेड़ पौधों का भी होता है पूर्ण परमार्थ का। रवीन्द्र जी पहले कथाकार और उपन्यासकार है, कवि बाद में, इसलिए उनकी कविता भाषा की कसौटी है क्योंकि गद्य को कविता की कसौटी माना जाता है। एक कविता में लगभग रवीन्द्र जी अपनी उम्र की ढलान के भाव व्यक्त करते हुए लिखते हैं, 'पूरी छुट्टी पर जाने की तैयारी है / जिसे मैं जीवन भर घर घर कहता रहा / वह दर असल अतिथ घर था / और मैं इस धरती का अतिथि था।' दि ग्रेट शो मैन राजकपूर ने अपनी फिल्म मेरा नाम जोकर में जीवन और उसके जीने की शैली को बखूबी दिग्दर्शित किया है। सच में यह जीवन एक रैन बसेरा ही है, इसलिए जीवन को जी भर कर जी लेना ही इसकी सार्थकता है। लोगों से प्यार करो और खुद से भी। अपनी जायज ख्वाहिशों को कभी दमित मत करो। यह सब लिखते हुए इन पलों में मुझे अपने दोस्त डा. जी एस चौहान साहब की नसीहत अक्सर याद आती है जो मुझे प्रोफेसर कटियार कह कर बुलाते थे । रिटायरमेंट के बाद वे सारी ख्वाहिशें पूरी कर लो नौकरी करते नहीं कर पाए। खूब घूमो, फिरो, लोगों से मिलो और जिसको जो देना चाहो दिल खोल कर दो पर ध्यान रहे ख्वाहिशें जायज हों। उनकी नसीहत को मैं बखूबी जी रहा हूँ। साथी अनिल सिन्हा के साथ तो हमने हर हफ्ते किसी दोस्त के घर जाने का बकायदे टाइम टेबुल बनाया था। अनिल सिन्हा जी ने ही मुझे एक दिन रवीन्द्र जी के घर लेजाकर उनसे परिचय करवाया था जबकि रवीन्द्र जी मेरी बेटी प्रतिभा से बजरिये पत्रकार वह एक इंटरव्यू के सिलसिले में पहले मिल चुके थे।

कुछ कविताओं में रवीन्द्र जी का भोलापन बहुत मोहक लगता है। अपनी 'अतिथि सत्कार' कविता में वह लिखते हैं, 'मजे की बात है मेरे खाने का स्वाद बढ़ गया है / यों तो दाल रोटी खाकर ही इस उम्र तक पहुंचा हूँ / पर इधर कुछ रोटी सब्जी का स्वाद और जुड़ गया है / जैसे मेवे खा रहा हूँ।' रवीन्द्र जी का यह कविता संग्रह कई तरह के आकर्षणों और आग्रहों से भरा है इसलिए पाठक उसे पढने के लिए बाध्य होता है। उन्होंने अपने समय और जीवन यथार्थ जो बेलाग ढंग से उल्लिखित किया है। वहां भाषा की सादगी और भोलेपन की मिठास है। उनका अगला संग्रह भी शीघ्र आने वाला है। इस जीवट भरे बूढ़े नौजवान कवि को मेरा सादर सलाम, नमन।

(लेखक कवि एवं चिंतक हैं)

किसी का इंसानियत से भरा होना काफी है वह भले बड़ा लेखक या रचनाकार हो या न हो क्योंकि दुनिया का समग्र लेखन या रचना कर्म का उद्देश्य ही बेहतर संसार रचना है। उनकी कविताओं में उनकी उम्र की ढलान की उदासी का यथार्थ भी दिखता है जो एक दुखद यथार्थ है। ऐसे खयाल हर किसी को जीवन के ऐसे मोड़ पर आते ही हैं जैसे वह एक जगह लिखते हैं, 'जैसे शाम घिर रही हो / मैंने पेड़ की पत्तियों का उदास / झरना देखा है / यह भी कुछ पक्षी / मरने कहीं और जाते हैं / उड़ते हुए।'

व्यंग्य

कवि भाई के नव वर्ष के संकल्प

अशोक गौतम

नए साल की आभासी शुभकामनाओं से मेरा मन भरा हो या न, पर मेल बॉक्स कमेटी वालों के डस्टबिन की तरह खचाखच भर गया है। शुभकामनाएं हैं कि मेल बॉक्स से बाहर निकल इधर उधर बिखर रही हैं मुहल्ले वालों के डस्टबिन में फेंके कचरे की तरह। ये आभासी शुभकामनाएं भी न! काश ! नए साल के इस अवसर पर कहीं से दो चार अपने आ जाते तो नया साल यादगार बन जाता।

इतनी शुभकामनाएं मिलने के बाद भी पता नहीं क्यों मन खाली खाली सा है। शुभकामनाओं से चौतरफा घिरे तब मैंने सोचा, क्यों न अपने पड़ोस के विस्थापित कवि को भी नए साल की शुभकामनाएं फेस टू फेस दे। आभासी में तो मैं आठ पहर चौबीस घंटे जीता ही रहता हूं। बेचारा नए साल के आरंभ में भी हा हू करने के बदले पता नहीं किस कविता से लड़. रहा होगा , भिड़ रहा होगा!

आमद आदमी और कवि में बस एक ही बेसिक फर्क होता है। आम आदमी रोटी से लड़ता भिड़ता है तो कवि कविता से। आम आदमी कपड़े से लड़ता भिड़ता है तो कवि कविता से। आम आदमी रोजगार से लड़ता भिड़ता है तो कवि कविता से। कवि के लिए रोटी कपड़ा मकान नहीं, कविता जरूरी होती है।

और मैं दबे पांव उसके कमरे में जा पहुंचा ताकि कविता से उसके लड़ने भिड़ने में खलल न पड़े। रोटी कपड़ा मकान से लड़ते भिड़ते आम आदमी तो बहुत देखा है, पर अब देख सकूं कि कविता से लड़ता भिड़ता हुआ कवि कैसा दिखता है?

कवि के कमरे में पहुंचा तो उस वक्त वह कविता से नहीं लड़ भिड़ रहा था। कविता उससे लड़ भिड़ रही थी। यह देख कर भी अच्छा लगा कि चलो , दोनों में से कोई खाली हाथ तो नहीं बैठा है।

वह मौन था। आंखें मूंदे।

नव वर्ष मंगल मय हो कवि! मैंने उसे नए साल की सच्ची की शुभकामनाएं देते कहा तो वह चौंका, कौन ? श्रोता? कवि ने मौन ही कहा तो मैंने कहा, नहीं! तुम्हारा पड़ोसी!

क्या मेरी कविता सुनने आए हो?

नहीं! तुम्हें नव वर्ष की शुभकनाएं देने आया हूं। भगवान करे तुम नव वर्ष में कविता नहाओ, कहानी फलो! कबीर से लेकर दिनकर तक सब पर मजे से हाथ साफ करो। कविता के नाम पर जितनी भी कर सको, उससे बीस कदम आगे की बकवास करो! कोई तुम्हारी काव्यात्मक चोरी अबके भी न पकड़ पाए। जिन जिन का तुम चोरी किया है, वे अबके भी मर जाएं पुलिस थाने में तुम्हारे अगेंस्ट एफआईआर लिखवाते लिखवाते, पर पुलिस वाले तुम्हारा बाल भी बांका न करें। तो नए साल में क्या रचनात्मक संकल्प लिए हैं तुमने?

पहले तुम अपने संकल्पों की बात करो, कवि ने मौन ही कहा तो मैंने सीना तान कर बोलना शुरू किया, नए साल में मैंने संकल्प लिया है कि इस साल मैं जिस जिससे उधार लूंगा, लाख मांगने के बाद भी नहीं लौटाऊंगा। वे चाहे कितना ही जोर लगाएं, मुझे कितना ही बेइज्जत करें। इस साल मैं बेइज्जती में इज्जत के साक्षात दर्शन करूंगा। इस साल मैंने संकल्प लिया है कि मैं इस साल सबसे मन में कटार छुपाए प्यार से पेश आऊंगा। हाथी दंतिया दोस्तों से अबके सावधान रहूंगा। तो अब तुम बताओ! नए साल में तुम्हारे क्या रचनात्मक संकल्प रहेंगे, मैंने पूछा तो कवि सगर्व बोला,ह्यअबके नए साल में मैं अपनी रचनाएं छपवाने को संपादकों के पीछे कतई नहीं दौड़ूंगा। केवल पुरस्कार के पीछे दौड़ूंगा। बहुत लिख लिया संपादकों के लिए। संपादकों को लिखने के चक्कर में पुरस्कार के लिए तो कभी लिख ही नहीं पाया। नए साल में मैंने संकल्प लिया है कि मैं भी मूर्धन्य रचनाकारों की तरह एक रचना दस दस जगह छपने भेजूंगा ताकि दो चार से तो पारिश्रमिक मिल गुजारा चल सके। नए साल में मैंने संकल्प लिया है कि इस साल में कविता से संबंध मधुर बनाने के बदले पुरस्कार देने वालों से संबंध मधुर करूंगा। अब मुझे पता चल गया है कि योग्यताओं के बूते नहीं, संबंधों के बूते यहां लंगड़े भी आसमान से चांद तोड़कर लाने की ताकत रखते हैं। इस साल मैंने संकल्प लिया है कि इस साल मैं किसी भी कवि पर हाथ साफ नहीं करूंगा। हर मनपसंद दिवंगत कवि को अपनी कोठरी से मुक्त कर दूंगा। इस साल मैंने संकल्प लिया है किइस साल मैं कविता के लिए नहीं केवल और केवल पुरस्कार के लिए ही जिऊंगा। पुरस्कार ही ओढूंगा, पुरस्कार ही खाऊंगा, पुरस्कार ही पिऊंगा, कवि ने मुस्कुराते कहा और फिर सम्मानित होने के कार्यक्रम हेतु संभावित रिहर्सल करने में मग्न हो गया।

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

खुले आसमान के नीचे बेसहारा गोवंशों ने बनाया अपना ठिकाना

किसानों की फसलों को चट कर रहे हैं आवारा मवेशी

खुले आसमान के नीचे मवेशी

जनसंदेश न्यूज

हलिया। विकास खंड के महोगढ़ी गांव स्थित गौ आश्रय स्थल से चंद कदम की दूरी पर स्थित दर्जनों बेसहारा गोवंश खुले आसमान के नीचे कड़ाके की ठंड में हफ्तों से अपना ठिकाना बनाकर रह रहे हैं। शासन के निर्देश के बावजूद जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते बेसहारा गोवंश ठंड के मौसम में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं जबकि जिस स्थान पर गोवंशों ने अपना ठिकाना बनाया है वहां से महोगढ़ी गौशाला चंद कदम की दूरी पर स्थित है जहां इन गोवंशो को गौशाला में रखकर ठंड से इनका बचाव व समुचित देखभाल की जा सकती है। लेकिन क्षेत्र के हर गांवों में सैकड़ों की संख्या में बेसहारा पशु घूमते हुए देखे जा सकते हैं जो किसानों की बोई गई फसलों को चरकर नष्ट कर रहे हैं।

यदि इन गोवंशो को पशु आश्रय स्थल में भिजवाकर इनकी कारगर व्यवस्था कर दी जाए तो किसानों की फसलों की सुरक्षा एवं गोवंशो की भी देखभाल हो सकती है।

लेकिन इसी तरह से राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज बाजार में दिन ढलते ही सैकड़ों गोवंशों का जमावड़ा लग जाता है घूम रहे बेसहारा गोवंश आए दिन वाहनों की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल होकर मौत के मुंह में समा जाते हैं। क्षेत्र के जय कृष्ण सिंह, महेंद्र दुबे, गुलाब मिश्र, अमित सिंह आदि किसानों ने बताया कि केसीसी कार्ड के द्वारा बैंकों से ऋण लिया गया है और पशुओं द्वारा नष्ट कर दिया जा रहा है कैसे इनकी भरपाई किया जाएगा। इस संबंध में बीडीओ कुलदीप कुमार ने बताया कि क्षेत्र के पशुपालकों द्वारा ही इन गोवंशो को छोड़ दिया गया है फिलहाल अभी इनके इंतजाम के लिए कोई ठोस इंतजाम नही है। क्षेत्र के नैड़ी कठारी में बनाए जा रहे अस्थायी पशु आश्रय स्थल पर बेसहारा पशुओं को रखा जाएगा।

कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त व्यस्त

खोजे नहीं मिल रहा है अलाव, परेशान है राहगीर

हलिया। क्षेत्र में नव वर्ष के साथ कड़ाके की ठंड पड़ने से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बेजुबान जंगली जानवरों मवेशियों को ठंड का असर सता रहा है इसके लिये सरकारी महकमा अभी तक चट्टी चौराहे पर अलाव नहीं जलवा पाया है। कोहरे व ठंड से लोगों की परेशानी बढ़ गई। फूल की फसल सरसों चना की फसल को भी भारी छति होने का किसानों को अंदेशा सता रहा है। ठंड से बचाव के लिए अब तक प्रशासनिक व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। अभी तक क्षेत्र में कहीं भी सरकारी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई। कोहरे के साथ ठंड हवा चलने से आने जाने वाले राहगीरों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से कड़ाके की शीतलहर को देखते हुए क्षेत्र के चट्टी चौराहे पर अलाव जलाने की मांग किया है। मांग करने वालो में आजाद, लल्लन ओझा, राम जी, पंकज मोदनवाल, इंदल मौर्य, लालजी मौर्य, श्याम नारायण मौर्य, अनुज सिंह, सत्यनारायण तिवारी, श्याम नारायण तिवारी आदि लोगों ने वाहन स्टैंड सहित चट्टी चौराहों पर अलाव जलवाने की अपील किया है।

चोरी की बाइक के साथ अन्तर्जनपदीय वाहन चोर गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना को0कटरा पर 02 जनवरी को वादी महेश कुमार सिंह पुत्र स्व0प्रेम बहादुर सिंह निवासी गंगा दर्शन कॉलोनी थाना को0कटरा मीरजापुर द्वारा लिखित तहरीर बावत घर के बाहर खड़ी अपाचे मोटरसाइकिल चोरी हो जाने के सम्बन्ध में दी गई। जिसके आधार पर थाना को0कटरा पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। जहां एसपी के निर्देश क्रम में बुधवार को उ0नि0 अखिलेश कुमार मिश्रा मय पुलिस बल द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील होकर वाहन चेकिंग के दौरान अपाचे मोटरसाइकिल आरोपी हर्ष मिश्रा पुत्र विरेन्द मिश्रा निवासी जगरनाथपुर थाना गोपीगंज भदोही को गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से चोरी की एक अदद अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गयी। गिरफ्तार आरोपी हर्ष मिश्रा द्वारा बताया गया कि वह अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर उक्त वाहन को चोरी किया था और वाहन का नम्बर प्लेट निकाल कर चला रहे थे। कार्रवाई रते हुए आरोपी को जेल भेजा गया।

यूरिया खाद लेने के लिए किसानों की लगी कतारें

इंतजार

नैनो यूरिया न लेने को किसानों ने ली इष्टमित्रों की सहायता

खाद के लिए कतार में लगे किसान

कछवां। क्षेत्र में स्थित सरकारी खाद डीपो के नाम से एक डाई और यूरिया खाद की दुकान है। जहां बुधवार को दुकान के अधिकृत खाद विक्रेता रामकुमार मौर्या द्वारा यूरिया खाद किसानों को बेचा जा रहा था।

खाद की किल्लत से परेशान किसान खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़े रहे। सभी को खाद मिले इसके लिए दुकानदार के कहने पर किसान खुद कतार बद्ध होकर लाईन में खड़े तो हुए लेकिन जब उन्हे पता चला कि तीन बोरी यूरिया खाद लेने पर उसके साथ एक बोरी नैनो युरिया भी लेना पड़ेगा। तो किसानों ने भी तू डाल-डाल तो मैं पात-पात की कहानी अपनाया जिसे तीन बोरी अधिक यूरिया की जरूरत थी किसानों ने उतने परिवार के सदस्य या इष्ट मित्रों को बुलाकर लाईन में खड़ा कर दिया। यहां तक की महिलाओं को भी कतार में लगवा कर एक एक बोरी युरिया लेना शुरू किया गया। जिससे भीड़ अत्यधिक बढ़ गई कि नियंत्रण से बाहर हो गयी। वहीं विक्रेता को खाद बांटना बंद करना पड़ा। इधर किसानों का कहना था कि किसी तरह से खाद मिल जाय नहीं तो फिर कब मिलेगा पता नहीं।

छात्रा के अपहरण की सूचना पर हलकान रही पुलिस

लालगंज। लालगंज दीपनगर मार्ग खजुरी गांव के सामने स्थित एक कालेज की छात्रा के अपहरण की सूचना मिलने के बाद प्रशासन पुलिस हड़कंप मच गया लेकिन जांच के बाद पाया गया कि मोबाइल छिनैती बदमाशों ने बाइक से की है। इसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। बताया गया कि हलिया निवासिनी युवती एमए की छात्रा लालगंज किसी कॉलेज से अपने घर काम से वापस लौटते समय वाहन की प्रतीक्षा में खड़ी थी। उसी समय अज्ञात ने बाइक से मोबाइल की छिनैती कर लिया। जिसके बाद हल्ला मचा की युवती का अपहरण कर लिया गया है। इस बात की सूचना परिजनों ने पुलिस और प्रशासन को दे दिया। पुलिस सजगता करते हुए मौके पर पहुंचकर सत्यापन और धरपकड़ के लिए प्रत्येक रोड की छानबीन की तो पाया कि मोबाइल की छिनैती की गई है और युवती मौके पर मौजूद है। थानाध्यक्ष ज्ञानू प्रिया छात्रा से बात करने के बाद उसे परिजन अपने साथ ले गए।

34 आवेदन पत्रों को प्रदान की गयी स्वीकृति

समीक्षा करतीं डीएम

बैठक

डीएम की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक में परीक्षणोपरान्त दी गयी स्वीकृति

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में जिला पंचायत में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजनान्तर्गत जिला टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य मंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के 33 व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड के 01 आवेदन पत्र स्वीकृत प्रदान की गयी तथा 05 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड के आवेदन पत्रों को जिलाधिकारी द्वारा पुनः सत्यापन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान माता पिता को खो देने वाले बच्चों के लिये प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना लागू की गयी। उन्होने कहा कि शासनादेश में उल्लिखित नियमों के तहत बाल सेवा योजना के तहत पूरी प्रक्रिया करते हुये प्राप्त आवेदन पत्रों का विधिवत सत्यापन कराने के उपरान्त ही समिति के समक्ष पत्रावली रखी जाय ताकि पात्र लोगो को योजना का लाभ पहुँचाया जा सकें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, जिला कार्यक्रम अधिकारी अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राशन की दुकान पर बनेगा आय, जाति व निवास प्रमाणपत्र

जनसंदेश न्यूज

सुविधा

सीएससी के साथ जुड़ेगी राशन की दुकान : एडीएम वित्त

मीरजापुर। जिले में सरकारी राशन की दुकान पर जन सुविधा केंद्र की सारी सुविधाएं मिलेगी, जहां पर अब ग्रामीणों को खतौनी, आय, जाति निवास प्रमाण पत्र भी बनवा सकेंगे। शासन के द्वारा ग्रामीणों को सहूलियत देने के लिए लगातार कवायद किया जा रहा है। शासन के द्वारा अब सरकारी राशन की दुकानों को हाईटेक किया जा रहा है जहां पर अब सरकारी राशन की दुकानों को कॉमन सर्विस सेंटर के साथ जोड़ा जा रहा है।

जिले में 1033 सरकारी राशन की दुकान है। जहां पर अभी तक महिला 540 राशन की दुकान के द्वारा सीएसपी के लिए आवेदन किया गया है जहां पर 75 लोगों का सीएचसी का आवेदन स्वीकार कर लिया गया है।

सीएचसी खोलने के लिए कोटेदारों को बाकायदा प्रशिक्षित दिया जाएगा, जिसके बाद कोटेदार सीएससी संचालन का कार्य शुरू कर सकेंगे। इसके साथ ही कोटेदारों के आय में भी काफी इजाफा होगा। जिले में 4 लाख 54 हजार 321 कार्ड धारक है, जहां पर वो सीधे इस योजना से लाभान्वित होंगे।

जिले में शहरी क्षेत्र में 115 व ग्रामीण क्षेत्र में 918 राशन की दुकान है। एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने बताया कि सरकारी राशन की दुकान को सीएससी के साथ जोड़ा जा रहा है, जिसके बाद सभी को अब उन सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा जिसके लिए उन्हें सहज जन सेवा केंद्र पर जाना पड़ता था। कोटेदार लगातार आवेदन कर रहे हैं, जहां प्रशिक्षण के बाद सभी अपना काम शुरू कर सकेंगे।

सड़क सुरक्षा माह मनाये जाने की तैयारियों के संबंध में मंडलायुक्त ने की समीक्षा

बैठक

दुर्घटनाओं में कमी लाना सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य : मण्डलायुक्त

बैठक में मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते आयुक्त

मीरजापुर। आगामी 05 जनवरी 2023 से 04 फरवरी 2023 तक शासन के निर्देश के क्रम में मनाये जाने वाले सड़क सुरक्षा माह को सफल बनाने के दृष्टिगत विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे तैयारियों के सम्बन्ध में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल डॉ मुथुकुमार स्वामी बी0 द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत समीक्षा की गयी। उन्होने कहा कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु परिवहन विभाग को शासन द्वारा नोडल अधिकारी बनाया गया है, वे पुलिस विभाग, यातायात विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण एवं सड़क निर्माण एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु आपस में समन्वय स्थापित करते हुये संयुक्त रूप से कार्य करें। उन्होने कहा कि सड़क सुरक्षा माह अभियान के अन्तर्गत प्रवर्तन की कार्यवाही एवं जन जागरूकता कार्यक्रम वृहद स्तर पर कराया जाय। मण्डलायुक्त ने कहा कि पूर्व में चयनित ब्लैक स्पाट के अलावा सर्वाधिक दुर्घटनाओं वाले राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग सहित अन्य मार्गो पर पुनः सर्वे कर ब्लैक स्पाट का चिन्हाकन करते हुये सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होने कहा कि प्रमुख मार्गो पर अन्धा मोड़, बाजार, स्कूल, अस्पताल आदि स्थलों के कुछ दूर पहले संकेतक बोर्ड, टेबल टाप स्पीड ब्रेकर, रिफलेक्टिव टेप आदि लगाना सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त द्वारा संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य को निर्देशित करते हुये कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को तत्काल चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराये जाने के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी एम्बुलेंस को सक्रिय व क्रियाशील किया जाय तथा एम्बुलेंस में रहने वाले कार्मिको को प्रशिक्षण दिया जाय ताकि वे घायलों को सुविधा पूर्वक अस्पताल पहुँचा सकें। उन्होने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के तहत सम्बन्धित शामिल विभाग के द्वारा प्रत्येक दिन का कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाकर विभिन्न कार्यक्रम कराये जाय तथा उसका वृहद प्रचार प्रसार कराया जाय। बैठक में उप पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रम पर सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा विशेष ध्यान दिया जाय तथा ओवर स्पीड को रोकने के लिये फोर लेन पर हाई फ्रीक्वेंसी कैमरा का उपयोग किया जाय। बैठक में अपर आयुक्त रमेश चन्द्र, संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र मिश्र, के अलावा अन्य सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने पहलवानों का हाथ मिलाकर शुरू कराई कुश्ती

अखाड़े में करतब दिखाते पहलवान

जनसंदेश न्यूज

आयोजन

वैशाली ने हरियाणा की सपना मिश्रा को किया पराजित

लालगंज। स्वर्गीय हफीज उर्फ मक्कड़ पहलवान की स्मृति में बिराट कुश्ती दंगल का बसही कला में बुधवार को आयोजन किया गया। जिसमें देश के कोने-कोने से आए पहलवानों ने अपने दांवपेच को दिखाते हुए हार जीत का आनंद लिया।

वही विराट कुश्ती दंगल में 11 सौ रुपए से लेकर 51000 तक की कुस्ती कराया गया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आईएस/उप जिलाधिकारी नवनीत सेहरा फीता काटकर पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती का शुभारंभ किया। कुश्ती में वैशाली दिल्ली की सपना मिश्रा हरियाणा के मध्य हुई। जिसमें वैशाली ने हरियाणा की सपना मिश्रा को पराजित की।

दूसरी कुश्ती जम्मू कश्मीर के रिजवान व राजस्थान मुन्ना के बीच जमकर दांव-पेंच दिखाया गया और रिजवान विजेता बने। आयोजक मंडल ने प्रथम द्वितीय तृतीय और सांत्वना पुरस्कार से पहलवानों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के आयोजक मंडल में ग्राम प्रधान रहीस अहमद खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख जय कुमार सिंह, हुबलाल दुबे, जगत शास्त्री सोहन गुप्ता, विजय गुप्ता, राजेंद्र यादव, गणेश यादव, थानाध्यक्ष ज्ञानू प्रिया भारी पुलिस फोर्स को लेकर ग्रामीणों की शांति व्यवस्था बनाए रखने में जुटी रही। कार्यक्रम का संचालन अरविंद यादव व जय प्रकाश उपाध्याय ने किया।

मेधावी विद्यार्थियों का पूर्व प्रमुख ने किया उत्साहवर्धन

छात्राओं को सम्मानित करते पर्वू प्रमुख

कछवां। विकासखंड मझवां क्षेत्र में स्थित उमेदा देवी इंटरमीडिएट कॉलेज चकनंदा, कछवां में बोर्ड परीक्षा मे उच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र व छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व ब्लाक प्रमुख मझवां अखिलेश सिंह उर्फ लाखन सिंह ने छात्र छात्राओं को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष कछवां मनोज पांडे व पूर्व जिला पंचायत सदस्य नागेंद्र बहादुर सिंह मौजूद रहे। समारोह की शुरूआत छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ किया। और छात्र छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत, नृत्य एवं नाटक का बहुत ही जोरदार तरीके से प्रस्तुति भी की गई। प्रबंधक श्रीराम अचल सिंह द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्रम भेट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य तारकेश्वर सिंह, अध्यापक सुशील सिंह, दीनानाथ पाठक समेत समस्त अध्यापकों के साथ समाजसेवी भवानी सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के उपप्रधानाचार्य अश्वनी सिंह द्वारा किया गया।

पांच दिवसीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते एसडीएम

चुनार। नागरपुर स्थित डॉ सविता मेमोरियल ग्लोबल एकेडमी स्कूल में मंगलवार से पांच दिवसीय सीबीएसई राष्ट्रीय बालीवाल चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीबीएसई बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ललित कुमार कपिल विशिष्ट अतिथि विधायक अनुराग सिंह व अन्य अतिथियों ने फीता काटकर एवं स्पोर्ट्स ध्वज फहराकर किया। तत्पश्चात खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। इस दौरान स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत गीत, नृत्य, नाटक आदि की प्रस्तुति की गयी। जिसकी भूरि भूरि प्रशंसा अतिथियों एवं अभिभावकों ने किया। खेल का शुभारंभ एसडीएम चुनार नीरज प्रसाद पटेल ने नेट पर लटके हुए बालीवाल के फीता को काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहले दिन कुल चार मैंच खेले गये। इस दौरान स्कूल के ऑनर तेजबली सिंह, प्रिंसिपल वेद प्रकाश सिंह, मैनेजर ओमप्रकाश सिंह, माया सिंह नीतू सिंह, प्रियंका गुप्ता, स्नेहा, अखिलेश सिंह, दिनेश सिंह, ऋतु सिंह, प्रदीप सिंह, रहे।

संक्षेप

प्रधान ने खुद के पैसे से जलवाया अलाव

जिगना। विकासखंड छानबे ग्राम पंचायत विजयपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गुलाम रसूल द्वारा अपने ग्राम पंचायत में अपने निजी खर्च से अपने घर से 100 कुंतल लकड़ी की व्यवस्था कर ग्रामीणों को ठंड से बचाने के लिए अलाव की व्यवस्था कराया। ठंड के मौसम में नेक भरा कार्य है। उन्होंने ठेला गाड़ी से सुबह जहां-जहां भी अलाव जलाने की आवश्यकता होती है वहां वहां पहुंचवा कर अलाव जलवा दिया जाता है। सुबह ही प्रधान प्रतिनिधि द्वारा ग्राम पंचायत में घूम कर जहां भी अलाव जलवाने की आवश्यकता रहती है वहां पर व्यवस्था कर दी जाती है। जैसे मुसहर बस्ती विजयपुर बाजार राजा साहब की कोठी प्रधान जी के घर के बगल चौराहे पर जैसे 25 जगहों पर यह अलाव जलाने का नेक कार्य किया जा रहा है। इस नेक कार्य में पूर्व ग्राम प्रधान नंद लाल उर्फ मेंटल, शाहाबाज सद्दाम हुसैन वसीम, यासीन खान आदि लोग मौजूद रहे।

पंचायत भवन का टूटा गेट, मरम्मत के अभाव में जर्जर

कलवारी। विकास पटेहरा के ग्राम सभा कलवारी खुर्द स्थित पंचायत भवन का मुख्य गेट वर्षों से टूटा है, इस टूटे हुए गेट का मरम्मत न होने से परिसर में अराजक तत्वों का आना जाना लगा है जिससे पंचायत भवन में रखें कंप्यूटर इत्यादि के चोरी होने का डर बना है। पंचायत भवन पर सचिव पुष्पराज सिंह आते ही नहीं हैं। जिससे ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर की नकल व मृतक प्रमाण पत्र के लिए ब्लॉक का चक्कर लगाना पड़ता है। जबकि हर पंचायत भवन पर सचिव की भी तैनाती की गयी है। कागजों पर ही उपस्थिति दिखाकर इतिश्री कर लेते हैं। सचिव ग्राम पंचायत में बने सुलभ शौचालय के पानी की टंकी टूटी है जिसे नहीं बदला जा रहा है। टंकी टूटने की सूचना ग्राम प्रधान के द्वारा सचिव को अवगत कराया गया है लेकिन सचिव के तानाशाही के चलते सुलभ शौचालय टंकी विहीन है। जिससे शौचालय का उपयोग नहीं हो पा रहा। इस दौरान ग्रामीण पंकज, कमलेश, सुरेश, कल्लू, रविशंकर ने जल्द से जल्द शौचालय की टंकी लगवाने की मांग की है। इस संबंध में ग्राम प्रधान उमेश केशरी ने बताया कि पंचायत भवन का टूटा गेट बजट के अभाव में नहीं बन पा रहा है, बजट आने पर पंचायत भवन के गेट को बनवाया जाएगा। सुलभ शौचालय की टंकी टूटी है इसकी जानकारी सचिव पुष्पराज सिंह को दी गयी है। बजट आने पर टंकी को भी लगवाया जाएगा।

हलिया वनसेंचुरी क्षेत्र में नहीं रुक रहा अवैध खनन

हलिया। हलिया वनसेंचुरी क्षेत्र के हलिया प्रथम बीट के खरिहट खुर्द व केड़वर व देवघटा पांडेय वनक्षेत्र में वनविभाग द्वारा जोड़ी गई करीब चार किलोमीटर तक पत्थर चहारदीवारी के पत्थरों के गायब होने तथा अवैध रूप से पत्थर खनन कर गिट्टी तोड़े जाने का मंगलवार को किसी ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। एक पखवारे पूर्व वनसेंचुरी क्षेत्र के भुअरी वनक्षेत्र में वनविभाग द्वारा पौधों की सुरक्षा के लिए जोड़ी गई चहारदीवारी के पत्थरों को निकालकर बड़े पैमाने पर गिट्टियों के तोड़े जाने का किसी ने वीडियो वायरल कर दिया था। वनसेंचुरी क्षेत्र में चहारदीवारी के पत्थरों को निकालकर बड़े पैमाने पर तोड़ी गई गिट्टियों के ढेर को वनविभाग ने कब्जे में लेकर पड़री वनचौकी परिसर में रखवाकर सीज की कार्रवाई कर गिट्टी तुड़वाने में शामिल लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई थी। हलिया वनसेंचुरी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वनों को नष्ट कर सरसों की खेती किए जाने का वीडियो भी वायरल हो चुका है लेकिन वनविभाग अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। वनकर्मियों की लापरवाही के चलते वनसेंचुरी क्षेत्र में अवैध खननकर्ताओं द्वारा पत्थर खनन कर गिट्टियों का तुड़ान किया जा रहा है जिससे पर्यावरण को भारी क्षति पहुंच रही है और वनसेंचुरी क्षेत्र में विचरण करने वाले वन्यजीवों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। खननकर्ताओं तथा अतिक्रमणकारियों द्वारा बिना वनविभाग के सांठगांठ के संभव नही है। इस संबंध में डीएफओ कैमूर वन्यजीव प्रभाग अरविन्द यादव ने बताया कि हलिया वनसेंचुरी क्षेत्र में अवैध खनन तथा चहारदीवारी के जोड़े गए पत्थरों के गायब होने के मामले की जांच की जाएगी। वन तथा वनसंपदा के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य परीक्षण व दवा वितरण शिविर का हुआ आयोजन

अदलहाट। अदलहाट बाजार स्थित आदर्श इंटर कालेज के प्रांगण में बुद्धवार को निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र से आए 700 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, सलाह एवं निशुल्क दवा वितरित किया गया। शिविर में एलिट मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल टेंगरा मोड़ वाराणसी के मेडिसिन विभाग, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग सहित ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, हिमोग्लोविन रोगियों के वरिष्ठ चिकित्कों डॉ. डी.के गुप्ता, डॉ. बबिता गुप्ता, डॉ.ओपी सिंह, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. अभिषेक, नाहिद, विशाल आशीष संजीव ने इलाज किया। मेगा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. शशि शेखर भट्ट एवं डॉ. डीके द्वारा संयुक्त रुप से फीता काटकर किया गया।

तीन पर हुई गैंगस्टर की कार्रवाई

मीरजापुर। अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को प्रभारी निरीक्षक थाना अहरौरा कुमुद शेखर सिंह द्वारा कार्यवाही करते हुए वाहन चोरी करने वाले एक संगठित गैंग के 03 शातिर अपराधियों पर गैंगेस्टर की कार्यवाही की गयी। गैंग लीडर हरिशंकर मिश्रा उर्फ बब्बन पुत्र स्व0 आद्या प्रसाद मिश्रा निवासी पुरा दुरवासा थाना अदलहाट मीरजापुर एक शातिर किस्म का पेशेवर अपराधी है तथा गैंग के सदस्य राजाबाबू पुत्र भोला निवासी सुरहा थाना अदलहाट मीरजापुर, संदीप पटेल उर्फ दीपक पुत्र स्व0 पृथ्वीसिंह पटेल निवासी ओड़ी थाना जमालपुर मीरजापुर का एक सुसंगठित गैंग है जोकि वाहन चोरी करने का अपराध करते है, के विरूद्ध जिलाधिकारी मीरजापुर के अनुमोदन के आधार पर थाना अहरौरा पर धारा 3 (1) उ0प्र0गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम 1986 पंजीकृत कर कार्यवाही की जा रही है।

स्टेशन पर भिड़ीं दो महिलाएं, वीडियो हो रहा है वायरल

मीरजापुर। बुधवार की देर शांम रेलवे स्टेशन पर दो महिलाएं आपस में भिड़ गई जब दोनों महिलाओं में जंग छिड़ी तो स्टेशन पर खड़े अन्य यात्री भी मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव करने लगे। इसी बीच कई महिलाएं मिलकर एक महिलाओं एक महिला की पिटाई करना शुरू कर दिया। यह मामला देख स्टेशन पर खड़े लोग दंग रह गए और मौके पर पहुंचे। वही महिलाओं की जंग में उनके साथ पुरुषों ने भी मैदान संभाला और देखते ही देखते आपसी जंग शुरू हो गई। इसी बीच किसी यात्री ने जीआरपी पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों महिलाओं को लाकर थाने में पूछताछ कर रही है। जब दोनों महिलाएं आपस में भीड़ रही थी तो इस दौरान स्टेशन पर गहमागहमी का माहौल भी व्याप्त हो गया। समाचार लिखे जाने तक जीआरपी पुलिस दोनों महिलाओं के बीच पंचायत कर रही थी। इस संबंध में थानाध्यक्ष जीआरपी संतोष कुमार सिंह का कहना था कि किराये के पैसे के लेन देन में मारपीट हुई थी। जिसकी जांच पड़ताल चल रही है।

किसान स्टेडियम में क्रिकेट प्रतियोगिता का किया जा रहा आयोजन

राजगढ़। विकासखंड क्षेत्र के नदिहार ग्राम पंचायत अन्तर्गत किसान इण्टर कालेज के किसान स्टेडियम में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कैनवस बाल से टूनार्मेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि युवा नेता धर्मेंद्र सिंह पटेल जिला सचिव अपना दल एस रहे। उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया, और उन्हें आपसी प्रेम एवं सद्भावना के साथ अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की बात कही। इसके पश्चात बहेरा और ददरा के बीच टॉस हुआ जिसमें बहेरा ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 8 ओवरों में बहेरा ने 70 रन बनाए वही जवाब में उतरी ददरा की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 50 रन बनाकर ही ऑल आउट हो गई। इस मौके पर सुजीत पटेल, जगजीत सिंह, निहाल पटेल, जितेंद्र पटेल, विमलेश यादव, संदीप यादव, सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

शारजाह वारियर्स के साथ हस्ताक्षर करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बने मार्कस स्टोइनिस

शारजाह। अंतरराष्ट्रीय लीग ट्वेंटी 20 (आईएलटी20) की टीम शारजाह वारियर्स ने आक्रामक ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस से अनुबंध किया है। तैंतीस साल के स्टोइनिस टीम से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलिया के पहले खिलाड़ी हैं। स्टोइनिस के जुड़ने से छह टीम की लीग की अंतरराष्ट्रीय अपील बढ़ेगी जिसमें यूएई के 24 क्रिकेटर भी होंगे। यह प्रतियोगिता अगले साल 13 जनवरी से 12 फरवरी तक खेली जाएगी। स्टोइनिस अभी बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेल रहे हैं और वे वारियर्स टीम में इंग्लैंड के उपकप्तान मोईन अली, क्रिस वोक्स, अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी और नामीबिया के जेजे स्मिट के साथ जुड़ेंगे।

पांड्या का बड़ा बयान, मैच हारने में समस्या नहीं, मुश्किल हालात को महसूस करना महत्वपूर्ण

पांड्या ने अपनी फिटनेस को लेकर भी आशंकाओं को दूर करते हुए कहा, श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जकड़न के कारण उन्हें थोड़ी देर के लिए मैदान छोड़ना पड़ा

मुंबई। भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा है कि अगर उनकी टीम कुछ मैच हार जाती है तो वह अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होंगे और सबसे महत्वपूर्ण चीज कठिन परिस्थितियों का सामना करना है जिससे टीम को बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी। पांड्या ने अपनी फिटनेस को लेकर भी आशंकाओं को दूर करते हुए कहा कि श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जकड़न के कारण उन्हें थोड़ी देर के लिए मैदान छोड़ना पड़ा क्योंकि पिछली रात उन्हें अच्छी तरह नींद नहीं आई और उन्होंने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया। दीपक हुड्डा (नाबाद 41) और अक्षर पटेल (नाबाद 31) ने छठे विकेट के लिए 68 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तक पहुंचाया। ये दोनों उस समय क्रीज पर उतरे जब भारत 94 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में था। भारत ने श्रीलंका को दो रन से हराया। पांड्या ने मैच के बाद कहा, हम कुछ मैच हार जाते हैं तो इसमें कोई समस्या नहीं है। मैं इस टीम को कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार करना चाहता हूं क्योंकि इससे हमें बड़े मुकाबलों में मदद मिलेगी। द्विपक्षीय मुकाबलों में हम बहुत अच्छे हैं और इस तरह हम खुद को चुनौती देने जा रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो आज सभी युवा खिलाड़ियों ने हमें मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। कैच लेने के बाद पंड्या को थोड़ी देर के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा और कप्तान ने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें लोगों को डराना अच्छा लगता है। पांड्या ने कहा, ह्यह्यह सिर्फ ऐंठन है। अब मुझमें लोगों को डराने की प्रवृत्ति है। मैंने अच्छी नींद नहीं ली और पर्याप्त पानी भी नहीं पिया इसलिए ऐंठन हो गई। मैं अस्वस्थ था और शरीर में तरल पदार्थ कम थे। शिवम मावी ने पदार्पण करते हुए प्रभावित किया। कप्तान ने इस तेज गेंदबाज की जमकर तारीफ की जिसने अपने पहले टी20 मैच में 22 रन देकर चार विकेट चटकाए। पंड्या ने कहा, बातचीत बहुत सरल थी, मैंने उसे (मावी) आईपीएल में अच्छी गेंदबाजी करते देखा है और मुझे पता है कि उसकी ताकत क्या है, बस अपना समर्थन करो और अपने खिलाफ शॉट लगने की चिंता मत करो। उन्होंने कहा, मैंने उसे बस गेंदबाजी करने के लिए कहा। मैंने उससे कहा, मैं तुम्हारा समर्थन कर रहा हूं। यहां तक कि अगर तुम्हारे खिलाफ बड़े शॉट भी लगते हैं तो भी कोई दिक्कत नहीं। अगर यही स्थिति रही तो मैं नई गेंद से गेंदबाजी करूंगा पांड्या ने कहा, जब से मैं आईपीएल में लौटा हूं तब से नेट में नई गेंद से गेंदबाजी कर रहा हूं। मैंने गेंद को स्विंग कराना सीखा है। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने कहा कि मेहमान टीम को मैच जीतना चाहिए था। शनाका ने कहा, यह हमारा मैच था। हमने जिस तरह मुकाबला समाप्त किया उससे बेहद निराश हैं। वानखेड़े में आपको जीत दर्ज करने के लिए बल्लेबाजों की आवश्यकता होती है। श्रीलंका के कप्तान ने कहा, मैंने मैचअप (निश्चित गेंदबाज बनाम बल्लेबाज का मुकाबला) का अच्छी तरह से उपयोग किया और यही कारण है कि हमने भारत को 162 रन पर रोक दिया।

यह अभी भी पहला मैच है और वे (बल्लेबाज) वास्तव में युवाओं का अच्छा समूह हैं, वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मावी ने कहा कि वह सीनियर भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए पिछले छह साल से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अंडर-19 वर्ग में खेलने के बाद छह साल से इंतजार कर रहा था। उन छह वर्षों में कड़ी मेहनत की-चोटिल भी हुआ। कुछ समय के लिए ऐसा लग रहा था कि मेरा सपना, सपना ही रहेगा। लेकिन मैं उस पर कायम रहा। मावी ने कहा, आईपीएल खेलने के बाद उतना नर्वस नहीं हूं। पावरप्ले में मेरा विचार आक्रमण करना और बल्लेबाजों को आउट करना था। पहला विकेट पसंदीदा था, बल्लेबाज को बोल्ड करना।

अचानक वृंदावन पहुंचे अनुष्का शर्मा-विराट कोहली

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा दुबई से नया साल मनाने के बाद भारत वापस लौट आए हैं। देश लौटते ही दोनों रिलीजियस टूर पर निकले हैं। हाल ही में दोनों को वृंदावन में स्पॉट किया गया। वृंदावन में दोनों नीम करोली बाबा के समाधि आश्रम पहुंचे। विराट- अनुष्का के मैनेजर ने बताया कि दोनों धार्मिक यात्रा पर हैं। विराट और अनुष्का ने इस दौरान मीडिया से दूरी बनाए रखी। जानकारी के मुताबिक आश्रम के अंदर करीब एक घंटे रहकर दोनों ने ध्यान लगाया। विराट और अनुष्का नीम करोली बाबा के बहुत बड़े भक्त हैं। पिछले साल भी दोनों उत्तराखंड के कैंची धाम में स्थित उनके आश्रम पहुंचे थे।

आश्रम में ध्यान लगाकर लिया आशीर्वाद

4 जनवरी की सुबह विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने वृंदावन के सुप्रसिद्ध नीम करोली बाबा के समाधि स्थल का दर्शन किया। इसके बाद दोनों मां आनंदमयी आश्रम रवाना हो गए। उनके इस कार्यक्रम को पूरी तरह से सीक्रेट रखा गया था।

लाबुशेन ने सिगरेट पीने का इशारा कर लाइटर मंगाया

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 147/2, लाबुशेन का 14वां अर्धशतक

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला बुधवार को सिडनी ग्राउंड पर शुरू हुआ। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 147 रन बना लिए हैं। स्टंप्स पर उस्मान ख्वाजा 54 रन पर नाबाद लौटे। स्टीव स्मिथ भी नाबाद हैं। जबकि मार्नस लाबुशेन 79 रन बनाकर आउट हुए।

डेविड वार्नर 10 रन ही बना सके। मुकाबले के पहले ही दिन एक अनोखा वाक्या देखने को मिला। तब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन बल्लेबाजी कर रहे थे और हेलमेट का एक कपड़ा बार-बार उनकी आंखों के सामने आ रहा था। ऐसे में लाबुशेन ने ड्रेसिंग रूम की ओर देखकर सिगरेट जलाने का इशारा दिया। इसे देखकर ऐसा लगा कि वे सिगरेट मांग रहे हैं। सभी चौक गए। कुछ देर पता चला कि

वे हेलमेंट के उस कपड़े को जलाने के लिए लाइटर मांग रहे थे। उन्होंने हेलमेट के कपड़े को जलाकर फिर से बल्लेबाजी की।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्नस लाबुशेन ने अपना 14वां अर्धशतक जमाया। उन्होंने 79 रन की पारी में 151 गेंदों का सामना किया। उनकी पारी में 13 बाउंड्री शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया को 12 रन के टीम स्कोर पर पहला झटका लगा। यहां डेविड वार्नर आउट हुए। वे महज 10 रन ही बना सके। वार्नर को नोर्त्या ने जानसन के हाथों कैच कराया। उसके बाद उस्मान ख्वाजा और लाबुशेन ने पारी को संभाला। साउथ अफ्रीका को 2 सफलताएं तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्या ने दिलाई। उन्होंने वार्नर के बाद लाबुशेन का विकेट लिया।

सांतोस के कब्रिस्तान में हुआ पेले का अंतिम संस्कार

सांतोस। ब्राजील ने मंगलवार को पेले को अंतिम विदाई दी जब इस पूर्व महान खिलाड़ी को उस शहर के कब्रिस्तान में दफनाया गया जिसे उन्होंने दुनिया भर में पहचान दिलाई। नव नियुक्त राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने विला बेल्मिरो स्टेडियम में पेले के अंतिम दर्शन किए। पेले अपने करियर में अधिकांश समय इसी स्टेडियम में खेले। पेले का पिछले सप्ताह 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया और उन्हें सांतोस शहर में दफनाया गया। यह दिग्गज 15 साल की उम्र में सांतोस एफसी की ओर से खेलने के लिए शहर में आया था और फिर यहीं वह प्रसिद्ध हुए। पेले के पार्थिव शरीर को विला बेल्मिरो स्टेडियम से काले ताबूत में अग्निशामक वाहन में रखकर कब्रिस्तान ले जाया गया। इस दौरान बैंड ने टीम का आधिकारिक गीत और एक रोमन कैथोलिक गीत बजाया। सुनहरी रंग के कपड़े से लिपटे ताबूत के आने से पहले उपस्थित लोगों ने सांबा गाने गाए जो पेले को पसंद थे। हालांकि ब्राजील के कुछ दिग्गज फुटबॉलर वहां नहीं पहुंचे जिससे लोगों में नाराजगी थी। स्टेडियम के समीप बेकरी चलाने वाले 67 साल के क्लॉडियोनर एल्वेस ने पूछा, रोनाल्डो नजारियो कहां है? काका कहां है, नेमार कहां है? उन्होंने कहा, क्या उन्हें लगता है कि उन्हें पेले की तरह याद किया जाएगा? ये लोग अपनी छुट्टियां नहीं रोकना चाहते थे, यही समस्या है।

सत्रह साल की जियोवाना सरमेंटो ने पेले के पार्थिव शरीर के दर्शन के लिए तीन घंटे इंतजार किया। वह अपने पिता के साथ आई थी जिन्होंने पेले के नाम की ब्राजील की टीर्शट पहन रखी थी। जियोवाना ने कहा, मैं सांतोस की प्रशंसक नहीं हूं और ना ही मेरे पिता। लेकिन इस आदमी ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम को नई पहचान दी। उन्होंने सांतोस को मजबूत बनाया, उन्होंने इसे बड़ा बनाया, आप उनका सम्मान कैसे नहीं कर सकते? वह अब तक के

सबसे महान लोगों में से एक हैं, हमें उनका सम्मान करने की जरूरत है। पेले 1960 और 1970 के दशक में शायद दुनिया के सबसे प्रसिद्ध खिलाड़ी थे। उन्होंने कई देशों के राष्ट्रपति और रानियों से मुलाकात की। नाइजीरिया में एक गृहयुद्ध को रोक दिया गया ताकि लोग उन्हें खेलते हुए देख सकें। ब्राजील के कई लोग देश को पहली बार विश्व मंच पर लाने का श्रेय पेले को देते हैं। स्टेडियम के एक गोल के पीछे पेले की 10 नंबर की जर्सी पंक्तियों में रखी गईं थी। स्टैंड का एक हिस्सा शोक मनाने वालों द्वारा रखे गए फूलों के गुलदस्ते से भर गया और इनमें से कुछ गुलदस्ते दुनिया भर के क्लबों और स्टार खिलाड़ियों ने भी भेजे थे जिसमें नेमार और रोनाल्डो भी शामिल हैं।

भीड़ में ज्यादातर स्थानीय लोग थे, हालांकि कुछ काफी दूर से आए थे। कई शोक मनाने वाले इतने छोटे थे कि उन्होंने पेले को खेलते हुए शायद ही कभी देखा हो।

फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेनटिनो ने पत्रकारों से कहा कि हर देश को एक स्टेडियम का नाम पेले के नाम पर रखना चाहिए। इंफेनटिनो ने कहा, मैं यहां बहुत अधिक भावनाओं, दुख के साथ आया हूं, लेकिन एक मुस्कान के साथ भी हूं क्योंकि उन्होंने हमें बहुत सारी मुस्कान दी हैं। फीफा की ओर से हम किंग को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और हम पूरी दुनिया से एक मिनट का मौन रखने के लिए कहते हैं। उनके दर्शन करने वालों में एक प्रशंसक और मित्र ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति गिलमार मेंडेस भी थे। मेंडेस ने पत्रकारों से कहा, यह बहुत दुखद क्षण है लेकिन अब हम इस महान खिलाड़ी का हमारे देश के लिए वास्तविक अर्थ देख रहे हैं।

कोहली, रोहित शर्मा निभाएंगे विश्व कप 2023 में अहम भूमिका : गंभीर

कोलकाता। पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा है कि अक्टूबर में शुरू होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 में विराट कोहली और रोहित शर्मा भारत के लिये अहम भूमिका निभायेंगे। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम रोड टू वर्ल्ड कप ग्लोरी पर एकदिवसीय विश्व कप में भारतीय टीम के चयन को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि बीसीसीआई को सबसे पहले ऐसे खिलाड़ियों को पहचानने की जरूरत है जो निडर रवैये के साथ खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट में हर तरह के खिलाड़ी की जरूरत होगी, ऐसे खिलाड़ियों की भी जो पिच पर टिककर खेल सकते हैं।

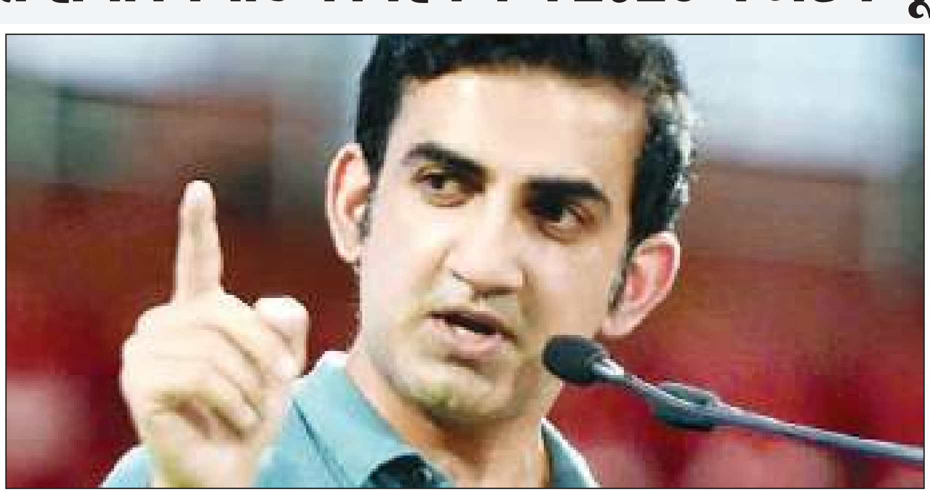

विश्व कप 2011 जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे गंभीर ने कहा, खिलाड़ियों की भूमिका बदलने से भी खेल पर प्रभाव पड़ा है। मुझे हमेशा लगता है कि जब हम इस नये रवैये के बारे में बात करते हैं, तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन भूमिकाओं या उस खाके को बहुत आसानी से अपना सकते हैं। कुछ लोग उस खाके के अनुकूल नहीं खेल सकते, इसलिये उन्हें एक निश्चित तरीके से खेलने के लिये धकेलने के बजाय सही खिलाड़ियों की पहचान करना और साथ ही टीम में सही मिश्रण हासिल करना बहुत जरूरी है।

गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और वे सभी खिलाड़ी जो विकेट पर टिक सकते हैं और स्पिन को वास्तव में अच्छी तरह से खेल सकता है, वह आने वाले विश्व कप में बड़ी भूमिका निभाएंगे। गंभीर ने यह भी कहा कि भारत को एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इस साल ज्यादा से ज्यादा वनडे क्रिकेट खेलना चाहिये। उन्होंने कहा, इस साल जरूर वनडे पर ध्यान देना चाहिये। तीन से ज्यादा प्रारूप खेलने वाले खिलाड़ी अगर ब्रेक लेना चाहें तो टी20 क्रिकेट से ब्रेक जरूर ले सकते हैं, लेकिन वनडे फॉर्मेट से तो बिल्कुल नहीं। उन्हें एक साथ खेलना है। मुझे लगता है कि पिछले दो विश्व कप में भारतीय क्रिकेट ने सबसे बड़ी गलती यह की है कि इन लोगों ने एक साथ पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेली है। मुझे बताओ कि हमने मैदान में कितनी बार सर्वश्रेष्ठ एकादश उतारी है? हमने ऐसा नहीं किया, केवल विश्व कप के दौरान हमने सर्वश्रेष्ठ एकादश रखने का फैसला किया, लेकिन दुर्भाग्य से वह कभी भी सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं रही। इसलिए इन खिलाड़ियों को पर्याप्त सीमित ओवर क्रिकेट खेलनी होगी, खासकर 50 ओवरों के विश्व कप के लिये, भले ही वे टी20 या फिर आईपीएल से ब्रेक लेना चाहते हों। ब्रेक टी20 प्रारूप में होना चाहिये न कि 50 ओवरों में। अगर फ्रेंचाइजी को नुकसान उठाना पड़ता है तो यह ही सही।

टीम इंडिया को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका, स्टार खिलाड़ी हुआ चोटिल

पुणे। संजू सैमसन का गुरुवार को पुणे में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मैच में खेलना संदिग्ध है। विकेटकीपर बल्लेबाज के घुटने में चोट लगी है और उसने भारतीय टीम के साथ पुणे नहीं गए हैं। वह स्कैन के लिए मुंबई में रुके हुए हैं। भारत ने मंगलवार को मुंबई में हुए सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था। अब पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। संजू सैमसन को यह चोट मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंकाई टीम पहले ओवर में डाइव लगाकर पकड़ने का प्रयास करने के कारण लगी है। हालांकि उन्होंने गेंद को पकड़ लिया लेकिन जमीन पर गिरने के बाद वह उनके हाथ से निकल गया। उन्होंने मैच में फील्डिंग जारी रखी। 13वें ओवर में भी उनके घुटने पर चोट लगी थी। उमरान मलिक की गेंद पर डीप पॉइंट पर गेंद रोकने के दौरान उनका घुटना जमीन पर फंस गया था।

बॉलीवुड न्यूज

'तेरी मेरी डोरियां' में दीपिका-रणवीर से इंस्पायर्ड जोड़ियां दिखेंगी

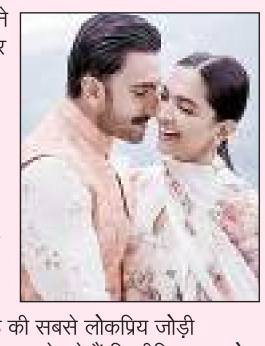

मुंबई। स्टारप्लस का 'तेरी मेरी डोरियां' अपने बिग टेलीविजन प्रीमियर के लिए तैयार है और दर्शक मोंगा सिस्टर्स और बराड़ ब्रदर्स के बीच की अपोजिट लेकिन एक्साइटिंग केमिस्ट्री देखने के लिए अपना उत्साह नहीं रोक पा रहे हैं। जितना फिल्मी यह शो अपने ग्रैंड विजुअल्स और शानदार सेटअप की वजह से लग रहा है, वहीं शो को बॉलीवुड फील भी दिया गया है जो कि शो की जोड़िया के बीच दिखाई गई केमिस्ट्री में नजर आएगा और शो की शोभा बढ़ाता दिखेगा। मोंगा सिस्टर्स-बराड़ ब्रदर्स की जोड़ी हमें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय जोड़ी दीपिका-रणवीर की याद दिलाती हैं। जैसा कि हम देखते हैं कि दीपिका पादुकोण बेहद शांत और शालीन हैं, वहीं रणवीर सिंह एनर्जी से भरपूर, उत्साही और क्रेजी हैं। ऐसे में जहां यह जोड़ी मेड इन हेवन है, वहीं स्टारप्लस ने हमें विश्वास दिलाया है कि 'तेरी मेरी डोरियां' की जोड़ियां भी कम नहीं हैं। अब तक, दर्शकों ने कई प्रोमो देखे हैं, और साहिबा की शांत आभा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध पृष्ठभूमि उन्हें दीपिका पादुकोण की याद दिलाती है, जबकि अंगद, जो एक रिच परिवार से हैं, जो रणवीर सिंह की याद दिलाते हैं। ये सीरीज पंजाब के बहुत ही खूबसूरत लोकेशन पर सेट है, एक ऐसी सेटिंग जो इसके साथ अद्वितीय रोमांस, उत्साह और ऊर्जा लाती है। तो स्टार प्लस पर तेरी मेरी डोरियां देखने के लिए हो जाइए तैयार जो हर दिन शाम 7 बजे टेलीकास्ट होगा।

क्रिस गेथिन ने ऋतिक रोशन को बताया मेहनती

मुंबई। विक्रम वेधा' के साथ 2022 के बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक देने के बाद, ऋतिक रोशन ने भारत की पहली एरियल एक्शन एंटरटेनर 'फाइटर' की शुरूआत कर दी हैं। ऋतिक एक ऐसे एक्टर के रूप में जाने जाते हैं जो अपने कैरेक्टर की त्वाचा में उतर जाते हैं और जरूरत के मुताबिक फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन तक करने से नहीं चूकते। ऐसे में फाइटर के लिए भी उन्होंने अपनी बॉडी पर खूब काम किया हैं। एक्टर को इंटरनेशनल सेलिब्रिटी ट्रेनर क्रिस गेथिन के मार्गदर्शन में फिल्म के लिए 12 हफ्ते के भीतर बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना पड़ा। बता दें, क्रिक दुनिया के नंबर 1 ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपर्ट में से एक हैं। हाल में उन्होंने अपने पॉडकास्ट पर ऋतिक रोशन को कड़ी मेहनत और अनुशासन के उदाहरण के रूप में पेश किया। अभिनेता के साथ अपने सफर के बारे में बात करते हुए क्रिस ने कहा कि ऋतिक के बारे में बहुत सारे लोग नहीं जानते कि वह वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे याद है 2013 में मैनें ऋतिक के साथ काम किया था, और उन्होंने 7 महीने तक एक दिन की छुट्टी नहीं ली। उन्होंने अपना दिन रात खूब काम किया, कभी-कभी घंटों का पता ही नही चलता कि कब सुबह 4 बजे शुरू हुआ और शाम को 7 बजे खत्म हो जाता। क्रिस ने ऋतिक के साथ अपना पिछला ट्रेनिंग अनुभव भी याद किया। लाखों लोगों को अपने शरीर को बदलने में मदद करने वाले क्रिस ने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि डाइट और फिटनेस के मामले में भी उनकी कमिटमेंट काबिल-ए-तारीफ हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर क्रिस गेथिन ने कहा था, "क्या आप बहाने बनाते हैं या कमिटमेंट करते हैं? खाने के मामले में ज्यादातर लोग फेल हो जाते हैं। ऋतिक रोशन और मुझे यहां कुछ दिन पहले एक बिल्डिंग साइट पर मीटिंग के दौरान खाना खाते हुए क्लिक किया गया है। उन्होंने मिटिंग या बिल्डिंग स्थल को नहीं छोड़ा, उन्होंने सिर्फ अपनी कोल्ड मील खाया क्योंकि यह खाने का समय था (वह प्रतिदिन 6 और एक प्रोटीन शेक खाते हैं) क्योंकि वह अपने गोल्स के प्रति कमिटेड है।

दस जनवरी को पठान का ट्रेलर होगा रिलीज

इंदौर। बहुत दिनों से प्रतीक्षित फिल्म पठान का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 10 जनवरी को सोशल मीडिया पर रिलीज किया जाएगा! यह खबर सुनकर प्रशंसक और दर्शक निश्चित रूप से उत्साहित हो जायेंगे क्योंकि लोग पठान के ट्रेलर के लिए तभी से मांग कर रहे हैं जब से यशराज फिल्म्स ने एज ऑफ सीट विजुअल एक्सट्रावेगेंजा का टीजर रिलीज किया था। एक ट्रेड सोर्स से पता चला है की, "10 जनवरी को पठान का ट्रेलर रिलीज हो रहा है, इस तारीख को मार्क कर लीजिए।! यह टीजर इंटरनेट पर तहलका मचा देगा। तो, ट्रेलर की वजह से मेल्टडाउन के लिए तैयार रहिए! विजुअली स्टनिंग ट्रेलर बड़े पैमाने पर एक्शन एंटरटेनर प्रेमियों के लिए एक उत्सव है। इस ट्रेलर में शानदार एक्शन सेट हैं जिन्हें देखते ही आप वाह-वाह करने लगेंगे। पठान एक ट्रू ब्लू थिएट्रिकल इवेंट फिल्म है और इसके ट्रेलर से ये साबित हो जाएगा। सूत्रों ने आगे बताया यश राज फि ल्म्स हमेशा से फिल्म की रिलीज के दो हफ्ते पहले ट्रेलर को लॉन्च करना चाहते थे। वो फिल्म के इर्द-गिर्द दिलचस्पी पैदा करना चाहते थे जिससे ट्रेलर के लिए अधिक अपेक्षा और हिस्टीरिया पैदा हो जाए। उन्होंने अच्छा काम किया है। इससे लंबे समय तक पठान सबसे हॉट फिल्म बनी रहेंगी और यह ट्रेलर में देरी करने की स्पष्ट रणनीति है जिससे पठान के लिए चारों ओर हलचल हो। पठान को भारत की अब तक की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बताया जा रहा है, जिसे दर्शकों ने कभी भी बड़े पर्दे पर नहीं देखा होगा। यश राज फिल्म्स का शानदार एक्शन शो पठान आदित्य चोपड़ा की महत्वाकांक्षी स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और इसमें देश के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम शामिल हैं।

हिमाचल प्रदेश: सुन्नी बांध हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट मंजूर

कुल लागत 2,615 करोड़ रुपए है और ये सतलुज नदी पर बनेगा, प्रोजेक्ट को बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पांच साल की समय सीमा तय की, इससे शिमला संसदीय क्षेत्र और मंडी संसदीय क्षेत्र को बड़ा लाभ होने वाला

शिमला। हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने 382 मेगावाट के सुन्नी बांध हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश के लिए बुधवार को मंजूर किया जिसकी कुल लागत 2,615 करोड़ रुपए है और ये सतलुज नदी पर बनेगा। उन्होंने बुधवार को यहां कहा कि इस बड़े प्रोजेक्ट को बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पांच साल की समय सीमा तय की है, इससे शिमला संसदीय क्षेत्र और मंडी संसदीय क्षेत्र को बड़ा लाभ होने वाला है। जब इस बांध का निर्माण हो रहा होगा तो 4000 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि 2615 करोड़ रुपए की लागत से प्रोजेक्ट तैयार होगा।

उन्होंने कहा कि इसकी क्लीयरेंस भी पूरी हो चुकी है और पीआईबी, प्रोजेक्ट इन्वेस्टमेंट बोर्ड द्वारा इस को मंजूरी भी मिल चुकी है। इस प्रोजेक्ट से 1382 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होगा और उसमें से अगले 40 साल के लिए 12 फीसदी बिजली हिमाचल प्रदेश को मुफ्त प्राप्त होगी। इस प्रोजेक्ट से 4000 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरी प्राप्त होगी जब इसका निर्माण हो रहा होगा और जब यह बांध पूरा हो जाएगा तो 500 लोगों को इसके अंदर पक्की नौकरी मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के लिए लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड भी तय हो चुका है जो की 39 करोड़ रुपये का है, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ा लाभ होगा। अगर हम लोकल इंफ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से दिखे तो इससे सथनीय क्षेत्र को अच्छे रोड, मेडिकल फैसिलिटी और अनेकों सुविधाएं प्राप्त होगी। केंद्र में मोदी सरकार औद्योगिक विकास सामाजिक सुधार और नौकरी देने के लिए प्रतिबद्ध है यह केवल केंद्र में मोदी सरकार ही है जो बिना द्वेष भावना के कार्य करती है। भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विधायक त्रिलोक जमवाल, राकेश जमवाल, विपिन परमार, सतपाल सत्ती, रणधीर शर्मा, डॉ जनक राज, लोकेंद्र कुमार, सुरेंद्र शौरी, रीना कश्यप, विनोद कुमार और समस्त विधायक और पदाधिकारियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। भाजपा के सभी नेता एवं पदाधिकारियों ने इस सौगात के लिये प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया है।

महिला ने तलाशी में शर्ट उतारवाने का लगाया आरोप, अधिकारियों ने साधी चुप्पी

बेंगलुरु। महिला ने आरोप लगाया है कि बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा तलाशी के दौरान उससे शर्ट उतारने को कहा गया। महिला ने सवाल पूछा था कि अधिकारियों को ऐसा करने की क्या जरूरत थी। हालांकि, हवाई अड्डे के अधिकारियों ने इस पूरे प्रकरण से दूरी बनाते हुए कहा कि वे इस पर कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि मामले का संबंध केंद्रीय औद्योगिक सुरखा बल (सीआईएसएफ) से है। महिला यात्री ने मंगलवार को ट्वीट किया, बेंगलुरु हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान मुझसे शर्ट उतारने को कहा गया। सुरक्षा जांच चौकी पर केवल अंतः वस्त्र के साथ खड़ा होना और लोगों का ध्यान आकर्षित होना अपमानजनक था जो एक महिला के नाते आप कभी नहीं चाहेंगे। बेंलगुरु हवाई अड्डा आप क्यों चाहते हैं कि महिला कपड़ा उतारे? यह ट्वीट करने के बाद महिला ने अपना सोशल मीडिया अकाउंट को निष्क्रिय कर दिया।

ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू करेंगी अनन्या पांडे, इस वेबसीरीज में आएंगी नजर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे बहुत जल्द ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू करने जा रही है। चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे जल्द ही ओटीटी पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। अन्नया जल्द ही एक सीरीज में नजर आने वाली है। कहा जा रहा है कि अनन्या फिल्मकारकरण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही सीरीज का हिस्सा होंगी। इस वेब सीरीज का नाम कॉल मी बे होगा, जिससे अनन्या अपना ओटीटी डेब्यू करेंगी। करण जौहर ने ही अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अनन्या पांडे को लॉन्च किया था और अब करण जौहर की अनन्या पांडे को ओटीटी पर लॉन्च करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि अनन्या पांडे इस वेब सीरीज में एक अरबपति फैशन ऑइकन का रोल प्ले करेंगी, जिसे एक घोटाले के बाद उसके परिवार ने खुद से दूर कर दिया है। सीरीज कॉल मी बे का निर्देशन कॉलिन डी कुन्हा कर रहे हैं।अनन्या पांडे की आने वाली वेब सीरीज कॉल मी बे को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजान प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा।

खास खबर

मध्यप्रदेश में कोरोना का कोई नया मामला नहीं, वर्तमान में राज्य में पांच सक्रिय मामले

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। गृह मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज संवाददाताओं को बताया कि राज्य में कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। वर्तमान में राज्य में संक्रमण के पांच सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटे में संक्रमण जांच हेतु 54 सैंपल लिए गए। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में टीकाकरण का आंकड़ा 13 करोड़ 35 लाख 98 हजार 717 रहा है।

खुशी दुबे को जमानत मिलना न्याय की जीत: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे के करीबी सहयोगी अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद बुधवार को कहा कि यह न्याय की जीत हुई है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए खुशी दुबे को महीनों तक प्रताड़ित किया जो अन्याय की पराकाष्ठा है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने ट्वीट किया, कानपुर की खुशी दुबे को उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल गई। भाजपा सरकार द्वारा अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए उसे जेल में डालना और महीनों तक प्रताड़ित करना अन्याय की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा, माननीय न्यायालय के इस फैसले से न्याय की जीत हुई है। उच्चतम न्यायालय ने गैंगस्टर विकास दुबे के करीबी सहयोगी अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को बुधवार को जमानत दे दी। यह मामला जुलाई 2020 में कानपुर के एक गांव में विकास दुबे को गिरफ्तार करने गए आठ पुलिसकर्मियों की हत्या से संबंधित है। खुशी दुबे का पति अमर बाद में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। खुशी पर आरोप है कि उसने विकास दुबे को गिरफ्तार करने गये पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बारे में सह–आरोपियों को बताया था।

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अब खुलकर कार्रवाई कर सकेगी गुजरात पुलिस

दंड प्रक्रिया संहिता विधेयक, 2021 को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 का उल्लंघन कर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की सुविधा देने वाले गुजरात विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बता दें कि दंड प्रक्रिया संहिता (गुजरात संशोधन) विधेयक, पिछले साल 2021 को मार्च में राज्य विधानसभा द्वारा पारित किया गया था। बिल धारा 144 सीआरपीसी के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों के किसी भी उल्लंघन को भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (एक लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा) के तहत एक संज्ञेय अपराध बनाने का प्रयास करता है। आपको बता दें कि यह सीआरपीसी की धारा 195 में संशोधन करता है, जिसमें कहा गया है कि संबंधित लोक सेवक की लिखित शिकायत के अलावा, कोई भी अदालत लोक सेवकों के वैध अधिकार की अवमानना के लिए किसी आपराधिक साजिश का संज्ञान नहीं लेगी। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (गुजरात संशोधन) विधेयक, 2021 को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। विधेयक के बयान और उद्देश्यों के अनुसार, गुजरात सरकार, पुलिस आयुक्तों और जिला मजिस्ट्रेटों को सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधात्मक आदेश जारी करने का अधिकार है, जिसमें किसी भी व्यक्ति को एक निश्चित कार्य से दूर रहने या सार्वजनिक शांति भंग या विभिन्न अवसरों पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंगा या मामला होने से रोकने के लिए कुछ आदेश लेने का निर्देश दिया गया है।

दिल्ली में 16-17 जनवरी को भाजपा कार्यकारिणी की बैठक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक यहां 16-17 जनवरी को होगी और इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रमुख संगठनात्मक निकाय की बैठक में विभिन्न राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों का भी जायजा लिया जाएगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और देश भर के वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे। विपक्षी दलों में व्यापक एकता की लेकर हो रही चर्चा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में हो रही भारत जोड़ो यात्रा के मद्देनजर भाजपा इस बैठक में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकती हैं क्योंकि कांग्रेस, भाजपा पर घृणा और विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाती रही है। सूत्रों के मुताबिक इस संदर्भ में एक प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। पार्टी प्रमुख के रूप में नड्डा का तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में पूरा हो रहा है और इस बात की पूरी संभावना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

अपनी छवि और बीजेपी नेता को बचाने, युवती का चरित्र हनन कर रही है दिल्ली पुलिस: कांग्रेस

दिल्ली के कंझावला इलाके में हुई घटना को लेकर घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली के कंझावला इलाके में हुई घटना को लेकर अपनी छवि और भारतीय जनता पार्टी के एक आरोपी नेता को बचाने के लिए पुलिस पीड़ित युवती का चरित्र हनन कर रही है। पार्टी नेता अलका लांबा ने यह भी कहा कि इस मामले की सुनवाई त्वरित अदालत में हो और तीन महीने के भीतर सुनवाई पूरी की जाए ताकि दोषियों को सजा मिले और यह आगे के लिए एक नजीर बन सके।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि 2012 में निर्भया मामले के समय जिन लोगों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का इस्तीफा मांगा था, वे आज दिल्ली और केंद्र की सत्ता में हैं, लेकिन वे अब न इस्तीफा मांग रहे हैं और न ही दे रहे हैं। अलका ने संवाददाताओं से कहा, एक दशक पहले जिन्होंने राजधानी दिल्ली को 'रेप कैपिटल ऑफ इंडिया कहा था, आज वही राजनीतिक दल - भाजपा और आम आदमी पार्टी सत्ता में हैं। उनका दिया हुआ रेप कैपिटल ऑफ इंडिया' का तमगा एक दशक बाद भी बरकरार है। उनका कहना था, पुलिस इस मामले को लगातार क्यों कमजोर कर रही है? दिल्ली पुलिस पर दबाव है क्योंकि इस अपराध में शामिल एक व्यक्ति का नाम मनोज मित्तल है। कौन है मनोज मित्तल? मनोज मित्तल दिल्ली के मंगोलपुरी में भाजपा का सह-संयोजक है। उन्होंने आरोप लगाया, भजापा के दबाव में दिल्ली पुलिस भाजपा के इस नेता को बचाने के लिए मामले को कमजोर कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, निधि नामक युवती को घटना के तीन दिनों बाद दिल्ली पुलिस मीडिया के सामने लाती है और बयान दिलवाती है। पुलिस अपनी छवि बचाने और भाजपा नेता को बचाने के लिए पीड़िता का चरित्र हनन कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को एक ऐसा पुलिस आयुक्त चाहिए जो राजधानी के चप्पे-चप्पे को जानता हो और अपराध पर अंकुश लगा सके। उन्होंने यह सवाल किया कि अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अलका ने कहा, हमारी मांग है कि इस मामले में निष्पक्षता से जांच पूरी की जाए, त्वरित अदालत में मामला चलाया जाए और तीन महीने में सुनवाई पूरी हो। गौरतलब है कि नया साल शुरू होने के कुछ घंटों के भीतर बाहरी दिल्ली के कंझावला इलाके में 20 साल की युवती को कार से करीब 12 किलोमीटर तक घसीटने की घटना हुई जिसमें युवती की मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

भारत–तिब्बत सीमा पर घुसपैठ चीन की ओर से ही की गई

तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रमुख बोले

कोलकाता। तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रमुख या सिक्योंग पेनपा शेरिंग ने मंगलवार को कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पर घुसपैठ की सभी घटनाएं एकपक्षीय रही हैं और यह चीन की ओर से ही की गई हैं। शेरिंग ने एक न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि तिब्बत ने 1914 की संधि पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें उसके और भारत के बीच मैकमोहन रेख पर सीमा निर्धारित की गयी।

उन्होंने कहा कि तब से तवांग भारत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने यहां कहा, हम जानते हैं कि घुसपैठ पूरी तरह चीन की तरफ से हो रही हैं। वह तवांग और लद्दाख में भारतीय सेना तथा चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच संघर्षों की घटनाओं के संदर्भ में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 1959 तक भारत और चीन के बीच कोई सीमा नहीं थी, यह तिब्बत के साथ थी। हम 1914 के शिमला समझौते के पक्षकार हैं और मैकमोहन रेखा को वैध सीमा मानते हैं।

शेरिंग ने कहा, हम तवांग को पूरी तरह से भारत का एक अखंड हिस्सा मानते हैं। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के अत्याचारों के खिलाफ तिब्बतियों ने विद्रोह किया था, जिसके बाद 1959 में तिब्बत सरकार के तत्कालीन प्रमुख दलाई लामा ल्हासा से भारत आ गए थे। बहरहाल, कम्युनिस्ट चीन के 1950 में तिब्बत पर आक्रमण करने के बाद भी दलाई लामा की सरकार ने चीन के साथ एक व्यवस्था के तहत, अपनी सेना के साथ काम करना जारी रखा। चीन ने बाद में तिब्बत को एक स्वायत्त क्षेत्र के रूप में मान्यता दी थी।

वाल्मीकिनगर पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आज करेंगे समाधान यात्रा का आगाज

गांव में पहुंचकर सरकारी कामकाज की हकीकत और योजना से संबंधित क्षेत्र का भ्रमण भी करेंगे

बगहा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार की शाम करीब पांच बजे हेलीकाप्टर से वाल्मीकिनगर पहुंचे। वहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका फूल माला से स्वागत किया। इसके बाद वह वाल्मीकिनगर गेस्ट हाउस के लिए निकल गए। वहां वे ईको टूरिज्म का निरीक्षण करेंगे। गुरुवार की सुबह दरुआबारी से समाधान यात्रा की शुरूआत करेंगे। इसके पहले डीजीपी राजविंद्र सिंह भट्टी व प्रमुख सचिव विशेष विमान से पहुंचे। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए दरुआबारी गांव सजकर तैयार है। इंतजार है गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन का। मुख्यमंत्री के संकल्प व योजनाओं में कोई कसर न रह जाए, इसके लिए अधिकारी बीते चार दिनों से इसी कसरत में जुटे हुए थे। दीवारें शराब से नफरत की कहानी बयां कर रही हैं तो सरकार का साथ पाकर आत्मनिर्भरता की सीढ़ी चढ़ रही जीविका दीदियां व आंगनबाड़ी सेविका भी सीएम के स्वागत को आतुर दिखीं।

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार की सुबह पश्चिम चंपारण जिले के बगहा दो प्रखंड स्थित दरुआबारी गांव से समाधान यात्रा की शुरूआत करेंगे। मुख्यमंत्री गांव में पहुंचकर सरकारी कामकाज की हकीकत जानेंगे। योजना से संबंधित क्षेत्र का भ्रमण भी करेंगे। थारू जनजातीय टोला में समेकित थरुहट विकास अभिकरण योजना अंतर्गत निर्मित वर्कशेड निर्माण कार्य का शिलान्यास, सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत किट का वितरण, मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, नल-जल योजना का निरीक्षण, जल जीवन हरियाली योजना अंतर्गत पोखरा के सौंदर्यीकरण कार्य समेत अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण करने के उपरांत सुबह 11 बजे बगहा के पारसनगर के लिए प्रस्थान करेंगे। यहां कटाव स्थल का निरीक्षण करने के बाद बेतिया के लिए रवाना होंगे। जिला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री लंच करने के उपरांत जीविका दीदी के साथ बैठक करेंगे। जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा के बाद रवाना होंगे।

गंगासागर मेला: ममता बनर्जी ने की राष्ट्रीय दर्जे देने की मांग

पुल बनाने के उनके बार-बार के अनुरोध पर केंद्र ने कोई ध्यान नहीं दिया

सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मांग की है कि केंद्र राज्य के दक्षिण 24 परगना जिले में अगले सप्ताह आयोजित होने वाले वार्षिक गंगासागर मेले को राष्ट्रीय दर्जा दे। बनर्जी ने यह भी कहा कि तीर्थयात्रियों को सागर द्वीप तक आसानी से पहुंचने में मदद करने के लिए मुरी गंगा नदी पर एक पुल बनाने के उनके बार-बार के अनुरोध पर केंद्र ने कोई ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार कुंभ मेले के लिए भारी धनराशि प्रदान कर रही है। लेकिन वह गंगासागर मेले को कुछ भी उपलब्ध नहीं करा रही है। यही कारण है कि मैं उनसे इसे राष्ट्रीय मेला घोषित करने का अनुरोध करूंगी, ताकि हमें कुछ निधि मिल सके।

बनर्जी आठ से 16 जनवरी के बीच होने वाले आगामी गंगासागर मेले की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बुधवार दोपहर सागर द्वीप पहुंचीं। मकर संक्रांति के अवसर पर लाखों हिंदू तीर्थयात्री पवित्र गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर पवित्र डुबकी लगाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों और बाहर से सागर द्वीप में इकट्ठा होते हैं।

राजौरी में हुई हत्याओं के खिलाफ पुंछ में दूसरे दिन बंद, कठुआ और जम्मू में प्रदर्शन

आतंकवादी हमलों में छह लोगों की मौत और 11 अन्य के घायल होने के खिलाफ आवाज बुलंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में कुछ घंटों के भीतर ही हुए दो आतंकवादी हमलों में छह लोगों की मौत और 11 अन्य के घायल होने के खिलाफ सीमावर्ती शहर पुंछ बुधवार को लगातार दूसरे दिन बंद रहा जबकि पूरे जम्मू क्षेत्र में इन हत्याओं के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि बंद को देखते हुए सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आतंकवादी हमले के खिलाफ दुकानें और कारोबारी प्रतिष्ठान जिले में बंद है और सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सर्द मौसम के बावजूद तख्तियों के साथ सड़कों पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की

और टायर जलाए एवं जम्मू क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। कठुआ जिले में प्रदर्शकारी कालीबाड़ी के नजदीक राजमार्ग पर जमा हुए और सड़क बाधित कर दी जिसकी वजह से एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-कश्मीर में परेशानी खड़ी कर रहे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और पड़ोसी देश का पुतला जलाया। भाजपा नेता ने कहा, हम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और उसके खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की मांग करते हैं ताकि वहां मौजूद आतंकवादी ढांचों को नष्ट किया जा सके। लक्षित हत्या की वजह से घाटी से अन्यत्र स्थानांतरण की मांग कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने राजौरी में हुए दोहरे हमले के खिलाफ जम्मू में मोमबत्ती जुलूस निकाला। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हमने हत्याओं के खिलाफ मोमबत्ती जुलूस निकाला। जम्मू-कश्मीर में हिंदू सुरक्षित नहीं है और सरकार को लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। युवा राजपूत सभा ने राजौरी आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करने के लिए यहां पर मोमबत्ती जुलूस निकाला। सभा के नेता ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वे प्रत्येक हत्या पर जम्मू बंद का आह्वान करते थे, लेकिन आज वे खामोश हैं। उन्होंने कहा, इसने उप राज्यपाल प्रशासन के जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद के खात्मे के दावे की पोल खोल दी बल्कि स्थिति 1990 की तरह है जब कश्मीरी पंडितों को हत्याओं की वजह से घाटी से पलायन करना पड़ा था।

जैन धर्मस्थल पर मायावती ने दिया समर्थन

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने जैन धर्म के पवित्र स्थलों को लेकर इस धर्म के लोगों को हो रही परेशानियों पर झारखंड सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार इस धर्म के लोगों को परेशान कर रही है। जैन धर्म शांतिप्रिय धर्म है और अब इस धर्म के लोगों को भी अपने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए प्रदर्शन करने को मजबूर होना पड़ रहा है, यह बिल्कुल सही नहीं है।

सरकारों को इस और विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत है , मायावती ने जैन धर्म के पक्ष में ट्वीट किया है। मायावती ने अपने ट्वीट में कहा है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में अब जैन धर्म के लोगों को भी अपने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व पवित्रता के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित होकर इंडिया गेट सहित सड़कों पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। यह अति दुःख व चिंता की बात है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बागपत के सरूरपुर गांव से निकलकर खेड़की पहुंची। यहां ग्रामीणों ने यात्रा के दौरान राहुल गांधी का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। बताया गया कि कुछ समय बाद यात्रा ट्योढी गांव पहुंचेगी।

शेयर बाजार में एक प्रतिशत की गिरावट

सेंसेक्स 61,000 अंक से नीचे फिसला

मुंबई। विदेशी कोषों की निकासी और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के चलते बुधवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत की गिरावट आई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636.75 अंक या 1.04 प्रतिशत गिरकर 60,657.45 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 700.64 अंक या 1.14 प्रतिशत गिरकर 60,593.56 अंक पर आ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 189.60 अंक या 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,042.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, विप्रो, पावर ग्रिड, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी प्रमुख रूप से टूटे। दूसरी ओर मारुति सुजुकी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में बढ़त रही। एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि जापान के निक्की में गिरावट आई। शुरूआती कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान में बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.86 प्रतिशत गिरकर 80.57 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 628.07 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयर में कमजोरी के रूख के बीच बुधवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट हुई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 104.33 अंक गिरकर 61,189.87 अंक पर आ गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 32.45 अंक टूटकर 18,200.10 अंक पर था। सेंसेक्स में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, विप्रो, बजाज फाइनेंस, पॉवर ग्रिड, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर में बढ़त हुई। अन्य एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई और हांगकांग के बाजारों में तेजी थी जबकि तोक्यो के बाजार नुकसान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान के साथ बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र में, मंगलवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.41 अंक यानी 0.21 प्रतिशत चढ़कर 61,294.20 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 35.10 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,232.55 अंक पर बंद हुआ था।

सोने में 378, चांदी 147 रुपये सस्ती हुई

वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 378 रुपये की तेजी के साथ 56,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 55,752 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी 147 रुपये की गिरावट के साथ 70,675 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक ने कहा, "कॉमेक्स पर सोने की हाजिर कीमतों में बुधवार को शुरूआती एशियाई घंटों में तेजी रही। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,859 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 24.24 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

प्रदेश के बुनकरों को बिजली के बिल दी जाएगी सब्सिडी : सीएम योगी

लखनऊ। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रदेश में ढाई लाख से अधिक की संख्या में बुनकर पॉवरलूम से जुड़े हुए है। यह पेशा उनकी आजीविका एक मात्र साधन हैं। हमें बुनकरों को प्रोत्साहित करना है। कहा कि बिजली चोरी को शिकंजा कसते हुए यूपी के बुनकरों को बिजली के बिल में आवश्यक सब्सिडी दी जाए। सीएम ने कहा कि विद्युत विभाग को इस विचार करना चाहिए और इसको लेकर व्यवस्था बनाएं। सीएम योगी ने एमएसएमई बुनकर योजना के संबंध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। इस दौरान सीएम ने बिजली की खपत और उस पर दी जाने वाली सब्सिडी को लेकर अधिकारियों से चर्चा भी की। कहा कि बुनकरी व्यवसाय से जुड़े प्रदेश के बड़े सेंटर जैसे अम्बेडकर नगर, वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, मेरठ आदि जनपदों के सम्भ्रांत बुनकर व्यवसायियों से बात करें और उनकी राय लें। सीएम ने कहा कि हम अभी सोलर पैनल के इंस्टाल के लिए 30 हजार रुपए तक सब्सिडी दे रहे हैं। इसके लिए बुनकरों को प्रोत्साहित करें। मिशन मोड पर इस पर काम करें। पावर कंजम्पशन का मूल्य हर हाल में पावर कारपोरेशन को मिले यह भी सुनिश्चित करें।सीएम योगी ने कहा कि हमारे बुनकर आज भी पुरानी तकनीक पर कार्य कर रहे हैं। मार्केट में आज नई तकनीक और डिजाइन आ गयी हैं। बुनकरों को जल्द से जल्द अपग्रेड करते हुए उनके उत्पादों को समयानुकूल बनाएं। उनके डिजाइन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

रेडिएंट कैश मैनेजमेंट सर्विसेज के शेयरों की 10 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई

नई दिल्ली। रेडिएंट कैश मैनेजमेंट सर्विसेज के शेयरों की बुधवार को बाजार में 10 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। कंपनी का इश्यू प्राइस 99 रुपये था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 104 रुपे प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग सपाट ढंग से 99 रुपये प्रति शेयर के भाव पर ही हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ग्रे मार्केट में तीन जनवरी को कंपनी के शेयरों पर छह रुपये का प्रीमियम मिलने की अटकलें लगाई जा रही थी। बता दें कि कंपनी का इश्यू 23 दिसंबर को खुलकर 27 दिसंबर को बंद हुआ था। कंपनी का इश्यू 53% ही सब्सक्राइब किया था। रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व इश्यू का भाग सिर्फ 20% ही भर पाया था। हालांकि क्वालिफाइड इंस्टीच्यूशनल बॉयर्स के लिए रिजर्व हिस्सा पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया गया था। आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व सेगमेंट 66% सब्सक्राइब किया गया था। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 388 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था।

रिलायंस सोसो हाजूरी बेवरेजेज में 50% हिस्सेदारी खरीदेगी

'सोसियो' ब्रांड के तहत एक पेय व्यवसाय संचालित करती है

नई दिल्ली। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और एफएमसीजी शाखा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने कहा है कि वह गुजरात मुख्यालय वाले सोसो हाजूरी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (एसएचबीपीएल) में 50% इक्विटी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह कंपनी 'सोसियो' ब्रांड के तहत एक पेय व्यवसाय संचालित करती है। कंपनी के मौजूदा प्रवर्तक हाजूरी परिवार एसएचबीपीएल में शेष हिस्सेदारी के मालिक बने रहेंगे। कंपनी ने कहा, सोस्यो एक हेरिटेज भारतीय ब्रांड है, जिसकी काबोर्नेटेड शीतल पेय (सीएसडी) और जूस में सेगमेंट में लगभग 100 साल का इतिहास रहा है। अब्बास अब्दुलरहीम हजूरी की ओर से 1923 में स्थापित, कंपनी घरेलू शीतल पेय बाजार में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है। अब्बास हजूरी और उनके बेटे अलियासगर हजूरी की ओर से संचालित एसएचबीपीएल के पोर्टफोलियो में सोसयो, कश्मीरा, लेमी, गिनलिम, रनर, ओपनर, हाजूरी सोडा और साउ सहित कई पेय ब्रांड हैं। कंपनी ने फॉर्मूलेशन विकसित करने में अपनी मजबूत विशेषज्ञता के साथ 100 से अधिक फ्लेवर लॉन्च किए हैं। सोस्यो ब्रांड का गुजरात में एक बड़ा कस्टमर बेस है। निवेश पर बोलते हुए रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, ₹यह निवेश हमें स्थानीय विरासत ब्रांडों को सशक्त बनाने और उन्हें नए विकास के अवसरों के साथ पेश करने के हमारे दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। आरसीपीएल के साथ संयुक्त उद्यम पर बोलते हुए, सोसो हाजूरी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष अब्बास हजूरी ने कहा, हम रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ इस साझेदारी में प्रवेश करने के लिए खुश हैं, जो एक मजबूत और इच्छुक भागीदार है जो सोसियो को अपनी पहुंच को तेजी से बढ़ाने में मदद कर सकता है।

यस बैंक ने मोबाइल बैंकिंग के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। यस बैंक ने ग्राहकों को व्यक्तिगत बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से अत्याधुनिक मोबाइल एप्लिकेशन (एपीपी) लाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के एज्यूर प्लेटफॉर्म का उपयोग करके यस बैंक ऐप तैयार किया जाएगा। यह ऐप ग्राहकों को पारंपरिक बैंकिंग कार्यों के अलावा ऑनलाइन भुगतान, खरीदारी, रिवाड्र्स, ऑफर के साथ-साथ अनुकूलित डैशबोर्ड जैसी कई सेवाएं प्रदान करेगा। यह नया ऐप क्लाउड-आधारित होगा और माइक्रोसॉफ्ट के एंटरप्राइज-ग्रेड क्लाउड प्लेटफॉर्म पर चलेगा। यह ट्रेडर्स और पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारों को एक सामान्य मंच पर लाकर विभिन्न सेवाओं को बढ़ाने में यस बैंक का समर्थन करेगा। यह ऋण, भुगतान, जमा, निवेश, कार्ड व अन्य से जुड़ी विभिन्न ग्राहक वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंक को सशक्त बनाएगा।

एनसीएलएटी ने गूगल को 1,337.76 करोड़ के जुमार्ने का दस फीसदी जमा करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। चार जनवरी (भाषा) राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने बुधवार को गूगल को निर्देश दिया कि उस पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 1,337.76 करोड़ रुपये का जो जुमार्ना लगाया है, वह उसके दस फीसदी हिस्से का भुगतान करे। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने सीसीआई द्वारा लगाए जुमाने के क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अन्य पक्षों को सुनने के बाद ही कोई आदेश देगी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने सीसीआई को नोटिस जारी किया और अंतरिम रोक पर सुनवाई के लिए मामले को 13 फरवरी के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। एनसीएलएटी का यह निर्देश गूगल की याचिका पर आया है जिसमें उसने एंड्रॉयड मोबाइल उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र में अनेक बाजारों में उसकी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने के मामले में सीसीआई की तरफ से जारी आदेश को चुनौती दी है और कहा है कि यह आदेश भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक झटका है और इससे इस प्रकार के उपकरण देश में और महंगे हो जाएंगे। सीसीआई ने इस मामले में पिछले वर्ष 20 अक्टूबर को गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया था। इसके अलावा, सीसीआई ने प्रमुख इंटरनेट कंपनी को अनुचित कारोबारी गतिविधियों को रोकने और बंद करने का निर्देश दिया था। गूगल ने एंड्रॉयड मोबाइल उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में अनुचित व्यापार व्यवहार के संबंध में सीसीआई के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील की थी और जुमार्ने पर अंतरिम रोक लगाने का अनुरोध किया था।

इस साल भारत में नौ नई बाइक मॉडल उतारेगी डुकाटी

नई दिल्ली। इटली की सुपरबाइक कंपनी डुकाटी ने मंगलवार को कहा कि 2023 में वह भारतीय बाजार में नौ उत्पाद उतारेगी जिनकी कीमत 10.39 लाख रुपये से 72 लाख रुपये के बीच रहने का अनुमान है। कंपनी के जो मॉडल इस साल भारतीय सड़कों पर रफ्तार भरेंगे उनमें पेनिगेल वी4 आर, मॉनस्टर एसपी, डेविल वी4, स्ट्रीटफाइटर वी4 एसपी2, मल्टीस्ट्राडा वी4 रैली, स्क्रैंबलर आइकन 2जी, स्क्रैंबलर फुल थ्रॉटल 2जी, स्क्रैंबलर नाइटशिफ्ट 2जी और स्ट्रीटफाइटर वी4 लैंबर्गिनी। डुकाटी इंडिया के प्रबंध निदेशक बिपुल चंद्रा ने बताया कि पिछले वर्ष कंपनी की बिक्री वृद्धि 15 प्रतिशत रही और बीते पांच साल में उसका राजस्व भी सर्वाधिक रहा है। उन्होंने कहा, 2023 को लेकर हम आत्मविश्वास से भरे हैं। इसलिए हम भारतीय बाजार में नौ नई डुकाटी मोटरसाइकिल और दो नई डीलरशिप की घोषणा करते हैं। एक डीलरशिप जनवरी से चंडीगढ़ में शुरू होगी और पहली तिमाही में दूसरी डीलरशिप अहमदाबाद में शुरू होगी।

सेवा क्षेत्र का विस्तार 10 महीने के उच्चतम स्तर पर, मांग में वृद्धि का मिला फायदा

नई दिल्ली। मजबूत मांग और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के कारण भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 56.4 से बढ़कर दिसंबर में 58.5 हो गया, जो 2022 के मध्य के बाद से विस्तार की सबसे मजबूत दर को दशार्ता है।

लगातार 17वें महीने यह आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दशार्ता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, ₹दिसंबर में भारतीय सेवा गतिविधि में एक स्वागत योग्य विस्तार देखा गया, जो 2022 के अंत में मांग के लचीलेपन को रेखांकित करता है।

लीमा ने आगे कहा कि ₹जैसे-जैसे हम 2023 में आगे बढंगे कंपनी उत्पादन के दृष्टिकोण से मजबूत आशावादी संकेत दे रहे हैं। करीब 31 प्रतिशत पैनलिस्टों ने उत्पादन में वृद्धि का अनुमान जताया है, जबकि केवल दो प्रतिशत ने संकुचन का अनुमान जताया है।

आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों को उच्च परिचालन लागत को लेकर क्षतिपूर्ति दी जाए

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) ने आपात परिस्थितियों में बिजली आपूर्ति के लिये उच्च परिचालन लागत को लेकर आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों को क्षतिपूर्ति देने का फैसला किया है। सीईआरसी के इस आदेश से उन आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों के परिचालकों को राहत मिलेगी, जिन्होंने मांग को पूरा करने के लिये बिजली मंत्रालय के निदेर्शों के तहत पूर्ण क्षमता पर काम किया। सीईआरसी ने तीन जनवरी, 2023 को दिये आदेश में कहा, याचिकाकर्ता विद्युत अधिनियम की धारा 11(1) के तहत बिजली मंत्रालय के निदेर्शों के अनुपालन में खरीदार को आपूर्ति के लिये बिजली उत्पन्न करने को लेकर अपने संयंत्र का रखरखाव और संचालन करते रहे, यह सुनिश्चित करने के लिये अधिनियम की धारा 11 (2) के तहत याचिकाकर्ता को लागत और उपयुक्त लाभ हेतु क्षतिपूर्ति की जरूरत है। सीईआरसी ने टाटा पावर कंपनी लि. की अर्जी पर यह आदेश दिया है। मंत्रालय ने पांच मई, 2022 को विद्युत अधिनियम की धारा 11 के तहत आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों को पूर्ण क्षमता पर काम करने और बिजली उत्पादन करने का निर्देश दिया था। मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि बिजलीघरों को संबंधित पीपीए (बिजली खरीद समझौते) के तहत खरीदारों को पहले बिजली की आपूर्ति करने की आवश्यकता है और कोई अतिरिक्त बिजली है, तो उसे बिजली एक्सचेंज में बेचा जा सकता है।

निर्देश में कहा गया था कि ऐसे मामलों में जहां बिजलीघरों के पास कई वितरण कंपनियों के साथ पीपीए है और यदि एक वितरण कंपनी अपने पीपीए के अनुसार बिजली की मात्रा का निर्धारण नहीं करती है, तो वह बिजली अन्य लाभार्थियों को दी जाएगी और शेष मात्रा बिजली एक्सचेंज के माध्यम से बेची जाएगी। टाटा पावर ने बयान में सीईआरसी के आदेश का स्वागत किया है। उसने कहा कि विद्युत अधिनियम की धारा 11 के तहत आपातकालीन स्थिति में आपूर्ति के तहत आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों को कोयले की लागत और परिचालन खर्च के एवज में क्षतिपूर्ति की अनुमति देने का सीईआरसी का फैसला सराहनीय है।

ऑडी की बिक्री 2022 में 27.14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,187 इकाई

नई दिल्ली। जर्मनी की कार कंपनी ऑडी की भारत में खुदरा बिक्री 2022 में 27.14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,187 इकाई रही है। 2021 में कंपनी की बिक्री 3,293 इकाई रही थी। ऑडी इंडिया ने कहा कि वृद्धि और बढ़िया हो सकती थी लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और सेमीकंडक्टर की कमी से ऐसा नहीं हुआ। इसके बावजूद 2022 में ऑडी इंडिया का प्रदर्शन मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो के कारण अच्छा रहा है। ग्राहकों की धारणा बेहतर होने और व्यवसाय में मजबूत निरंतरता से भी इसमें मदद मिली। कंपनी ने बताया कि उसने एक जनवरी से अपने वाहनों के लगभग सभी मॉडल के दाम 1.7 प्रतिशत तक बढ़ाए हैं। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा कि 2022 में कंपनी की वृद्धि भारत में महंगी श्रेणी के वाहनों के लिए अनुमानित 20-22 फीसदी की वृद्धि से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि सभी श्रेणियों की बिक्री में वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि 2022 में बिक्री में वृद्धि तीन प्रमुख पेशकश के बूते हुई जो हैं, ऑडी क्यू7, ऑडी ए8 एल और ऑडी क्यू3। इसके अलावा सेडान ए4 और ए6, एसयूवी क्यू5 और क्यू8 और इलेक्ट्रिक कार ई-ट्रॉन तथा ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक की बिक्री अच्छी रही है। ढिल्लन ने बताया, न केवल बिक्री आंकड़े बढ़ रहे हैं बल्कि पुरानी कारों का कारोबार ह्यऑडी अप्रूव्डः प्लस भी बढ़ रहा है। यह कारोबार वास्तव में नई कारों की बिक्री से दोगुने से भी अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने पुरानी कारों के शोरूम 2022 में बढ़ाकर 22 कर दिए हैं जिनकी संख्या 2021 में 14 थी। उन्होंने 2023 में भी मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद जताई। लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू इंडिया की 2022 में भारत में लग्जरी कारों और मोटरसाइकिल की बिक्री अपने रिकॉर्ड स्तर 19,263 इकाई पर पहुंच गई। बीएमडब्लयू ग्रुप इंडिया ने बयान में कहा कि पिछले साल बीएमडब्ल्यू और मिनी दोनों ब्रांड की कारों की ग्राहकों को आपूर्ति 35 प्रतिशत बढ़कर 11,981 इकाई रही। यह इसकी अबतक की सर्वाधिक बिक्री रही। इस दौरान बीएमडब्ल्यू इंडिया की बिक्री 37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,268 इकाइयों पर पहुंच गई। वहीं मिनी इंडिया की बिक्री भी 11 प्रतिशत बढ़कर 713 इकाई हो गयी। कंपनी ने कहा है कि मांग ऊंची रहने से अब ज्यादातर बीएमडब्ल्यू मॉडल के लिए प्रतीक्षा की अवधि छह महीने की हो चुकी है। *एजेंसी*

संक्षेप

बैंक घोटालों में फुककर्मियों की संलिप्तता के दावे झूठे, केंद्रीय बैंक ने दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से विभिन्न बैंकिंग घोटालों में उसके अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग वाली याचिका में जो बातें हैं वे भ्रामक और गैर-प्रमाणित हैं। आरबीआई ने न्यायालय से यह भी कहा कि उसके पास कर्मचारियों के आचरण की जांच के लिए आंतरिक तंत्र मौजूद है। स्वामी की याचिका खारिज करने की मांग करते हुए आरबीआई ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास याचिका दायर करने का कोई अधिकार नहीं है और यह तथ्यात्मक तथा कानूनी त्रुटियों से पूर्ण है। आरबीआई ने शीर्ष अदालत में दायर एक हलफनामे में कहा, इस संबंध में, यह निवेदन किया जाता है कि याचिकाकर्ता की ओर से घोटालों को आरबीआई अधिकारियों से जोड़ने की कोशिश करने वाले दावे याचिकाकर्ता की ओर से पेश किए गए किसी भी प्रथम दृष्टया साक्ष्य के अभाव में भ्रामक हैं और इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इसमें कहा गया, ह्यह अनुरोध किया जाता है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप है, या उसके कार्यों या चूक के संबंध में प्रथम दृष्टया सबूत हैं तो उसके आचरण की जांच करने के लिए आरबीआई के पास एक आंतरिक तंत्र/ढांचा है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में कोई सबूत या विशिष्ट आरोप प्रस्तुत नहीं किया है और प्रतिवादी संस्था के खिलाफ केवल अस्पष्ट और भ्रामक आरोप लगाए गए हैं। आरबीआई ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसका एक केंद्रीय सतर्कता प्रकोष्ठ (सीवीसी) भी है, जो कर्मचारियों के आचरण की निगरानी करता है। विभिन्न बैंकिंग घोटालों में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग करने वाली सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका के जवाब में केंद्रीय बैंक की ओर से यह हलफनामा दायर किया गया।

हगीज ने अपना नया कैम्पेन वी गॉट यू, बेबी भी शुरू किया

नई दिल्ली। किम्बर्ली क्लार्क ने भारत में हगीज कम्पलीट कम्फर्ट को फिर से लॉन्च करते हुए अपने मशहूर ब्रांड हगीज की पूरी तरह से नयी पहचान भी प्रस्तुत की है। उपभोक्ताओं की पसंद और जरूरतों के बारे में किए गए व्यापक शोध के आधार पर फिर से लॉन्च की गयी श्रेणी में ब्रांड ने 1 में 5 आराम के प्रमुख प्रस्ताव पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें कोमलता और सोख लेने की क्षमता जैसी विशेषताएं शामिल हैं। ब्रांड की प्रमुख विशेषताओं और उनसे उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभों को रेखांकित करने वाली पूरी श्रेणी में अपने पैकेजिंग डिजाइन के जरिए ब्रांड पूरी तरह से नयी विज्युअल भाषा अपनाने जा रहा है। हगीज ने अपना नया कैम्पेन वी गॉट यू, बेबी भी शुरू किया है जिसमें ब्रांड ने शिशुओं के लिए इस दुनिया को और अभी ज्यादा आरामदेह बनाने का वादा किया है। लॉन्च फिल्म की परिकल्पना ओगिल्वी इंडिया ने की है, डायपर के साथ शिशुओं को होने वाली असुविधा को दशार्ने के लिए एक क्रिएटिव डिवाइस के रूप में फिल्म में शिशु का आवाज का उपयोग किया गया है। इन शिशुओं को राहत दिलाने के लिए आया है हगीज, जो उन्हें दे रहा है 1 डायपर में 5 तरह के आराम - बबल बेड कोमलता, 12 घंटों तक सोखने की क्षमता, ट्रिपल लीक गार्ड, जिसमें से हवा अंदर-बाहर आती-जाती रहे ऐसे मटेरियल और आरामदेह फिट वेस्टबैंड। किम्बर्ली क्लार्क इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर सुश्री साक्षी वर्मा मेनन ने रिलॉन्च पर कहा, ₹हगीज वो ब्रांड है जो शिशुओं के लिए इस दुनिया को हमेशा और ज्यादा आरामदेह बनाने के लिए लगातार अतिरिक्त कोशिश करता आ रहा है। व्यापक उपभोक्ता शोध में हमने पाया कि एक ही उत्पाद में कई सारे लाभों के साथ पूरा आराम पाना शिशुओं के लिए जरूरी है। 'हगीज कम्पलीट कम्फर्ट' यह हमारी नयी श्रेणी हमारे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रस्तुत करते हुए हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि इसके साथ हम शिशुओं और उनके माता-पिता के लिए परवरिश के अनजान के सफर को आसान और खुशनुमा बना रहे हैं।

बंधन बैंक ने अपने ब्रांड कैंपेन - 'जहाँ बंधन, वहाँ ट्रस्ट' का अनावरण किया

नई दिल्ली। देश के सबसे तेजी से बढ़ते बैंकों में से एक, बंधन बैंक ने आज अपने एकीकृत विपणन अभियान का शुभारंभ किया। बैंक के ब्रांड एंबेसडर और दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी, सौरव गांगुली को इस अभियान में दिखाया गया है। ह्यजहाँ बंधन, वहाँ ट्रस्ट' पंचलाइन वाले इस अभियान के जरिए ब्रांड द्वारा सात वर्षों की अवधि में और उससे पूर्व के दो दशकों में अपने पहले के अवतारों में हासिल किए गए 'ट्रस्ट' (भरोसा) पर बल दिया गया है। इस अभियान में गांगुली के कॅरियर के साथ समानता दिखाई गई है, जो सात साल पहले बैंक लॉन्च होने के तुरंत बाद बैंक के ग्राहक बन गए थे। इस अभियान के जरिए ब्रांड द्वारा इसके ग्राहकों और हितधारकों से अर्जित किए गए विश्वास और भरोसे को दिखाया गया है। फिल्म में गांगुली उन दिनों की याद दिलाते नजर आएंगे जब वह स्टार नहीं थे और मैदान में सिर्फ कुछ ही दर्शक हुआ करते थे। जैसे - जैसे उन्होंने कड़ी मेहनत की, रन बनाना शुरू किया, और खुद को टीम के एक भरोसेमंद सदस्य के रूप में स्थापित किया, उन्होंने लाखों लोगों का विश्वास हासिल किया और अनेकानेक प्रशंसक बने। ठीक उसी तरह, बंधन ने एक एनजीओ के रूप में छोटी शुरूआत की। जैसे ही इसका विस्तार शुरू हुआ और इसके काम को हितधारकों ने माना, और बंधन बैंक ने लोगों का विश्वास हासिल किया। इस नए अभियान 'जहाँ बंधन, वहाँ ट्रस्ट' के बारे में बताते हुए, बंधन बैंक के हेड - मार्केटिंग, अपूर्व सरकार ने कहा, पिछले सात वर्षों में, बंधन बैंक ने 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति बढ़ा ली है, इसके ग्राहकों की संख्या 2.77 करोड़ से अधिक है। इसका बुक साइज 2 लाख करोड़ रु. है। यह बैंक द्वारा हासिल किए गए हितधारकों के विश्वास के कारण संभव हो सका है। दादा (गांगुली) के जीवन का हर कोई साक्षी रहा है। जबकि दादा और बंधन दोनों की जड़ें पश्चिम बंगाल में हैं, लेकिन दोनों ने उन्हें परिभाषित करने नहीं दिया है और देश-दुनिया भर में अपने आप को विश्वसनीय नाम के रूप में स्थापित किया है और लाखों लोगों का विश्वास जीता है।

देश में प्रति व्यक्ति आय 2047 तक 10 हजार डॉलर होगी, जीडीपी 20 हजार डॉलर के करीब पहुंचेगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने बुधवार को कहा कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2047 तक 20,000 डॉलर के करीब पहुंच जाएगा। इससे देश में प्रति व्यक्ति आय 10,000 डॉलर (डॉलर के मौजूदा मूल्य पर) तक पहुंच सकती है। देबरॉय हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) में आयोजित इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को डिजिटल तरीके से संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कहा कि भले ही कोविड-19 महामारी बीत चुकी हो, लेकिन चीन में चीन में कोविड के लौटने, रूस-यूक्रेन संघर्ष, यूरोप और अमेरिका में विकास की आशंकाओं के कारण दुनिया भर में बहुत अनिश्चितता है। देबरॉय के हवाले से आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, अमेरिकी मुद्रा के आज के मूल्य के हिसाब से वर्ष 2047 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय 10,000 डॉलर होगी। जीडीपी का औसत आकार 20,000 अरब डॉलर होगा। यानी भारत एक परिवर्तित समाज होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों समेत लोगों को बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की गई हैं। भारत में कोविड बाद आर्थिक संकेतकों में सुधार हुआ है। हर कोई अब 2023-24 में वृद्धि दर और 2047 तक अर्थव्यवस्था की वृद्धि को देखना चाहता है। देबरॉय ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, यूरोप तथा अमेरिका में आर्थिक वृद्धि की संभावना जैसी चीजों से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के कारण देश को विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और पूंजी बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा, भारत कोई इनसे अलग-थलग नहीं है। ऐसे में हमें भी अस्थिरता का सामना करना होगा। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार, पूंजी बाजार और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। मुद्रास्फीति पर भी इन अनिश्चितताओं का असर होगा। देबरॉय ने कहा कि भारत को एक सरलीकृत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और प्रत्यक्ष कर की आवश्यकता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर हर किसी को सोचना चाहिए।

सीएचसी पर ठंड में ठिठुरने के लिए लोग मजबूर, नहीं जल रहा अलाव

जनसंदेश न्यूज

सुइथाकला। इस कड़ाके की सर्द लहर में जहां शासन प्रशासन अलाव जलाने के लिए जिम्मेदारानों को निर्देश दे रखा है, वहीं स्थानीय सीएचसी मानों उक्त मामले में अपने को परे रखे हुए है। आलम यह है कि इस कड़ाके की सर्द लहर में जहाँ लोग गर्म कपड़ों से लदे घर में दुबककर अपने को ठण्ड से बचाने में लगे हुए हैं, वहीं बुधवार को स्थानीय सीएचसी पर आने वाले मरीज और तीमारदार वहाँ अलाव के अभाव में ठण्ड से ठिठुरते नजर आए। लोग अलाव को लेकर सीएचसी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कोसते नजर आये। सीएचसी पर आने वाले बरौद निवासी जोखन राम ठण्ड लगने की दुहाई देते हुए अलाव की व्यवस्था न होने पर जहाँ नाराजगी जताई वहीं सुइथाकला निवासी रामदवर शासन प्रशासन को कोसते नजर आये। मामले में जब खण्ड विकास अधिकारी सर्वेश मोहन श्रीवास्तव से सम्पर्क साधा गया तो उन्होंने काल रिसीव करना उचित नहीं समझा। जबकि चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर एसपी यादव अलाव का कोई मद न होने का हवाला देते हुए अलाव जलाने की व्यवस्था दो दाईयों पर छोड़ रखने की बात बताई। उन्होंने बताया कि रोज जलाया जाता है, आज नहीं जला होगा। बहरहाल स्थानीय सीएचसी पर अलाव की व्यवस्था न होने के कारण मरीज और तीमारदार कड़ाके की सर्द लहर में ठिठुरते नजर आये। सूत्रों की मानें तो अभी तक सीएचसी अलाव की कोई भी व्यवस्था नहीं है।

रात्रि भ्रमण कर जरूरतमंदों को बांटा गया कम्बल

जरूरतमंद को कम्बल देते भाजपाजन

शाहगंज। भीषण ठंड में भाजपाजनों ने रात्रि भ्रमण कर जरुरत मंदो को कम्बल प्रदान किया। कम्बल पाकर ठंड से कपकपा रहे लोगों के चेहरे खिल उठे। भाजपा के रुपेश जायसवाल के नेतृत्व में नगर के विभिन्न चौराहों, सार्वजनिक स्थानों पर जाकर ठिठुरते लोगों को कम्बल वितरण किया गया। इस पहल में भाजयुमों के महामंत्री धीरज पाटिल, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला सोशल मीडिया प्रभारी वेद प्रकाश जयसवाल, नीतिन अग्रहरि व सामाजिक संस्था जेसीआई शिखर के कई सदस्य भी सम्मिलित थे। रोडवेज परिसर में बनें रैन बसेरा, रेलवे स्टेशन, मुख्य मार्ग, घासमंडी चौक, एराकियाना, कोतवाली चौक, विवेकानंद तिराहा आदि स्थानों भ्रमण कर सैकड़ों कम्बल वितरित किया गया। इस दौरान रुपेश जायसवाल ने कहा कि सरकार नगरपालिका व जिला प्रशासन ठंड से बचाव हेतु जुटी हुई है। हालांकि प्रत्येक व्यक्ति को भी सर्द मौसम में मददगार बनना चाहिए। लोग आगे बढ़ कर कम्बल व गर्मी के कपड़े वितरित करे।

पुण्य के परिणाम से मानव जीवन की होती है प्राप्ति

श्रीराम कथा सुनाते वशिष्ठ महाराज

महराजगंज। क्षेत्र के सवंसा स्थित हनुमान मंदिर पर चल रहे श्री राम मानस कथा के कथा वाचक वशिष्ठ महाराज ने लंका कांड के महत्ता को बताते हुए कहाकि जिस समय रावण की आत्मा निकली उसमें से भी श्री राम का ही नाम निकला। रावण के स्वार्थ व अहंकार ने रावण की लंका को नष्ट कर दिया। इसलिए मनुष्य को जीवन में कभी अहंकार नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहाकि जिस प्रकार रावण ने अंतिम में राम का नाम लिया वह तर गया उसी प्रकार मानव जीवन में यदि राम नाम आ जाये तो जिंदगी तर जाएगी। कथा के अंत में महाराज ने कहाकि श्रीराम का पिता के प्रति आदर व लक्ष्मण के भाई के प्रति प्यार इंसान को बहुत कुछ सिखाता है। हमें अपने बच्चों को भी ऐसे संस्कार देने चाहिए। जीवन में मर्यादा का होना आवश्यक है। वेदों का ज्ञाता रावण अगर मर्यादा लांघकर सीता माता का हरण न करता तो शायद उसका वध न होता। उन्होंने कहा कि राम हमारी संस्कृति हैं। हमें अपने बच्चों को उनके आदर्शों व संस्कारों के बारे में बताना चाहिए, ताकि वे संस्कारवान बनकर अनुशासन में रहें। इस दौरान कथा आयोजन समिति में पुजारी श्यामशंकर उपाध्याय, भाजपा मंडल अध्यक्ष यादवेंद्र प्रताप सिंह, केवटली ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश सेठ, उदयपाल सिंह, शीतला मौर्या, राहुल मिश्रा, राजीव सिंह, रामआसरे पाण्डे, ओमकार सिंह, ज्वाला प्रसाद, ओमकार सिंह, भोला प्रसाद सेठ, शिवपूजन सेठ, सूरज सिंह सहित आदि सैकड़ों भक्तगण उपस्थित रहे।

संक्षेप

कानपुर को पराजित कर जेसीएफ जौनपुर सेमीफाइनल में

जौनपुर। राज्य स्तरीय यादवेश क्रिकेट मेले में खेले गए मुकाबले में जेसीएफ जौनपुर की टीम ने कानपुर को 80 रन से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेसीएफ जौनपुर की टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 179 रन बनाए संदीप ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन का योगदान दिया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की टीम 99 रनों पर सिमट गई। अनुज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 27 रन देकर 5 विकेट लिया। मैच के मैन ऑफ द मैच संदीप रहे। मैच के अंपायर मोहम्मद अनीस और संदीप सिंह रहे। कमेंट्री मंगल यादव और दीपक यादव ने किया। स्कोरर हरिओम निगम रहे। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अमरीश उपाध्याय के द्वारा दिया गया।

सुरियावां रेलवे स्टेशन पर नही है ठहरने की व्यवस्था

सुरियावां। इन दिनों कड़कड़ाती ठंड में सुरियावां रेलवे स्टेशन पर अलाव जलाने की कोई व्यवस्था नहीं है। प्लेटफार्म नंबर दो पर एक हैंडपंप लगा था वह गत सप्ताह से पानी नहीं दे रहा है, बिगड़ा हुआ है, पेयजल की दिक्कत है। दूसरी तरफ इस शीतलहर में देखा जाए तो लोकमान्य तिलक से गोरखपुर जाने वाली काशी एक्सप्रेस ट्रेन 10.35 समय था 3.22 पर सुरियावां आई जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। इस संबंध में यात्रियों ने बताया कि शुरू से ही ट्रेन लेट चल रही थी, इसमें हम लोगों को काफी परेशानी हुई अपने घर समय से नहीं पहुंच पाए और बाकी जो ट्रेनें हैं बुंदेलखंड एक्सप्रेस ट्रेन यह भी 10.20 मिनट के अंतर से लेट चली है। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस 15 मिनट इस तरह से बाकी और ट्रेनों की हालत करीब-करीब ठीक रही है स्टेशन पर कोई यात्री विश्राम स्थल नहीं है। इससे लोग स्टेशन पर आते हैं देर हो जाती है तो अपने घर फोन करके साधन बुलवाकर घर चले जाते हैं रात्रि में ठहरने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। इस संबंध में स्टेशन मास्टर संदीप कुमार ने बताया कि केवल लोकमान्य तिलक से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन ज्यादा विलंब से आई है बाकी ट्रेनों में बहुत खास अंतर नहीं है। सफाई व्यवस्था के लिए कोई सरकारी सरकार के तरफ से कोई व्यवस्था नहीं है जिससे प्लेटफार्म पर जगह-जगह गंदगी रहती है। सप्ताह में प्राइवेट आदमियों से निजी खर्चे से सफाई कराई जाती है।

सीएमओ ने किया इमरजेंसी कक्ष का निरीक्षण

ज्ञानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सन्तोष कुमार चक व अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बुधवार को इमरजेंसी कक्ष का औचक निरीक्षण किया। सीएमओ व एसीएमओ के निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी कक्ष में फार्मासिस्ट डॉ. असलम अंसारी व स्वास्थ्यकर्मी आलोक पांडेय एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहें।

काव्य गोष्ठी आज

ज्ञानपुर। साहित्यिक संस्था हिंदी साहित्य परिषद के तत्वावधान में आज हनुमत निकेतन पुरानी बाजार ज्ञानपुर में नव वर्ष के स्वागत में दोपहर 12 से काव्य गोष्ठी संपन्न होगी। यह जानकारी हिंदी साहित्य परिषद के सचिव डॉ सुरेश पांडेय मंजुल ने दी है।

चुनाव छह जनवरी को

ज्ञानपुर। राजस्व संग्रह अमीन संघ उत्तर प्रदेश के जिलामंत्री विद्याधर चौबे ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जिला कार्यकारिणी का चुनाव 6 जनवरी को प्रातः11बजे से तहसील ज्ञानपुर में आहूत की गयी है। बताया कि उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ में प्रांतीय अध्यक्ष महामंत्री द्वारा जनपद एवं मण्डलो की कार्यकारिणी का गठन कराकर प्रांतीय नेतृत्व को अविलम्ब निर्देश दिये है।

भीषण ठंड में अलाव जलाने की उठी आवाज

भदोही। नगर के कई मोहल्ले में अलाव नहीं जलाए जा रहे हैं जिसको लेकर मोहल्ले वासियों में आक्रोश व्याप्त है। वार्ड नंबर 25 के निवासियों ने अधिशासी अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मस्जिद के पास अलाव जलाने की मांग की ताकि आने जाने वाले राहगीरों समेत नमाजी ठंड से बच सके। मांग पत्र देने वालों में तारिक, नुरैन, सलमान, चांद बाबू, नसीम अहमद, आरिफ, हाफीज जी, मोनू समेत लोग शामिल रहे।

दंगल का हुआ आयोजन, भीषण ठंड में भारी संख्या पहुंचे लोग

आयोजन

लकी थापा ने ठाकुर जल्लाद पहलवान को किया चित

महिला पहलवानों ने की जोर आजमाइश

पहलवानों का हाथ मिलवाकर दंगल का शुभारम्भ करते अतिथिगण

खेतासराय। क्षेत्र के उसरहटा स्थित आजाद रेलवे क्रासिंग के समीप मंगलवार की दोपहर दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे गैर प्रान्तों से आये हुए पहलवानों ने हिस्सा लिया। भीषण ठंड में कुश्ती देखने के लिए देर शाम तक लोग जमे रहे।

उद्घाटन मुकबला जौनपुर के भोलू पहलवान व दिल्ली के सोनू पहलवान के बीच कुश्ती हुई जिसमें टक्कर के बाद मुकाबला बराबर का हो गया। दूसरा मुकाबला काठमांडू नेपाल से आये पहलवान लकी थापा व हरियाणा से आये हुए जल्लाद पहलवान से सीधी टक्कर हुई जिसमें कड़ा मुकाबला देते हुए थापा ने जल्लाद पहलवान की चित कर खूब वाहवाही लूटी। वहीं महिला पहलवानों ने भी अपना करतब दिखाया। कानपुर से आयी महिला पहलवानों की टक्कर सोनीपत हरियाणा की पहलवान ब्यूटी से टक्कर हुई जिसमें हरियाणा की पहलवान ने कानपुर की पहलवान को पटखनी दी और मुकाबला अपने नाम किया। इसी क्रम में कश्मीर से आये रियाजुद्दीन पहलवान का मुकाबला काशी के गोपी पहलवान के बीच हुआ जिसमें कश्मीरी पहलवान ने कांटे का मुकाबला अपने नाम किया। एक से बढ़ कर एक मुकाबला दर्शकों को देखने को मिला। भीषण ठण्ड में देर शाम तक दर्शक कुश्ती देखने के लिए डटे रहे। दंगल का उद्घाटन सपा नेता सैय्यद उरूज ने फीता काटकर अखाड़े के दोनों पहलवानों को हाथ मिलाकर किया। इस अवसर पर मिर्जा अजफर बेग, प्रधान नदीम अहमद, नोमान अहमद, खुर्शीद अनवर खान, वसीम अहमद चेयरमैन, सरफराज अहमद, अबु सहमा, गुफरान अहमद, प्रधान मो. खालिद आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में दंगल के आयोजक कमाल खान ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

पोप का जाना सम्पूर्ण विश्व के लिए अपूर्णीय क्षति : फादर पी विक्टर

शोक

आत्मा की शांति के लिए विद्यालय में प्रार्थना-सभा का आयोजन

पोप को श्रद्धांजलि अर्पित करता विद्यालय परिवार

जौनपुर। सेंटजॉन्स स्कूल सिद्दीकपुर में दिवंगत निवर्तमान पोप वेनिडिक्ट सोलहवें की याद में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिनका देहावसान 31 दिसम्बर 2022 को वेटिकन सिटी में हुआ था। दिवंगत पूर्व पोप के अंतिम शब्द थे 'ईश्वर मैं आप से प्रेम करता हूँ'। उनका जन्म 16 अप्रैल 1927 ई को मार्कटल, जर्मनी में हुआ था। 19 अप्रैल 2005 से 28 फरवरी 2013 तक आपने पोप के रूप में कैथोलिक चर्च के प्रमुख की भूमिका निभाई। उनकी स्मृति में आज के दिन सम्पूर्ण विश्व में प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सेंटजॉन्स स्कूल के प्रधानाचार्य फादर पी विक्टर ने विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया। प्रार्थना-सभा में गिरीश गुप्ता द्वारा दिवंगत पूर्व पोप के जीवन के बारे में जानकारी दी गई। दीप्ती कश्यप ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किया। समीना फारूकी ने पवित्र ग्रन्थ का पाठ किया। सुनीता दुबे ने दिवंगत पोप के अंतिम शब्द 'लार्ड आई लव यू' पर विचार प्रकट करते हुए पोप के ईश्वरानुराग को दर्शाया। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पूर्णिमा पाठक ने प्रार्थना किया। दीप्ती कश्यप के नेतृत्व में अध्यापिकाओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भजन गाया। प्रार्थना-सभा के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर पी विक्टर ने दिवंगत पूर्व पोप की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया और कहाकि निवर्तमान पोप वेनेडिक्ट सोलह ने अपना सम्पूर्ण जीवन धर्म की सेवा में अर्पित कर दिया था, उनका जाना कैलिसिया एवं सम्पूर्ण विश्व के लिए अपूर्णीय क्षति है। पोप वेनिडिक्ट सोलहवें ने जर्मनी में रहते हुए नाजी विचारधारा के अत्याचार एवं दर्द को देखा और सहा था इसलिए जीव मात्र के प्रति करुणा एवं दया की विशेष भाव-धारा आपके हृदय में सदा प्रवाहित होती रहती थी। उनका जीवन कैलिसिया के साथ-साथ दीन दुखियों के लिए अर्पित रहा। उनके सम्मान में कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित विश्व भर के समस्त स्कूल एवं कॉलेज कल 5 जनवरी को बंद रहेंगे। इस विशेष प्रार्थना सभा में विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उपस्थित होकर दिवंगत निवर्तमान पोप को पुष्पांजलि अर्पित किया।

विकास कार्य की जांच के लिए टीम गठित

जनसंदेश न्यूज

जांच

एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट देने का निर्देश

ज्ञानपुर। भदोही ब्लॉक के तुलसीचक और परगासपुर में कराए गए विकास कार्यों और मनरेगा भुगतान की जांच होगी। शिकायत पर डीएम गौरांग राठी के निर्देश पर डीपीओ और भूमि संरक्षण अधिकारी को जांच अधिकारी नामित किया गया।

एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट देने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। तुलसीचक निवासी अजय कुमार यादव ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि महत्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में ग्राम प्रधान ने बेटे, भाई, भतीजों के नाम जाबकार्ड बनाकर फर्जी तरीके से भुगतान किया जबकि सभी वाराणसी और भदोही में निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। इसके अलावा समतलीकरण के नाम पर भी मनरेगा में धांधली की गई। इसके अलावा हैंडपंप रिबोर, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मदों में भी गड़बड़ी की गई। राशन कार्ड के सत्यापन में कई करोड़पति लोगों को सचिव ने पात्र बना लिया। डीएम के निर्देश पर सीडीओ ने डीपीओ, जिला प्रोबेशन अधिकारीद्ध शत्रुघ्न कन्नौजिया को जांच अधिकारी नामित किया। इसी तरह परगासपुर गांव में भी ग्रामीणों की शिकायत पर भूमि संरक्षण अधिकारी को जांच अधिकारी बनाया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी राकेश कुमार यादव ने कहा कि तुलसीचक और परगासपुर में जांच अधिकारी नामित किए गए हैं। एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट आने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई तय की जाएगी।

खादी एक वस्त्र ही नहीं एक विचार धारा है: अनिरुद्ध

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते जिपं अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी व विधायक दीनानाथ भास्कर

आयोजन

खादी ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी का जिपं अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

हर हुनरमंद हाथों को काम मिले इस दिशा में खादी बोर्ड सक्रिय

गोपीगंज। खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा रामलीला मैदान, मीरजापुर रोड, गोपीगंज में आयोजित जनपद स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योगी वृहद प्रदर्शनीश्का जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोपीगंज प्रहलाद दास गुप्ता व अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा चरखे पर सूत कातकर व प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टालों के उत्पादों का अवलोकन व महत्व पर चर्चा किया गया।अतिथियों द्वारा दस लाभार्थियों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल एक करोड़ 72 लाख रुपए का डेमो चेक वितरण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी और विधायक दीनानाथ भास्कर ने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी विंध्याचल मंडल मीरजापुर ध्यानचंद ने खादी के उत्पादों के विक्रय व प्रचार-प्रसार पर बल दिया। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी भदोही अमितेश कुमार सिंह ने बताया कि 3 जनवरी से 12 जनवरी तक आयोजित दस दिवसीय खादी मेले के द्वारा खादी के उत्पादों ,स्थानीय हस्तशिल्प व खादी विचार धारा का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इस दौरान मिजार्पुर के लोक गीत गायक मंचासीन लोगो के लिए स्वागत गीत गा कर मंत्रमुग्ध कर दिए। इस दौरान प्रमुख रूप से गिरजा प्रशाद,मो सलीम, महेंद्र मिश्रा,नागेंद्र मिश्रा, राजेश कुमार सिंह,जिला सूचना अधिकारी पंकज कुमार,रवि पाण्डेय समेत लोग रहे।

कटरा डीघ में विवादित स्थल पर हो रहे निर्माण को राजस्व व पुलिस टीम ने रोकवाया

ज्ञानपुर। कोइरौना थाना क्षेत्र के डीघ ग्राम पंचायत के कटरा बाजार में विवादित भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य को राजस्व और पुलिस की टीम ने रोकवा दिया। बताते चलें कि डीघ गांव के कटरा बाजार स्थित एक भूमि का मामला न्यायालय में चल रहा है। बाबजूद इसके एक पक्ष के लोग इस पर जबरन निर्माण को आमादा है। इस मामले में डीघ गांव निवासी राजेश कुमार चौबे ने इस स्थल पर हो रहे निर्माण को रोकने की गुहार राजस्व अफसरों से लगाई थी। इस मामले में पहले एडीएम और एसडीएम कोर्ट ने निर्माण कार्य रोककर यथास्थिति का आदेश दिया था, जिस पर आज राजस्व निरीक्षक अनिल तिवारी ने लेखपाल और कटरा चौकी पुलिस के साथ मौके पर पहुंच कर निर्माण कार्य को रोक दिया। मामला कोर्ट में होने की जानकारी दोनों पक्षकारों को देते हुए कानूनगो ने किसी तरह का निर्माण नहीं करने की हिदायत दोनों पक्षों को दी है।

समाजसेवी ने गरीब बच्चों में वितरित की पाठ्य सामग्री

करंजाकला। क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत पतहना में नव वर्ष के अवसर पर समाजसेवी द्वारा गरीब बच्चों को कॉपी कलम और मिष्ठान बांटे गए। पिछले कई सालों से समाजसेवी विनय द्वारा ऐसे सराहनीय कार्य किए जाते है। इसके पूर्व उन्होंने ठंड को देखते हुए बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों को कंबल भी वितरित किया था। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को ग्राम सभा पतहना के बच्चों को कॉपी, कलम और मिष्ठान बांटे। इस अवसर पर ग्राम प्रधानपति चंद्र भुवन, जितेन्द्र कुमार अध्यापक आदि लोग उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में चालीस अभ्यर्थियों का चयन

रोजगार मेले में मौजूद अभ्यर्थी

भदोही। जिला सेवायोजन कार्यालय भदोही एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान फत्तूपुर भदोही एवं कौशल विकास मिशन भदोही के संयुक्त तत्वाधान में एमबी एण्ड सन्स प्राईवेट आईटीआई सिंघापुर सारीपुर में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला का आयोजन बुधवार को किया गया। रोजगार मेले में कुल 8 कम्पनियों ने प्रतिभाग में किया, जिसमें में लगभग 450 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, तदोपरान्त 250 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर कुल 40 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेला के मुख्य अतिथि औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर ने बेरोजगार अभ्यर्थियों को मिशन रोजगार के बारे में बताया उक्त के अतिरिक्त प्रदेश सरकार की चल रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी अभ्यर्थियों को विस्तृत रूप से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी शिवानी , प्रधानाचार्य सत्यदेव दूबे, कौशल विकास मिशन के प्रबन्धक शैलेन्द्र यादव, एमबी एण्ड सन्स से शिवबहादुर विजय बहादुर, अमरनाथ शर्मा सेवायोजन के वरिष्ठ सहायक लव कुमार मिश्र, वीरेन्द्र कुमार यादव, योगेन्द्र कुमार, कृपाशंकर एवं एमबीएण्ड सन्स प्राईवेट आईटीआई के समस्त स्टाफ के लोग उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

पैरोकारों के साथ गोष्ठी कर एएसपी ने दिया दिशा निर्देश

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। जनपद के थानों में नियुक्त समस्त पैरोकारों के साथ बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने बैठक किया। बैठक में एएसपी ने न्यायालय से जारी होने वाले प्रासेस वसूली वारंट का शत प्रतिशत तामीला सुनिश्चित कराए जाने के संबंध में कड़े निर्देश दिए गए। न्यायालय में सुनवाई के दौरान चल रहे जिन मुकदमों में आरोपी तारीख पर ससमय उपस्थित नहीं हो रहे हैं, उन्हें जरिए जमानतदार समक्ष न्यायालय उपस्थित कराएं जाने के सम्बंध में भी निर्देशित किया।

गोष्ठी के दौरान पैरोकारों को जरूरी निर्देश देते एएसपी राजेश भारती

ग्रामीण अंचल के खिलाड़ी देश के भविष्य: आशीष सिंह

जनसंदेश न्यूज

एसीबी हैंडर्म क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन करते जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह

सुरियावा। क्षेत्र के अभिया बाजार में एसीबी हैंडर्म क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह ने किया।

जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह ने कहा कि खेल से शारीरिक मानसिक विकास होता है और यह ग्रामीण अंचल के जो खिलाड़ी हैं ये आज नहीं कल हमारे देश के भविष्य है, इन्हीं में से कोई चल करके प्रदेश और देश के लिए खेलेगा।

आयोजन समिति अध्यक्ष अजय साव उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता कोषाध्यक्ष राम कुमार साव ने जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह को माला पहनाकर स्वागत किया। युवा समाजसेवी दिनेश कुमार यादव दादा ने कहा है कि खेल हमारे शारीरिक मानसिक व बौद्धिक विकास में सहायक हैं। युवा पीढ़ी को अध्ययन के साथ खेलों पर पूरा ध्यान देना चाहिए।

व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश वर्मा ने कहा कि खेल से आपसी भाईचारे का प्रतीक है खेल को खेल की भावना से खेलनी चाहिए। इस अवसर पर राकेश वर्मा दिनेश यादव दादा, धीरज सिंह, पूर्व प्रधान सुरेंद्र विश्वकर्मा, डॉ. जय नाथ, एकाली प्रसाद, अच्छे लाल गुप्ता, जितेंद्र प्रजापति, फूलचंद साहू, पवन, सलीम अली, राजेश हलवाई, पूर्व प्रधान जयप्रकाश गौतम, अमन सरोज, अजय, अनिल गुप्ता, रामकुमार काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कोई यूं ही नहीं बन जाता रघु राय

कलाकार-लेखक के अलावा कुशल छायाकार भी हैं गणेशन

दिग्गज फोटोग्राफर रघु राय और बनारस पर लिखी पुस्तक

बनारस प्रवास के दौरान रघु राय के साथ मिला था सानिध्य

कोरोना काल की आपदा को घाटों पर कैमरे में किया था कैद

राधेश्याम कमल

काशी के डा. राधाकृष्ण गणेशन पिछले चार दशकों से छायांकन कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व भी एक विशाल कैनवास की तरह है। बनारस में रह कर यहां पर फोटोग्राफी करना उनका शौक रहा है जो आज तक लगातार जारी है। चार दशक पूर्व (वर्ष 1980) में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के विजुअल आर्ट्स शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद भारत कला भवन में 1990 में बतौर सीनियर आर्टिस्ट के पद पर नौकरी शुरू की। डा. राधाकृष्ण गणेशन ने कई पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया। कोरोना काल के दौरान 2020 में जब पूरा शहर सूनसान पड़ा था उस दौरान विरान पड़े गंगा घाटों पर जाकर फोटोग्राफी कर उन चित्रों को कैमरे में कैद किया। जो आज भी उस कोरोना काल की विभीषिका को दर्शाते हैं। फोटोग्राफी के दिग्गज रघु राय पर उन्होंने रघु राय और बनारस पुस्तक की रचना की। जो दुर्लभ के साथ ही संग्रहणीय भी है।

बनारस सुख, समृद्धि सुकून एवं मोक्ष का शहर है, बनारस गलियों, घाटों, मंदिरों, फक्कड़ियों, विद्वानों एवं रहस्यों का शहर है, राह चलते शांत अनमोल खजानों से मुलाकात हो जाना यहां आम है। ऐसे ही खजानों को खोज-खोज कर सामने लाने में लीन हैं विविध गुणों से संपन्न काशी के कलाकार डॉ. राधाकृष्ण गणेशन। रहस्यों के अथाह सागर में गोता लगाते हुए एक अनजान यात्रा पर निकल जाना और डूबकर आंखों के सामने छाए हुए धुंधलके को छांटते हुए एक ऐसे अनजान मंजिल तक पहुंच जाना जहां वह और कई ऐसे रहस्यों से संवाद करने में सफल हो जाते हैं जिसका उन्हें भान तक नहीं होता, कुछ ऐसी ही यात्रा लगभग हर रचनाशील व्यक्ति की होती है। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, काशी विद्यापीठ वाराणसी से व्याख्याता का सफर तय करते हुए भारतीय संग्रहालयः प्रचार तथा विपणना' विषय पर पीएचडी के साथ ही भारत कला भवन संग्रहालय में सीनियर आर्स्टिस्ट के पद पर कार्यरत रहे। उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हैं, आलेख निरंतर तमाम पत्रिकाओं को समृद्ध करती रहती हैं। छायांकन में डी एल बोहरा जैसे गुरु का सानिध्य उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। 10 सितंबर 1962 में काशी में जन्में डॉ आर गणेशन की हाल ही में प्रकाशित 'रघु राय और बनारस' एक महत्वपूर्ण कृति है। संस्कृति, संग्रहालय, लोक कला परंपरा, धरोहर जैसे तमाम विषयों पर ज्ञानवर्धक पुस्तकों एवं आलेखों के प्रकाशन के साथ ही तमाम एकल एवं सामूहिक प्रदर्शनियों में वह लगातार पुरस्कृत भी हुए हैं। काशी के (हनुमान घाट) में ही जन्मे, पले-बढ़े डॉ. राधाकृष्ण गणेशन की प्रारम्भ से ही चित्रकला, आन्तरिक सज्जा, संगीत, अभिनय, लेखन आदि अनेक विषयों में रूचि थी, जिसमें इन्होंने उपाधियाँ भी अर्जित की। इनकी भारतीय कला एवं संस्कृति के विविध पक्षों के अध्ययन में भी गहरी रुचि एवं पैठ है जो इनके विविध पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-पत्रों, लेखों व पुस्तकों से स्पष्ट है। इन्होने चित्रकला, क्राफ्ट, कोलम आदि विषयों पर अनेक प्रदर्शनियां, कार्यशालाए की एवं स्कूलों में इन कलाओं को प्रोत्साहित भी करते रहे। बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा पर अनेक पुस्तकें लिखीं, एवं हिंदी शोध पत्रिका शाश्वत का सम्पादन भी किया।

जनसंदेश टाइम्स
डा. राधाकृष्णन गणेशन से
खास मुलाकात

छाया चित्रण में है विशेष अभिरुचि

डॉ.गणेशन का छायाचित्रण में विशेष अभिरुचि है। सन् 1995 में इन्हें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित हॉबी सेन्टर में यहॉ के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को पारम्परिक फोटोग्राफी में प्रशिक्षित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान इन्होंने अनेक कार्यशालायें, व्याख्यान एवं विविध विषयों पर छायाचित्र प्रदर्शनियॉ भी आयोजित की। प्रारम्भिक प्रमुख प्रदर्शनियों में एगेइन्स्ड द लाइट-1998, फोकस-1999, आरोरा-2003, वात्सल्य,2003 आदि हैं। इनके छायाचित्र एवं आलेख देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में अनवरत प्रकाशित होते रहते हैं ।

कोरोना काल की भयावह तस्वीरों को किया कैद

कोरोना काल में घाटों पर व्याप्त काटने को दौड़ता सूनापन, भयावह दिखती सड़के, हलचल विहीन नजर आती गंगा, यात्री और नाविक की प्रतीक्षा में नाव, नावों के बीच से और भी रूद्र रूप में झांकता सूरज, खाने की तलाश में सुनसान घाटों पर भटकते बंदर, कुत्ते, गाय, निरीह आंखें, दाने को भटकता कबूतरों का झुंड जैसे विषय आपके छायांकन में रहे हैं, जो बरबस ही उस दौर के विभीषिका को बयां कर रहे हैं। ऐसे समय में जबकि बाहर निकलना खतरों से खेलना था, कितने मुश्किलों के बीच मिले होंगे ऐसे फोटोग्राफ्स, कला को लेकर ऐसी दीवानगी आर. गणेशन के यहां ही संभव है शायद ही लॉकडाउन के समय की ऐसी तस्वीरें कहीं देखने को मिलें सिवाय गणेशन के संग्रह के।

चार दशकों से कर रहे हैं बनारस पर छायांकन

डॉ.गणेशन पिछले चार दशकों से बनारस को छायांकित कर रहे हैं, जो अब इनका खास शौक बन चुका है। वर्तमान में बनारस की विरासत के संरक्षण, संवर्धन की दिशा में आधुनिक डिजिटल कैमरे से भी अंकन कर बनारस की देखे-अनदेखे विविध पहलुओं को प्रस्तुत करने हेतु ये अनवरत प्रयासरत हैं। इनके ऐसे विविध छायाचित्र (लगभग 500 से भी अधिक) देश-विदेश के कई फोटोग्राफिक संस्थानों द्वारा पुरस्कृत एवं उनकी दीघाओं हेतु चयनित हो चुके हैं। बनारस श्रृंखला में इनकी अनेक प्रदर्शनियां भी विविध शहरों पर आयोजित हो चुकी हैं। इनकी दो फोटो पुस्तक अल्बम साधुज आफ बनारस तथा ह्यरघुराय एंड बनारस भी प्रकाशित हुई है। बनारस विषय पर अन्य पुस्तकें भी प्रकाशनाधीन हैं। श्री गणेशन ने बनारस के सौन्दर्य को ही अपने छायांकन का विषय नहीं बनाया, अपितु उसके धार्मिक, आध्यात्मिक तथा ऐतिहासिक बिन्दु को भी समाहित करते हुए, यहॉ की जीवन शैली को अपने अर्जित अनुभव व ज्ञान द्वारा प्रत्यक्ष दशार्ने का प्रयास किया है। इसके अतिरिक्त संग्रहालय विज्ञान, चित्रकला में भी इनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हैं। इन्होंने हिंदी के विकास हेतु हिंदी शोध पत्रिका शाश्वत का सम्पादन भी किया। बचपन से ही मां-पिता द्वारा दिए गए संस्कार को पाकर चित्र बनाने की जो शुरूआत हुई जो धीरे-धीरे बहुत दूर तक पहुंच गई। दृश्य कला संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय से व्यावहारिक कला में शिक्षा, दक्षिण भारतीय पारिवारिक परिवेश तथा काशी कला संगीत से भरी-पूरी धरती का योगदान रहा। वेद, भारतीय संस्कृति और परंपरा का ज्ञान भी कृतियों में साफ झलकता है। चित्रकला के साथ ही संगीत, साहित्य,फोटोग्राफी, कंप्यूटर ग्राफिक्स पर भी अच्छी पकड़ है।

पल-पल अपने विषय क्षेत्र को पैना बनाया

डा. राधाकृष्ण गणेशन कहते हैं कि ऐसे ही कोई रघु राय नहीं बन सकता है। उसके लिए पल-पल अपने विषय क्षेत्र को पैना बनाये रखना पड़ता है। छायांकन की दुनिया में रघु राय एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने पिछले सात-आठ दशकों से विश्व पटल पर अपनी खास पहचान बनायी है। उनकी फोटोग्राफी की यात्रा की शुरूआत एक लंबी व जटिल प्रक्रिया से हुई थी। उस समय उपर्युक्त संसाधनों की कमी थी। रघु राय का बनारस सबसे प्रिय शहर था। रघु राय का मानना था कि काशी अब आधुनिकता व वैश्विकरण की ओर उन्मुख होता जा रहा है। लेकिन जनसाधारण की आस्था इस शहर की प्रधानता है। रघु राय का कहना था कि काशी जो मोक्ष की नगरी के नाम से प्रसिद्द है। कुछ लोग इसे शिव की नगरी भी कहते हैं। हिंदुत्व व उसके उद्भव को समझने की दृष्टि से मेरे सबसे पसंदीदा शहरों में से एक काशी है। रघु राय सर्वप्रथम 1975 में बनारस आये थे। तब से वह इस शहर के प्रति अनवरत खिंचाव सा महसूस कर रहे थे। उनका कहना था कि बनारस के घाटों पर एक ओर जहां जन्म व विवाह के उत्सव व अन्य मांगलिक कार्य संपादित होते हैं वहीं मृत्यु के पश्चात अंतिम संस्कार भी सम्पन्न होते हैं। यह शहर पर्यटकों के लिए सदैव आकर्षण का केन्द्र रहा है।

दिग्गज छायाकार रघु राय का बनारस से रहा गहरा नाता

फोटोग्राफी के जादूगर रघु राय का बनारस से काफी गहरा नाता रहा है। एक छायाकार होने के नाते काफी लंबे समय से राधाकृष्ण गणेशन रघु राय के शानदार व्यक्तित्व के फोटोग्राफी की पेचीदगियों को करीब से देखना चाहते थे। उनका सपना वर्ष 2020 में महाशिवरात्रि पर बनारस प्रवास के दौरान पूरा हुआ। राधाकृष्ण गणेशन काशी प्रवास के दौरान रघु राय के साथ पांच दिनों तक उनके साथ रह कर उनके अनुभव व छायांकन की बारीकियों को सीखें और समझने का प्रयास किया। इसके साथ ही रघु राय के अविस्मरणीय पलों को अपने कैमरे में कैद किया। बाद में उन्होंने रघु राय और बनारस पुस्तक की रचना की। रघु राय पर लिखी गई यह पुस्तक अपने आप में दुर्लभ व संग्रहणीय है। आर. गणेशन बताते हैं कि वह अपने छात्र जीवन से ही फोटोग्राफी के दिग्गज रघु राय का प्रशंसक रहा। लाइब्रेरी में उनकी फोटोग्राफी की पुस्तकें देख कर वह उत्साहित व प्रेरित होते रहे। उनके बारे में और भी जानने व समझने की इच्छा मन में उठती रही। उनके लिए गये फोटो की तकनीक समझने के लिए पत्र-पत्रिकाओं में उनका लेख व इंटरव्यू भी पढ़ते रहे। कहते हैं कि इंडिया टुडे व इलस्ट्रेटड वीकली जैसी पत्रिकाओं में उनके चित्र उन्हें अचम्भित करते रहे।

गणेशन की कृतियों में सीमा से परे जाकर प्रयोग की गुंजाइश

आर गणेशन का कहना है कि मेरे प्रत्येक सर्जना के प्रायः आयाम होते हैं। प्रथम सतही या सामान्य बिंब और दूसरा मिथकीय अथवा तात्विक आयाम'। कलाकार आर. गणेशन के ये शब्द उनके रचना प्रक्रिया एवं उद्देश्य को बहुत ही सटीक तरीके से बयां करते हैं। उनकी कृतियों में सीमा से परे जाकर प्रयोग की गुंजाइश है, अधिकतर कृतियां बिना पेंसिल एवं तुलिका से बनाई गई हैं। सूखा एवं कोमल रंग, सशक्त स्ट्रोक, रेखाओं का मंझा हुआ खेल, लयात्मक एवं कई परतों में छिपी हुई संवेदनात्मक भावनाओं से ओतप्रोत कृतियां विषय के साथ पूर्णतः न्याय करती दिखाई पड़ती हैं। उनकी कृति 'स्वच्छ गंगा-३' में जल एवं मछलियों के आपसी सामंजस्य को दर्शाया गया है। गंगा को स्वच्छ रखने हेतु मछलियों की आवश्यकता, जल का चलायमान होना जैसे गंभीर मुद्दों को लयात्मक प्रवाही धाराओं एवं रंगों के हल्के-गहरेपन से इतनी बारीकी से संवारा गया है कि स्वच्छता खुद-ब-खुद प्रदर्शित हो जा रही है। मछली और जल का अंकन एवं रंग संयोजन एक-दूसरे में इस कदर घुल-मिल गए हैं कि अलग कर पाना मुश्किल हो जाता है। उनकी स्वच्छ गंगा पर पूरी श्रृंखला तैयार होने को है। गणेश श्रृंखला भी बहुत ही महत्वपूर्ण बन पड़ी है, कागज पर सूखे रंग तथा अंगूठे से दिया गया उस पर लयात्मक और संतुलित आघात, समृद्ध संयोजन, कागज की सफेदी का सार्थक उपयोग और गणेश के कई-कई भाव कलाकार आर गणेशन को और समृद्ध बनाते हैं।

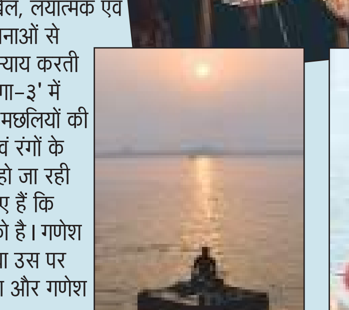

अपने उद्देश्य में कितने सफल हैं राहुल

ध्यान खींचा है

कितना लोगों को जोड़ रही भारत जोड़ो यात्रा

राहुल ने दक्षिण से उत्तर भारत तक यात्रा इसलिए शुरू की थी कि वे जान सकें कि भारत में क्या लोग वैसे ही हैं, जैसा कि राष्ट्रीय चैनल या अखबार उसे दिखाते हैं। उन्होंने ही मान लिया कि ऐसा नहीं है। देश में नफरत का माहौल नहीं है जैसा कि दिखाया या बताया जाता है। दिल्ली में संबोधन के दौरान इसे उन्होंने स्वीकार किया था और अब भारतीय राजनीति के मर्मस्थल यूपी के पश्चिमी हिस्से को स्पर्श करते हुए जानना चाहा है कि क्यों प्रदेश का हिस्सा वैसा ही है या बदल चुका है। उनकी स्वीकार्यता कुछ है या नहीं। बुधवार को लोग उन्हें देखने, जानने और समझने के लिए जुटे और संवाद भी किया और उसकी नतीजा भी बताया।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में एंट्री के समय यात्रा को हिट करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। समूचे उत्तर प्रदेश से ज़िला स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक के कार्यकर्ताओं ने यूपी बॉर्डर पर डेरा डाल दिया। राहुल गांधी जब दिल्ली से लोनी बॉर्डर के जरिए यूपी में दाखिल हुए तो कांग्रेस की कोशिशें प्रभावी दिखीं।

ऐसी किसी भी रैली में भीड़ का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। जहां तक नजर जाए और उससे पार भी सिर्फ. लोगों का हुजूम था। लोनी और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग पूरे रास्ते पर कतारबद्ध खड़े थे। इनमें बड़ी तादाद में महिलाएं भी थीं जो राहुल गांधी की एक झलक पाना चाहती थीं। ऐसी ही दो बुजुर्ग महिलाओं का कहना था कि राहुल गांधी को देखना है, कभी देखा नहीं है इसलिए देखना है। हमें आकर अच्छा लगा, आगे चल कर अगर वो कुछ करके दिखाते हैं तो उन्हें वोट भी दे सकते हैं।

ये महिलाएं कहती हैं, हमारी गली में पानी की टंकी तक नहीं है। महंगाई बहुत ज्यादा है। गैस सिलेंडर देखिए कहां पहुंच गया है.।अगर राहुल इस बारे में कुछ करते हैं तो बहुत अच्छा होगा। कुछ बुजुर्ग महिलाएं ऐसी भी थीं जिनकी जुबान पर राजीव गांधी का नाम था। हालांकि बाद में उन्होंने अपने आप को दुरुस्त करते हुए कहा कि वो राहुल को देखने आई हैं। कांग्रेसी वर्कर्स के अलावा बड़ी तादाद में ऐसे आम लोग भी थे जो कौतूहल की वजह से ये देखने आए थे कि यात्रा कैसी चल रही है। एक सवाल यह भी उछला कि भीड़ तो बहुत ज्यादा है, पर क्या ये वोट में बदलेगी। इस पर तो अभी संदेह है। कई संगठनों के सदस्य भी राहुल गांधी से मुलाकात करके उन्हें अपने मुद्दों पर जानकारी देने का प्रयास कर रहे थे। गाज़ियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन से जुड़ी सीमा त्यागी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ राहुल गांधी से मिलीं। उनका कहना था कि एक देश, एक शिक्षा एक बोर्ड ही हमारी मांग है, जब तक हिंदुस्तान के सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक भारत विकसित नहीं होगा। हमें राहुल गांधी से उम्मीद है कि वो समान शिक्षा की दिशा में कुछ करेंगे। इस यात्रा में बड़ी तादाद में ऐसे युवा भी थे जो राजनीतिक रूप से तटस्थ हैं, लेकिन यहां आकर यात्रा के भाव को महसूस करना चाहते थे। एक युवती का कहना था कि मैं राहुल जी को देखने आई हूं और उनके मुद्दे से भी जुड़ना चाहती हूं। मैंने केमिस्ट्री में एमएससी की है, नेट की परीक्षा पास की है। लेकिन नौकरी नहीं लगी। बेरोजगार हूं. अब राहुल से उम्मीद है कि वो इस बारे में कुछ करेंगे। पहले जब मोदी जी आए थे तब उनसे बहुत उम्मीद थी, उन्होंने दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन कुछ किया नहीं, इसलिए इस बार राहुल से उम्मीद है। पढ़-लिख कर खाली बैठे हैं, हमारे जैसे बेरोजगारों की कोई सुनने वाला नहीं है।

वो यहां अकेली नहीं थीं जिन्हें रोजगार को लेकर शिकायत थी। आसपास छोटे-मोटे काम करने वाले कई युवा एक सुर में कहते हैं, सरकार चाहे जिसकी भी हो, बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हम सिर्फ. राहुल को देखने नहीं आए हैं. हम चाहते हैं कि इस मुद्दे पर उनका ध्यान आकर्षित हो। एंब्रॉयडरी का काम करने वाले एक शख्श ने कहा कि एक मजदूर सिर्फ. 450-500 रुपए ही कमा पाता है। मौजूदा सरकार के शासनकाल में महंगाई इतनी ज्यादा हो गई है कि एक आम आदमी खाने-पीने के आगे सोच ही नहीं पा रहा है। उसकी सारी कमाई दो रोटी के जुगाड़ में चली जा रही है। इसलिए ही हम बदलाव चाहते हैं और पहले जैसी सरकार चाहते हैं। अमेठी से आए कांग्रेस के एक सक्रिय कार्यकर्ता ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि 2024 में हम फिर से वापस आ रहे हैं। गांव-गांव जाकर यात्रा का संदेश देंगे. लोगों को बताएंगे कि लाखों की भीड़ थी।

कांग्रेस ने यूपी के गांव-गांव से अपने कार्यकर्ताओं को दिल्ली बॉर्डर पर बुलाया था। एक कार्यकर्ता का कहना था कि इतनी भीड़ और जोश देखकर बहुत अच्छा लग रहा है, ऐसा लग रहा है पार्टी फिर से मजबूत हो रही है। अब आगे हम और भी मेहनत करेंगे। दिल्ली से चले एक कार्यकर्ता का कहना था कि यात्रा अद्भुत है, लोगों में राहुल गांधी को देखने और सुनने का गजब उत्साह है। अब लग रहा है कांग्रेस फिर से मजबूत हो रही है। कांग्रेस का कार्यकर्ता फिर से खड़ा हो गया है। इस यात्रा ने राहुल गांधी को कमजोर (शारीरिक रुप से) कर दिया है, लेकिन कांग्रेस मजबूत हो गई है। पार्टी में नई जान आ गई है। नफरत के इस दौर में वो इकलौता गांधी है जो मोहब्बत बांट रहा है, प्यार बिखेर रहा है। मैं अपने नेता का साहस बढ़ाने आया हूं. मैं उनकी एक झलक देख पाया। उनके तेज, उनका तप, उनका त्याग सब दिख रहा है। सोशल मीडिया पर मैं यात्रा को देखता था और मन में प्रश्न उठता था कि वो इतने ऊजार्वान कैसे हैं। आज उन्हें देखा तो उस प्रश्न का जवाब मिल गया। उन्हें देखकर मुझे कैसा लगा शब्दों में बयान नहीं कर सकता। एक युवा ने कहा कि कांग्रेस से नहीं जुड़ा हूं। यात्रा में ये मेरा पहला दिन है, मैं 10 किलोमीटर चल चुका हूं। आज देश का जो माहौल है उसमें इस भारत जोड़ो यात्रा की जरूरत महसूस होती है। मुझे लगा कि राहुल ने पैदल देश में निकलकर बिल्कुल सही काम किया और मैं बस इसी सही काम में उनका साथ देने आया हूं।

देश में एक मुख्य विपक्ष की जरूरत थी. विपक्ष का सामने आना बहुत जरूरी था. राहुल गांधी सड़क पर लोगों से मिल रहे हैं और उनके मुद्दों को समझ रहे हैं. जब वो कश्मीर तक पहुंचेंगे तब हिंदुस्तान की उस जनता को समझ चुके होंगे जो सड़क पर अपने मुद्दों के साथ उनसे मिलने आई थीं। क्या भारत जोड़ो यात्रा का स्थानीय राजनीति पर कुछ असर होगा, इस पर एक स्थानीय व्यक्ति कहते हैं, यात्रा बहुत अच्छी लग रही है, यात्री बहुत अच्छे हैं। मुद्दा भी ठीक है, लेकिन ये इलाका लोकदल का है, ऐसे में वोटों पर इसका बहुत अधिक असर नहीं होगा।

खरमास बाद एक बार फिर गूंजेगी शहनाई

होगा आगाज

इस साल मई में सबसे अधिक मुहुर्त जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर में शादी का कोई शुभ मुहूर्त नहीं

वाराणसी। नववर्ष 2023 का आगाज हो चुका है। इस वर्ष पिछले वर्ष की अपेक्षा शादी-विवाह एवं मांगलिक कार्य के कुछ कम ही मुहुर्त मिलेंगे। खरमास खत्म होने के बाद वैवाहिक लग्न मिलेंगे। खरमास के बाद सूर्य ग्रह के दक्षिणायन आने के बाद से वैवाहिक मुहुर्त प्रारंभ हो जायेंगे। सूर्य ग्रह मकर राशि में 14 जनवरी 2023 की रात्रि 8.45 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही खरमास समाप्त हो जायेगा। सूर्य ग्रह के मकर राशि में प्रवेश करने पर सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाते हैं। उत्तरायण में सूर्य के आने से मांगलिक कार्यों की शुरूआत हो जाती है।

प्रसिद्ध ज्योतिषविद् पं. विमल जैन के मुताबिक 15 जनवरी 2023 से 26 फरवरी 2023 तक वैवाहिक कार्यों के लिए शुभ शुभ रहेगा। 27 फरवरी से लेकर 7 मार्च तक होलाष्टक के कारण समय अशुभ रहेगा। 8 मार्च से 14 मार्च तक शादी विवाह के लिए शुभ समय रहेगा। 15 मार्च 2023 से 29 अप्रैल 23 तक गुरु अस्त रहेंगे। इस दौरान खरमास भी रहेगा। जिसके चलते विवाह शादी 30 अप्रैल के बाद प्रारंभ होंगे। जो 29 जून तक चलेगा। 30 जून से 22 नवम्बर तक सूर्य कर्कायन हरिशयन, अधिकमास शुक्र के अस्त होने से विवाह नहीं हो पायेगा। 23 नवम्बर 2023 में देवउठनी एकादशी से 15 दिसम्बर 2023 तक मांगलिक कार्य के लिए अनुकूल रहेगा। 16 दिसम्बर 2023 से वर्ष के अंत तक सूर्य ग्रह के धनु राशि में आने पर खरमास प्रारंभ हो जायेगा जो अगले वर्ष 13 जनवरी 2024 तक रहेगा।

कब-कब रहेगा वैवाहिक मुहुर्त

जनवरी-15, 16, 18, 19, 25, 26, 27, 30, 31
फरवरी-6, 7, 9, 10, 12, 13,14, 16, 22, 23, 27, 28
मार्च -6, 9, 11, 13
मई-3, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 15,16, 17, 20, 21, 22, 29,30
जून-1, 3, 5, 6, 7, 11, 12, 23, 26
नवंबर-23, 27, 28, 29
दिसंबर-6, 7, 9, 15